

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 51 नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 20, 1997 (अग्राहयण 29, 1919)
51 NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 20, 1997 (AGRAHAYANA 29, 1919)

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सूची

भाग I - अध्याय 1 - राजपत्र के प्रकाशन के विषय में	508	भाग II - अध्याय 3 - उप-अध्याय (iii) - भारत सरकार के संसाधनों	94
संसाधनों और व्यवस्थापन के विषय में जारी की गई विधिवत नियमों के अन्तर्गत	737	(जिनमें रक्षा मंत्रालय की शामिल है) और	
संसाधनों में सम्मिलित प्रविष्टियों	1141	केन्द्रीय प्राधिकरणों (सब शामिल जैनों के	
भाग I - अध्याय 2 - (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार		प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य	
के संसाधनों और व्यवस्थापन के विषय में जारी की गई विधिवत नियमों की		साधारण प्राधिकृत नियमों और प्राधिकृत प्रादेशों (जिनमें सामान्य स्वयं की उपविधियों	
नियमितियों, परामर्शितों, छुट्टियों आदि के संबंध में प्रावधान	1895	की शामिल है) के द्वितीय प्राधिकृत पाठ (देश	
भाग I - अध्याय 3 - रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संसाधनों	5	गठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के	
और व्यवस्थापन के विषय में जारी की गई विधिवत नियमों		अध्याय 3 या अध्याय 4 में प्रकाशित होने हैं)	
भाग I - अध्याय 4 - रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधिवत		भाग II - अध्याय 4 - रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए प्राधिकृत	
नियमों की विधिवत नियमों और प्रावधान		नियम और प्रावधान	
भाग I - अध्याय 5 - रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधिवत		भाग III - अध्याय 1 - उप-अध्याय (i) - विधिवत और प्राधिकृत	
नियमों की विधिवत नियमों और प्रावधान		नियमों, सब जोड़ रक्षा मंत्रालय के विभाग	
भाग II - अध्याय 1 - विधिवत व्यवस्थापन और विधिवत		और भारत सरकार से संबद्ध और अन्य	
भाग II - अध्याय 2 - विधिवत व्यवस्थापन और विधिवत		प्रशासनों द्वारा जारी की गई प्रावधान	1131
भाग II - अध्याय 3 - उप-अध्याय (i) भारत सरकार के संसाधनों		भाग III - अध्याय 2 - रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधिवत	
(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (सब शामिल जैनों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य प्राधिकृत नियम (जिनमें सामान्य स्वयं के प्रावधान और उप-विधियों शामिल की शामिल है)		और विभागों के संबंधित प्रावधानों और प्रावधान	1655
भाग II - अध्याय 3 - उप-अध्याय (ii) भारत सरकार के संसाधनों		भाग III - अध्याय 3 - सब प्रावधानों के प्रावधान के संबंध	
(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (सब शामिल जैनों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य प्राधिकृत नियम (जिनमें सामान्य स्वयं के प्रावधान और उप-विधियों शामिल की शामिल है)		भाग III - अध्याय 4 - विधिवत प्रावधानों द्वारा जारी की गई प्रावधानों	
भाग II - अध्याय 3 - उप-अध्याय (iii) भारत सरकार के संसाधनों		जिनमें प्रावधानों द्वारा जारी की गई प्रावधानों	3749
(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (सब शामिल जैनों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य प्राधिकृत नियम (जिनमें सामान्य स्वयं के प्रावधान और उप-विधियों शामिल की शामिल है)		भाग IV - रक्षा मंत्रालय प्रावधानों और रक्षा मंत्रालय	
भाग II - अध्याय 3 - उप-अध्याय (iv) भारत सरकार के संसाधनों		विभागों द्वारा जारी की गई प्रावधानों और प्रावधान	367
(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (सब शामिल जैनों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य प्राधिकृत नियम (जिनमें सामान्य स्वयं के प्रावधान और उप-विधियों शामिल की शामिल है)		भाग V - प्रावधानों और प्रावधानों में सब और प्रावधान	
भाग II - अध्याय 3 - उप-अध्याय (v) भारत सरकार के संसाधनों		प्रावधानों को प्रावधानों प्रावधान	

CONTENTS

PAGE		PAGE
	PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	
737		
	PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	
1141		
	PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence	
5		
	PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	
1895		
	PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations	
*		
	PART II—SECTION 1 A—Authoritative texts in Hindi language of Acts, Ordinances and Regulations	
*		
	PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills	
*		
	PART I—SECTION 3—Sub-SECTION (I)—General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	
*		
	PART I—SECTION 3—Sub-SECTION (II)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	
*		
	PART II—SECTION 3—Sub-SECTION (III)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, Published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than Administration of Union Territories)	
*		
	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	
*		
	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India	
1131		
	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs	
1655		
	PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	
—		
	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	
3749		
	PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies	
367		
	PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi	

[PART I—SECTION 1]

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्च न्यायालय द्वारा जारी
गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued
by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and
by the Supreme Court]

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नियम

नई दिल्ली, दिनांक 20 दिसम्बर 1997

नियमावली

सं. 97/ई. (जी. आर.)/1/18/2—निम्नलिखित संघाओं/
पदों में रिक्तियां भरणे के लिए 1998 से संघ लोक सेवा आयोग
द्वारा ली जाने वाली सम्मिलित प्रतियोगिता इंजीनियरी सेवा परीक्षा
की नियमावली मंत्रालयों/विभागों की सहमति से सर्वसाधारण की
जानकारी के लिए प्रकाशित की जाती है :—

वर्ग 1—सिविल इंजीनियरी

ग्रुप 'क' सेवाएं/पद

- (1) इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा ।
- (2) भारतीय रेल भण्डार सेवा (सिविल इंजीनियरी पद) ।
- (3) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ।
- (4) सैनिक इंजीनियरी सेवा (आई. डी. एस. ई.—भवन तथा सड़क संवर्ग) ।
- (5) सैनिक इंजीनियरी सेवा (निर्माण सर्वेक्षण संवर्ग) ।
- (6) भारतीय सर्वेक्षण सेवा ग्रेड 'क' (सिविल इंजीनियरी पद) ।
- (7) केन्द्रीय जल इंजीनियरी सेवा (सिविल इंजीनियरी पद) ।
- (8) डाक व सार भवन निर्माण (ग्रुप-क) सेवा के सहायक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) ।
- (9) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (सड़क) ग्रुप 'क' ।
- (10) सहायक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' ।
- (11) भारतीय आयुध कारखाना सेवा (इंजीनियरी शाखा) (सिविल इंजीनियरी पद) ।

वर्ग 2—यांत्रिक इंजीनियरी

ग्रुप 'क' सेवाएं/पद

- (1) यांत्रिकी इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा ।
- (2) भारतीय रेल भण्डार सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी पद) ।
- (3) केन्द्रीय जल इंजीनियरी सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी पद) ।
- (4) केन्द्रीय वीद्युत इंजीनियरी सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी पद) ।
- (5) भारतीय आयुध कारखाना सेवा (इंजीनियरी शाखा) (यांत्रिक इंजीनियरी पद) ।
- (6) भारतीय नौ सेना आयुध सेवा (यांत्रिकी इंजीनियरी पद) ।
- (7) सैनिक इंजीनियरी सेवा आई. डी. एस. ई. (वीद्युत और यांत्रिक संवर्ग) (यांत्रिक इंजीनियरी पद) ।
- (8) केन्द्रीय वीद्युत-और यांत्रिक इंजीनियरी सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी पद) ।
- (9) सहायक कार्यपालक इंजीनियर (वीद्युत तथा यांत्रिक) (यांत्रिक इंजीनियरी पद) सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' ।
- (10) सहायक प्रबन्धक (कारखाना) दूर-संचार विभाग दूर-संचार कारखाना संगठन ।
- (11) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (सड़क) ग्रुप 'क' (यांत्रिक इंजीनियरी पद) ।
- (12) सहायक कार्यपालक इंजीनियर ग्रुप 'क' (यांत्रिक इंजीनियरी पद) ई. एम. ई. कोर, रक्षा मंत्रालय ।
- (13) भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप 'क' (यांत्रिकी इंजीनियरी पद) ।
- (14) भारतीय आपूर्ति सेवा ग्रुप 'क' (यांत्रिकी इंजीनियरी पद) ।

ग्रुप 'ब' सेवाएं/पद

- (15) सहायक इंजीनियरी ग्रुप 'ब' (यांत्रिकी इंजीनियरी पद) इ. एम. इ. कोर, रक्षा मंत्रालय ।

वर्ग 3—वैद्युत इंजीनियरी

ग्रुप 'क' सेवाएं/पद

- (1) वैद्युत इंजीनियरी की भारतीय रेल सेवा ।
- (2) भारतीय भंडार सेवा (वैद्युत इंजीनियरी पद) ।
- (3) केन्द्रीय वैद्युत और यांत्रिक इंजीनियरी सेवा (वैद्युत इंजीनियरी पद) ।
- (4) भारतीय आयुध कारखाना सेवा (इंजीनियरी शाखा) (वैद्युत इंजीनियरी पद) ।
- (5) भारतीय नौसेना आयुध सेवा (वैद्युत इंजीनियरी पद) ।
- (6) केन्द्रीय वैद्युत इंजीनियरी सेवा (वैद्युत इंजीनियरी पद) ।
- (7) सहायक कार्यपालक इंजीनियर (वैद्युत) आक तार भवन निर्माण (ग्रुप 'क') सेवा ।
- (8) सैनिक इंजीनियरी सेवा (आई. डी. एस. इ.) वैद्युत और यांत्रिक संवर्ग (वैद्युत इंजीनियरी पद) ।
- (9) सहायक प्रबन्धक (कारखाना) दूर-संचार विभाग (दूर-संचार कारखाना संगठन) ।
- (10) सहायक कार्यपालक इंजीनियर ग्रुप 'क' (वैद्युत इंजीनियरी पद) इ. एम. इ. कोर, रक्षा मंत्रालय ।
- (11) भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप 'क' (वैद्युत इंजीनियरी पद) ।
- (12) भारतीय आपूर्ति सेवा ग्रुप 'क' (वैद्युत इंजीनियरी पद) ।

ग्रुप 'ख' सेवाएं/पद

- (13) सहायक इंजीनियर ग्रुप 'ख' (वैद्युत इंजीनियरी पद), इ. एम. इ. कोर, रक्षा मंत्रालय ।

वर्ग 4—इलेक्ट्रॉनिकी और दूर-संचार

इंजीनियरी

ग्रुप 'क' सेवाएं/पद

- (1) सिगनल इंजीनियरी की भारतीय रेल सेवा ।
- (2) भारतीय रेल भंडार सेवा (दूर-संचार इलेक्ट्रॉनिकी इंजीनियरी पद) ।
- (3) भारतीय दूर-संचार सेवा ।
- (4) इंजीनियर वायरलेस आयोजन और समन्वय स्कन्ध/अनुसंधान संगठन ।
- (5) भारतीय प्रसारण (इंजीनियरी) सेवा ।

- (6) भारतीय आयुध कारखाना सेवा (इंजीनियरी शाखा) (इलेक्ट्रॉनिकी इंजीनियरी पद) ।

- (7) भारतीय नौ सेवा आयुध (इलेक्ट्रॉनिकी इंजीनियरी पद) ।

- (8) केन्द्रीय वैद्युत इंजीनियरी सेवा (दूर-संचार इंजीनियरी पद) ।

- (9) भारतीय सर्वेक्षण सेवा ग्रुप 'क' (इलेक्ट्रॉनिकी एवं दूर-संचार इंजीनियरी पद) ।

- (10) सहायक प्रबन्धक (कारखाना) दूर-संचार विभाग (दूर-संचार कारखाना संगठन) ।

- (11) भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप 'क' (इलेक्ट्रॉनिकी इंजीनियरी पद) ।

- (12) भारतीय आपूर्ति सेवा ग्रुप 'क' (इलेक्ट्रॉनिकी इंजीनियरी पद) ।

- (13) सहायक कार्यपालक इंजीनियर ग्रुप 'क' (इलेक्ट्रॉनिकी इंजीनियरी पद) इ. एम. इ. कोर, रक्षा मंत्रालय ।

ग्रुप 'ख' सेवाएं/पद

- (14) सहायक इंजीनियर ग्रुप 'ख' (इलेक्ट्रॉनिकी इंजीनियरी पद) इ. एम. इ. कोर, रक्षा मंत्रालय ।

1. परीक्षा संघ लोक सेवा आयोग द्वारा इन नियमों के परिशिष्ट 1 में निर्धारित नीति से ली जाएगी । परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग निश्चित करेगा ।

2. उम्मीदवार ऊपर दर्शाई गई सेवाओं/पदों की श्रेणियों जैसे कि सिविल इंजीनियरी या यांत्रिक इंजीनियरी या वैद्युत इंजीनियरी या इलेक्ट्रॉनिक और दूरसंचार इंजीनियरी श्रेणी के लिए प्रतियोगी हो सकता है । परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम के आधार पर उर्हता प्राप्त करने वाले उम्मीदवार को विस्तृत आवेदन-पत्र में वरीयता के क्रम में यह स्पष्ट करना होगा कि वह कितने सेवाओं/पदों के लिए विचार किए जाते हैं । उम्मीदवार को उनकी इच्छानुसार एकाधिक जितनी भी वह चाहे वरीयता क्रम दर्शाने का परामर्श दिया जाता है जिससे कि योग्यता क्रम में उनके रैंक के अनुसार नियुक्ति करते समय उनकी वरीयता पर उचित ध्यान दिया जा सके ।

विशेष ध्यान 1:—उम्मीदवार को सलाह दी जाती है कि वह अपने विस्तृत आवेदन-पत्र में उन सभी सेवाओं/पदों का वरीयता क्रम में उल्लेख करें जिन सेवाओं/पदों के लिए वह नियमों की शर्तों के अनुसार पात्र है । यदि वह किसी सेवा/पद का वरीयता क्रम नहीं लिखता है अथवा आवेदन-पत्र में किन्हीं सेवाओं/पदों को सम्मिलित नहीं करता है तो यह मान लिया जाएगा कि उन सेवाओं/पदों के लिए उसकी कोई विशेष वरीयता नहीं है और ऐसी स्थिति में सेवाओं/पदों के लिए उम्मीदवारों की वरीयताओं के अनुसार आवेदन करने के पश्चात् जिनमें रिक्ति होगी उसका किसी

भी शेष सेवाओं/पदों पर अधिसूचना में दिए गए क्रम के आधार पर, आबंटन कर दिया जाएगा। इस प्रकार का आबंटन करते समय उन उम्मीदवारों का पहले ग्रुप 'क' सेवाओं/पदों और बाद में ग्रुप 'ख' सेवाओं/पदों के लिए विचार किया जाएगा।

विशेष ध्यान 2 :—किसी भी उम्मीदवार का अपने विस्तृत आवेदन-पत्र में पहले से निर्दिष्ट वरीयताओं का बढ़ाने/परिवर्तन करने के बारे में कोई अनुरोध आयोग द्वारा स्वीकार नहीं किया जाएगा।

विशेष ध्यान 3 :—यदि विभागीय उम्मीदवार जिन्हें आयु सीमा में छूट के अधीन [बिचिए नियम 5 (ख)] परीक्षा में भाग लेने की अनुमति दी गई है अन्य मंत्रालयों/विभागों में सेवाओं/पदों पर नियुक्त किए जाने के लिए भी अपनी वरीयता दे सकते हैं। तथापि पहले उन्हें उनके योग्यताक्रम के अनुसार उनके अपने ही विभाग में सेवाओं/पदों पर नियुक्त करने पर विचार किया जाएगा और केवल उन विभागों में रिक्तियों के न होने अथवा ऐसे उम्मीदवारों के उनके अपने ही विभागों में सेवाओं/पदों के लिए चिकित्सा जांच में अयोग्य रहने की स्थिति में ही उनके द्वारा दी गई वरीयता के आधार पर अन्य मंत्रालयों/विभागों में सेवाओं/पदों पर नियुक्त करने के सम्बन्ध में विचार किया जाएगा।

विशेष ध्यान 4 :—नियम 6 के उपबन्ध के अन्तर्गत परीक्षा में प्रवेश दिए गए उम्मीदवारों की केवल उन्हीं वरीयताओं पर विचार किया जाएगा जो उक्त उपबन्ध में निर्दिष्ट पदों के लिए हैं और अन्य सेवाओं और पदों के लिए उनकी वरीयताओं, यदि कोई हों, पर विचार नहीं किया जाएगा।

विशेष ध्यान 5 :—उम्मीदवारों की विभिन्न सेवाओं/पदों का आबंटन योग्यता क्रम सूची में उनके स्थान, उनके द्वारा दी गई वरीयता और पदों की संख्या के आधार पर ही किया जाएगा जो उम्मीदवारों के चिकित्सा की दृष्टि से स्वस्थ पाए जाने के अध्याधीन हैं।

3. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या आयोग द्वारा जारी किए गए नोटिस में निर्दिष्ट की जाएगी।

अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जन जातियों तथा अन्य पिछड़ी श्रेणियों के उम्मीदवारों के लिए वार्षिक रिक्तियों की संख्या सरकार द्वारा निर्धारित की जाएगी।

4. कोई उम्मीदवार या तो :—

- (क) भारत का नागरिक हो, या
- (ख) नेपाल की प्रजा हो, या
- (ग) भूटान की प्रजा हो, या
- (घ) भारत में स्थाई निवास के हरादे से 1 जनवरी, 1962 से पहले भारत आया हुआ तत्कालीन शरणार्थी हो, या

(ङ) भारत में स्थाई निवास के हरादे से पाकिस्तान, ईरान, श्रीलंका और पूर्वी अफ्रीकी देशों के साथ, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य तंजानिया, जाम्बिया, मलावी, जेरे, इथियोपिया और वियतनाम में प्रत्युत्पन्न कर आया हुआ मूलतः भारतीय व्यक्ति हो।

किन्तु यदि यह है कि उपर्युक्त वर्ग (क), (ग), (घ) और (ङ) से सम्बन्धित उम्मीदवार को सरकार ने पात्रता प्रमाण-पत्र प्रदान कर दिया हो।

जिस उम्मीदवार के मामले में पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है किन्तु नियुक्ति प्रस्ताव केवल तभी दिया जा सकता है जब भारत सरकार द्वारा उसे आवश्यक पात्रता प्रमाण-पत्र जारी कर दिया गया हो,

5. (क) इस परीक्षा के उम्मीदवार की आयु 1 अगस्त, 1998 को 21 वर्ष हो चुकी हो किन्तु 28 वर्ष पूरी न हुई हो अर्थात् उसका जन्म 2 अगस्त, 1970 से पहले और 1 अगस्त, 1977 के बाद न हुआ हो।

(ख) नियम-2 के नीचे दिए गए विशेष ध्यान (3) में निर्दिष्ट शर्तों के अध्याधीन रहते हुए निम्नलिखित वर्ग के सरकारी कर्मचारियों के लिए, यदि वे नीचे दिए गए कालम में निर्दिष्ट प्राधिकरणों के नियंत्रणाधीन किसी विभाग/कार्यालय में नियुक्त हैं और कालम-2 में निर्दिष्ट सभी अथवा किसी सेवा (सेवाओं)/पद (पदों) के लिए परीक्षा में प्रवेश पाने हेतु जिसके लिए वे अन्यथा पात्र हैं, आवेदन करते हैं—ऊपर आयु-सीमा 28 वर्ष के स्थान पर 33 वर्ष होगी।

(1) वह उम्मीदवार जो सम्बन्धित विभाग/कार्यालय विशेष में मूल रूप में स्थाई पद पर है उक्त विभाग कार्यालय में स्थाई पद पर नियुक्त परीक्षाधीन अधिकारी को उसकी परीक्षा की अवधि के दौरान यह छूट नहीं मिलेगी।

(2) वह उम्मीदवार जो किसी विभाग/कार्यालय विशेष में 1 अगस्त, 1997 को कम से कम 3 वर्ष लगातार अस्थाई सेवा नियमित आधार पर कर चुका हो।

कालम-1	कालम-2
1	2
रेल विभाग	आई० आर० एस० ई० आई० आर० एस० एम० ई० आई० आर० एस० ई० ई० आई० आर० एस० एस० ई० आई० आर० एस० एस०
केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग	सी० ई० एस० ग्रुप 'क' सी० ई० एण्ड एम० ई० एस० ग्रुप 'क'।

1	2
मुख्य अभियंता सेवा मंडल	भौतिक इंजीनियरी सेवा, ग्रुप 'क' (आई० डी० एस० ई०) बी० एवं आर० संवर्ग तथा निर्माण सर्वेक्षण संवर्ग सैनिक इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' (आई० डी० एस० ई०—ई० एवं एम० संवर्ग 1)
आयुध कारखाना महा निवेशालय	आई० डी० एफ० एस० ग्रुप 'क'
केन्द्रीय जन आयोग	सी० डब्ल्यू० ई० (ग्रुप 'क') सेवा
केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण बैतार आयोजन तथा समन्वय स्कन्ध अन्वेषण संगठन	सी० पी० ई० (ग्रुप 'क') सेवा इंजीनियर (ग्रुप 'क')
सीमा सड़क संगठन आकाशवाणी/दूरदर्शन	सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा भारतीय प्रसारण (इंजीनियर्स) सेवा का कनिष्ठ वेतनमान
भारतीय नौ सेना संचार मंत्रालय दूर संचार विभाग तथा डाक विभाग	भारतीय नौसेना आयुध सेवा। भारतीय दूर संचार सेवा, ग्रुप 'क' सहायक कार्यकारी इंजीनियर (सिविल/वैद्युत) डाक व तार भवन निर्माण ग्रुप 'क' सेवा सहायक प्रबन्धक (कारखाना) ग्रुप 'क', डाक एवं तार (दूर- संचार कारखाना संगठन)
विज्ञान तथा तकनीकी विभाग आपूर्ति और निपटान महा निवेशालय	आई० एस० एम० (आई० आई० एस० ग्रुप 'क') ग्रुप 'क'

टिप्पणी :—प्रशिक्षुता की अवधि के बाद यदि रेलों में किसी कार्यभार पद पर नियुक्त हो जाती है तो आयु में छूट के प्रयोजन के लिए प्रशिक्षुता की अवधि रेल सेवा मानी जाएगी।

(ग) इसके अलावा निम्नलिखित स्थितियों में भी ऊपर निर्धारित ऊपरी आयु सीमा में छूट दी जाएगी :—

- (1) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो तो अधिक से अधिक पांच वर्ष तक;
- (2) ऐसे उम्मीदवार के मामले में, जिन्होंने 01 जनवरी, 1980 से 31 दिसम्बर, 1989 तक की अवधि के

दौरान साधारणतया जम्मू तथा कश्मीर राज्य में अधिवास किया हो, अधिकतम 5 वर्ष तक;

- (3) अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति से संबंधित ऐसे उम्मीदवारों के मामले में, जिन्होंने 01 जनवरी, 1980 से 31 दिसम्बर, 1989 तक की अवधि के दौरान जम्मू तथा कश्मीर राज्य में अधिवास किया हो, अधिकतम 10 वर्ष तक।
- (4) शत्रु देश के साथ संघर्ष में अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए तथा इसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए रक्षा सेवा के कार्मिकों के मामले में अधिक से अधिक 3 वर्ष तक;
- (5) शत्रु देश के साथ संघर्ष में या अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए तथा इसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए रक्षा सेवा की अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के कार्मिकों के मामले में अधिक से अधिक से अधिक आठ वर्ष तक;
- (6) जिन भूतपूर्व सैनिकों (कमीशन प्राप्त अधिकारियों तथा आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) ने 1 अगस्त, 1998 को कम से कम 5 वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो (1) कदाचार या अक्षमता के आधार पर पर्याप्त न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समापन पर कार्यमुक्त हुए हैं इनमें से भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 अगस्त, 1998 से एक वर्ष के अंदर पूरा होना है, या (2) अल्पकालिक सेवा से हुई शारीरिक अपंगता या (3) अक्षमता के कारण कार्यमुक्त हुए हैं के मामले में अधिक से अधिक पांच वर्ष तक;
- (7) भूतपूर्व सैनिक (कमीशन प्राप्त अधिकारियों तथा आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) जो अ. जा. या अ. ज. जा. के हैं तथा जिन्होंने 1 अगस्त, 1998 को कम से कम 5 वर्ष तक सैनिक सेवा की है और जो (1) कदाचार या अक्षमता के आधार पर बर्खास्त न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समापन पर कार्यमुक्त हुए हैं इनमें से भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 अगस्त, 1998 से एक वर्ष के अंदर पूरा होना है, या (2) सैनिक सेवा में हुए शारीरिक अपंगता या (3) अक्षमता के कारण कार्यमुक्त हुए हैं उनके मामले में अधिक से अधिक 10 वर्ष तक;
- (8) आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों के उन मामलों में जिन्होंने 1 अगस्त, 1998 को सैनिक सेवा के 5 वर्ष की सेवा की प्रारम्भिक अवधि पूरी कर ली है और जिनका कार्यकाल 5 वर्ष से आगे भी बढ़ाया गया

है तथा जिनके मामले में रक्षा मंत्रालय एक प्रमाण-पत्र जारी करता है कि वे सिविल रोजगार के लिए आवेदन कर सकते हैं और चयन होने पर नियुक्ति प्रस्ताव प्राप्त होने की तारीख से तीन माह के नोटिस पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जाएगा, अधिकतम 5 वर्ष तक;

- (9) अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति के ऐसे आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा प्राप्त कमीशन अधिकारियों के उन मामलों में जिन्होंने 1 अगस्त, 1998 को सैनिक सेवा के 5 वर्ष की सेवा की प्रारम्भिक अवधि पूरी कर ली है और जिसका कार्यकाल 5 वर्ष से आगे भी बढ़ाया गया है तथा जिनके मामले में रक्षा मंत्रालय एक प्रमाण-पत्र जारी करता है कि वे सिविल रोजगार के लिए आवेदन कर सकते हैं और चयन होने पर नियुक्ति प्रस्ताव प्राप्त होने की तारीख से तीन माह के नोटिस पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जाएगा, अधिकतम 10 वर्ष तक;

- (10) अन्य पिछड़ी श्रेणियों के उम्मीदवारों के मामले में, जो ऐसे उम्मीदवारों पर लागू होने वाले आरक्षण प्राप्त करने के पात्र हैं; अधिकतम 3 वर्ष तक।

टिप्पणी 1—भूतपूर्व सैनिक शब्द उन व्यक्तियों पर लागू होगा जिन्हें समय-समय पर यथा संबंधित भूतपूर्व सैनिक (सिविल सेवा तथा मदों में एनरोजगार) नियम, 1979, परिभाषित किया गया है।

टिप्पणी 2—ऐसे उम्मीदवार जो अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के नहीं हैं तथा जिन्होंने आयु सीमा में छूट लेने के पश्चात् सिविल राइड में कोई सरकारी नौकरी पहले ही ले ली है, वे नियम 5(ग) (2) से (10) के अधीन आयु सीमा में छूट के पात्र नहीं हैं।

तथापि, ऐसे भूतपूर्व सैनिक को, जो केन्द्रीय सरकार के अंतर्गत किसी सिविल पद पर पहले ही नियुक्ति रोजगार प्राप्त कर चुके हैं, केन्द्र सरकार के अंतर्गत किसी उच्च पद या सेवा में किसी अन्य रोजगार के लिए भूतपूर्व सैनिकों को यथास्थिति अर्हता छूट के लाभ की अनुमति दी जाती है।

टिप्पणी 3—अन्य पिछड़े वर्गों से संबंधित वे उम्मीदवार, जो उप-युक्त नियम 5 (ग) के किन्हीं अन्य वर्गों अर्थात् जो भूतपूर्व सैनिक आदि के अंतर्गत आते हैं, वर्गों श्रेणियों के अंतर्गत की जाने वाली संश्लेषण आग सीमा-छूट प्राप्त करने के पात्र होंगे।

विशेष ध्यान—जिस उम्मीदवार को उपयुक्त नियम (5) (ख) में उल्लिखित आयु संबंधी रियायतें देकर परीक्षा में प्रवेश दिया गया है, उसकी उम्मीदवारी उस स्थिति में रद्द कर दी जाएगी यदि आवेदन पत्र प्रस्तुत करने के बाद वह परीक्षा देने से पहले या बाद में सेवा से त्याग-पत्र देता है या उसके विभाग/कार्यालय द्वारा उसकी सेवा समाप्त कर दी जाती है। किन्तु आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने के बाद यदि उसकी सेवा या पद में छूटनी हो जाती है तो वह परीक्षा देने का पात्र बना रहेगा।

जो उम्मीदवार विभाग को अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद किसी अन्य विभाग/कार्यालय में स्थानांतरित हो जाता है वह उस सेवा/पद हेतु विभाग की आय संबंधी रियायत लेकर प्रतियोगिता में सम्मिलित होने का पात्र रहेगा जिसका पात्र वह स्थानांतरण न होने पर रहता वरन् कि उसका आवेदन-पत्र उसके मूल विभाग द्वारा अंगीकृत कर दिया गया है।

उपयुक्त व्यवस्था के अलावा निर्धारित आय सीमा में किसी भी स्थिति में छूट नहीं दी जाएगी।

आयोग जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मेट्रीकुलेशन या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा अनुरोधित मेट्रीकुलेशन के रजिस्टर में दर्ज की गई हो और वह उद्घरण विश्वविद्यालय के समीक्षित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हो। जो उम्मीदवार उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसकी समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुका है वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्र की अनु-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है।

आयु के संबंध में कोई अन्य-व्यवस्था जैसे जन्म कुण्डली, शपथ-पत्र, नगर निगम तथा सेवा अभिलेख से प्राप्त जन्म संबंधी उद्घरण तथा अन्य ऐसे प्रमाण स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

अनुदेशों के इस भाग में आए हुए "मेट्रीकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र" वाक्यांश के अंतर्गत उपयुक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्र सम्मिलित हैं।

टिप्पणी 1—उम्मीदवार यह ध्यान में रखें कि आयोग उम्मीदवार की जन्म की उसी तारीख को स्वीकार करेगा जो कि आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने की तारीख को मेट्रीकुलेशन/उच्चतर परीक्षा प्रमाण-पत्र में या समकक्ष परीक्षा प्रमाण-पत्र में दर्ज है और इसके बाद उसमें परिवर्तन के किसी अनुरोध पर नहीं विचार किया जाएगा और न ही उसे स्वीकार किया जाएगा।

टिप्पणी 2—उम्मीदवार यह भी नोट कर लें कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की सारी एक बार घोषित कर देने और आयोग द्वारा उसे अपने अभिलेख में दर्ज कर लेने के बाद उसमें बाद में या किसी बाद की परीक्षा में परिवर्तन करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

6. उम्मीदवार—

- (क) के पास भारत के केन्द्र या राज्य विधान मंडल द्वारा निर्गमित किसी विश्वविद्यालय की या संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की धारा 3 के अधीन विश्वविद्यालय के रूप में मानी गई किसी अन्य शिक्षा संस्थान से इंजीनियरी में डिग्री होनी चाहिए; अथवा
- (ख) इंजीनियरों की संस्था (भारत) की संस्था परीक्षा का भाग क और ख उत्तीर्ण हो; अथवा
- (ग) के पास किसी विश्वविद्यालय/कालेज संस्था से इंजीनियरी में डिग्री/डिप्लोमा होना चाहिए, जिसे समय-समय पर इस प्रयोजन के लिए, सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त हो; अथवा
- (घ) इलेक्ट्रॉनिक्स और दूरसंचार इंजीनियरी की संस्था (भारत) की ग्रेजुएट मेम्बरशिप परीक्षा उत्तीर्ण हो; अथवा
- (ङ) भारतीय वैमानिकी सेवायटों की एसोसिएट मेम्बरशिप परीक्षा भाग 2 और 3/खण्ड क और ख उत्तीर्ण हो; अथवा
- (च) यांत्रिक इंजीनियरों की संस्था (भारत) की एसोसिएट मेम्बरशिप परीक्षा (भाग क और ख) उत्तीर्ण हो; अथवा
- (छ) नवम्बर, 1959 के बाद ली गई इलेक्ट्रॉनिक्स और रॉडियो इंजीनियरी की संस्था (गन्धन) की ग्रेजुएट मेम्बरशिप परीक्षा उत्तीर्ण हो।

किन्तु वायरलेस आयाजन तथा समन्वय स्थान/अनुश्रवण संगठन, संचार मंत्रालय में इंजीनियरी ग्रुप क, भारतीय प्रसारण (इंजीनियर्स) सेवा तथा भारतीय नौसैन्य आयुध सेवा (इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरी पब) के पदों के लिए उम्मीदवारों के पास उपर्युक्त कोई योग्यता या निम्नलिखित योग्यता हो जैसे :—

वायरलेस संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स, रॉडियो भौतिकी या रॉडियो इंजीनियरी के विशेष विषय के साथ एम. एम.सी. डिग्री या समकक्ष।

टिप्पणी 1 :—यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिस उत्तीर्ण करने पर वह शैक्षिक दृष्टि से इस परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है, पर अभी उस परीक्षा के पीछे का सूचना न मिली हो तो वह इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अर्हता परीक्षा में बैठना चाहता हो वह भी आवेदन कर सकता है। ऐसे उम्मीदवारों को रजिस्ट्रार द्वारा पात्र होने से, परीक्षा में बैठने दिया जाएगा परन्तु परीक्षा में बैठने की यह अनुमति अनन्तितम मानी जाएगी और अर्हता परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण प्रस्तुत न करने की स्थिति में उनका प्रवेश रद्द कर दिया जाएगा। उक्त प्रमाण विस्तृत आवेदन पत्र के, जो उक्त परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम के आधार पर अर्हता प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों द्वारा आयोग को प्रस्तुत करने पड़ेंगे, साथ प्रस्तुत करना होगा।

टिप्पणी 2 :—विशेष परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग ऐसे किसी उम्मीदवार को भी परीक्षा में प्रवेश पाने का पात्र मान सकता है जिसके पास उपर्युक्त अर्हताओं में से कोई अर्हता नहीं होगी कि उम्मीदवार ने किसी संस्था द्वारा ली गई कोई ऐसी परीक्षा पास कर ली हो जिसका स्तर आयोग के मतानुसार ऐसा हो कि उसके आधार पर उम्मीदवार को उक्त परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है।

टिप्पणी 3 :—जिस उम्मीदवार ने अन्यथा अर्हता प्राप्त कर ली है किन्तु उसके पास विश्वविद्यालय की ऐसी डिग्री है जो सरकार द्वारा मनाता प्राप्त नहीं है वह भी आयोग को आवेदन कर सकता है और उसे आयोग के निर्णय पर परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है।

7. उम्मीदवारों को आयोग के नोटिस में निर्धारित बालक का भुगतान अवश्य करना चाहिए।

8. जो उम्मीदवार सरकारी नौकरी में स्थाई या अस्थायी रूप से काम कर रहे हों या किसी काम के लिए विधिक रूप से नियुक्त कर्मचारी हो जिसमें आकस्मिक या दैनिकी के रूप पर नियुक्त व्यक्ति शामिल नहीं है, उनकी या जो सार्वजनिक उद्यमों में संवारन हों, उनके इस अवश्य का परिदृष्टन (अवडरटकिंग) देना होगा कि उन्होंने अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को लिखित रूप में यह सूचित कर दिया है कि उन्होंने परीक्षा के लिए आवेदन दिया है।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग को उनके नियोजता से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन

करने/परीक्षा में बैठने से संबंधित अनुमति मिलने तक प्राप्त किया जायेगा/उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

9. उम्मीदवार को आवेदन-पत्र और उनकी पात्रता को स्वीकार करने या परीक्षा में प्रवेश अर्हिक के संबंध में उत्तर का निर्णय अंतिम होगा।

परीक्षा में आवेदन करने वाले उम्मीदवार यह सुनिश्चित कर लें कि वे परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए पात्रता की सभी शर्तों पूरी करते हैं। परीक्षा के उन सभी स्तरों, जिनके लिए आयोग ने उन्हें प्रवेश दिया है अर्थात् लिखित परीक्षा तथा साक्षात्कार परीक्षण, में उनकी प्रवेश पूर्णतः अन्तिम होगा तथा उनके निर्धारित पात्रता की शर्तों को पूरा करने पर आधारित होगा। यदि लिखित परीक्षा तथा साक्षात्कार परीक्षण के पहले या बाद में सत्यापन करने पर यह पता चलता है कि वे पात्रता की निम्नी शर्तों को पूरा नहीं करते हैं तो आयोग द्वारा परीक्षा के लिए उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

10. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में हब तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक कि उसके पास आयोग का प्रवेश प्रमाण-पत्र (मर्टिफिकेट आफ एडमिशन) न हो।

11. आयोग ने जिस उम्मीदवार को प्रवेश पाया अथवा धारित किया है :-

- (1) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अथवा
- (2) नाम खोल कर परीक्षा दी है, अथवा
- (3) किसी अन्य व्यक्ति से इस रूप में कार्यसाधन कराया है, अथवा
- (4) आली प्रमाण-पत्र या ऐसे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किए हैं जिनमें तथ्यों को बिगाड़ा गया हो, अथवा
- (5) गलत या झूठे ध्वनित्व किए हैं या किसी गलत-पूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा
- (6) परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए किसी अना अनुमति अथवा अनुचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा
- (7) परीक्षा के समय अनुचित साधनों का प्रयोग किया हो, या
- (8) उत्तर प्रतिकाओं पर असंगत टिप्पणियाँ लिखी हों जो अक्षरीय भाषा में या अन्य भाषा में हों, या
- (9) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का अव्यवहार किया हो, या
- (10) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त अधिकारियों की परीक्षा केंद्र को हर तरह का शारीरिक क्षति पहुँचाई हो, या

(11) परीक्षा की अनुमति दत्त हुए उम्मीदवारों को भेजे गए प्रमाण-पत्र के साथ जारी अनुदेशों का पालना किया हो, अथवा

(12) उपर्युक्त खंडों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य के द्वारा आयोग को अवगोहित करने का प्रयास किया हो।

तो उस पर अपराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रोसीक्यूशन) चलाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे :-

(क) आयोग द्वारा उस परीक्षा में जिसका वह उम्मीदवार है, बैठने के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है, तथा/अथवा

(ख) उसे अस्थाई रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए :-

(1) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन के लिए,

(2) केंद्रीय सरकार द्वारा उनके अधीन किसी भी नौकरी से वार्डित किया जा सकता है और

(ग) यदि वह सरकार के अधीन पहले से ही सेवा में है तो उसके विरुद्ध उपर्युक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है।

किन्तु शर्त यह है कि इस निर्देश के अधीन कोई धारित तब तक नहीं दी जाएगी जब तक :-

(1) उम्मीदवार को इस संबंध में लिखित अभ्यावेदन जो वह देना चाह, प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो, अथवा

(2) उम्मीदवारों द्वारा अनसल समय में प्रस्तुत अभ्यावेदन पर, यदि कोई हो, विचार न कर लिया गया हो।

12. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में आयोग द्वारा निर्धारित सनचम अर्हिक शंक प्राप्त कर लेते हैं उन्हें आयोग के विवेक पर धीकित परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा।

यदि आयोग का विचार है कि अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति अथवा अन्य पिछड़ी जातियों के लिए अयोग्यता निमित्तों को भरण के लिए सामान्य सनचम के आधार पर इन सम-तलों में पर्याप्त संख्या में उम्मीदवार साक्षात्कार के लिए नहीं भूलाया जा सकते हैं तब आयोग द्वारा प्रस्तुत में सल सकेर इन उम्मीदवारों को उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए बुलाया जा सकता है।

13. (1) साक्षात्कार के तान आयोग हर एक उम्मीदवार को उम्मीदवार के लिए सल सल सल सल के आधार पर सल सल सल के आधार पर सल सल सल की सली बुलाया और उस परीक्षा का परि-

नाम निकलने पर जितनी अनारक्षित खाली जगहों पर भर्ती करने का फैसला किया गया है उतने ही ऐसे उम्मीदवारों को योग्यता-क्रम के अनुसार नियुक्त करने के लिए अनुसंसा की जाएगी जो आयुग द्वारा परीक्षा में योग्य पाए गए हों।

(2) किसी भी अनुसूचित जातियों अथवा अनुसूचित जनजातियों अथवा अन्य पिछड़ी जातियों के उम्मीदवारों की अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़ी जातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या तक आयोग द्वारा मानक में छूट देकर सफाई की जा सकती है बशर्ते कि ये उम्मीदवार सेवा में चयन होते उपयुक्त हों।

बशर्ते कि अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़ी जातियों के उम्मीदवारों जिनकी इस उप-नियम में संबंधित रियायती मानकों का सहारा लिए बिना आयोग द्वारा संश्लेषण की गई है, को अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़ी जातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों के लिए मर्यादीकृत नहीं किया जाएगा।

14. प्रत्येक उम्मीदवार को परीक्षाफल की सूचना किस रूप में और किस प्रकार दी जाए, इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा और आयोग उनसे परीक्षाफल के बारे में कोई पत्र-व्यवहार नहीं करेगा।

15. नियमों की अन्य व्यवस्थाओं की ध्यान में रखते हुए परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त करने समय उम्मीदवार द्वारा आवेदन-पत्र में विभिन्न सेवाओं/पदों के लिए बताए गए श्रेयता क्रम पर आयोग द्वारा उचित ध्यान दिया जाएगा।

विभागीय उम्मीदवारों के योग्यता क्रम के अनुसार पहले उनके अपने ही विभाग में सेवाओं/पदों पर नियुक्त करने पर विचार किया जाएगा अथवा ऐसे उम्मीदवारों के, उनके अपने विभागों में सेवाओं/पदों के लिए चिकित्सा जांच में अयोग्य रहने की स्थिति में ही, उन्हें उनके द्वारा दी गई श्रेयताओं के आधार पर अन्य मंत्रालयों/विभागों में सेवाओं/पदों पर नियुक्त करने के सम्बन्ध में विचार किया जाएगा।

16. परीक्षा में गए हो जाने मात्र में ही नियुक्ति का अधिकार नहीं मिल जाता, इसके लिए आवश्यक है कि सरकार आवश्यकतानुसार जांच करके इस बात में यत्न करे कि उम्मीदवार चरित्र तथा पर्ववस्तु की दृष्टि से इस सेवा में नियुक्ति के लिए हर प्रकार से उपयुक्त है।

17. उम्मीदवारों को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उनमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जो संबंधित सेवा के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्य को कशलतापूर्वक निभाने में बाधक हो। यदि विहित डाक्टरों परीक्षा जो सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा निर्धारित की जाए, ठपानस्थिति के बाद किसी उम्मीदवार के बारे में दृष्टि जांच तथा कि वह इन बातों को पूरा नहीं कर सकता है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जाएगी।

परीक्षा के लिखित भाग के आधार पर जो उम्मीदवार साक्षात्कार के लिए अर्हता प्राप्त करते हैं उनकी डाक्टरों जांच साक्षात्कार की तारीख के तुरन्त बाद आने वाले कार्यदिनस के की जाएगी (शनिवार और रविवार तथा छुट्टियों वाले दिन डाक्टरों जांच नहीं होगी)। इस प्रयोजन के लिए सभी सफल उम्मीदवारों को प्रातः 9.00 बजे अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी केन्द्रीय अस्पताल, उत्तरी रेलवे बसन्त लेन नई दिल्ली पर उपस्थित होना पड़ेगा। यदि उम्मीदवार चरमा लगाते हों तो उन्हें हाल के बदन के नम्बर के साथ मीडिकल बोर्ड के सामने उपस्थित होना चाहिए।

डाक्टरों जांच की तारीख या स्थान में परिवर्तन का अनुरोध सामान्यतः स्वीकार नहीं किया जाएगा।

उम्मीदवार को यह नोट कर लेना चाहिए कि किसी भी हालत में डाक्टरों जांच से छूट के अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

उम्मीदवारों का ध्यान इसमें प्रकाशित शारीरिक परीक्षा से संबंधित विनियमों की ओर आकर्षित किया जाता है। उसमें विभिन्न सेवाओं के लिए शारीरिक स्वस्थता मापदण्ड अलग-अलग हैं। अतः उम्मीदवारों को यह समझ दे जानी है कि जिन सेवाओं के लिए वे प्रतियोगी हैं, जिन सेवाओं/पदों के लिए वे से. ले. से. आ. की श्रेयता बतायी है उन सेवाओं के विशेष संवर्ग में इन मापदण्डों को ध्यान में रखें।

उम्मीदवार यह भी नोट कर लें कि :—

- (1) उनकी 30 रुपये (तीस रुपये) की नकद राशि मीडिकल बोर्ड को भुगतान करनी होगी;
- (2) डाक्टरों जांच के सम्बन्ध में की गई यात्राओं के लिए उम्मीदवारों को कोई यात्रा भत्ता नहीं दिया जाएगा; और
- (3) उम्मीदवार की डाक्टरों जांच हो जाने का अर्थ यह नहीं होगा कि नियुक्ति के लिए उसके सामने पर विचार किया जाएगा।

उम्मीदवार यह नोट कर लें कि उन्हें रेल मंत्रालय (रेल विभाग) द्वारा डाक्टरों जांच सम्बन्धित अलग से कोई सूचना नहीं भेजी जाएगी।

निराशा से बचने के लिए उम्मीदवारों को समझ दे जानी है कि परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन करने से पहले सिविल सर्जन के स्तर के सरकारी चिकित्सा अधिकारी से अपनी डाक्टरों परीक्षा करा लें। उम्मीदवारों को नियुक्ति से पहले जिन डाक्टरों परीक्षाओं से गुजरना होगा उनकी स्वरूप के विवरण और मानक परिशिष्ट-2 में दिए गए हैं। संघर्ष के दौरान विकलांग हुए और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए भूतपूर्व सैनिकों के प्रत्येक सेवा की अपेक्षाओं के अनुसार स्तर में से छूट दी जा सकती है।

18. जिस व्यक्ति में—

- (क) ऐसे व्यक्ति से विवाह या विवाह सम्बन्ध किया है जिसका जीवित पति/पत्नी पहले से है, या

(ख) जीवित पति/पत्नी के रहते हुए किसी व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबन्ध किया है,

तो वह सेवा में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं माना जाएगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से सन्तुष्ट हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति तथा विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू होने वाले वैयक्तिक कानून के अनुसार स्वीकार्य है और ऐसा करने के अन्य कारण भी हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम से छूट दे सकती है।

19. उम्मीदवारों को सूचित किया जाता है कि सेवा में प्रवेश से पहले हिन्दी का कुछ ज्ञान विभागीय परीक्षाओं को उत्तीर्ण करने में सहायक होगा जोकि उम्मीदवार को सेवा में प्रवेश के बाद उत्तीर्ण करनी हैं।

20. इस परीक्षा के माध्यम से जिन सेवाओं/पदों के संबंध में अटनी की जा रही है उनका संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट-3 में दिया गया है।

डी. पी. त्रिपाठी
सचिव, रेलवे बोर्ड

परिशिष्ट—1

1. परीक्षा निम्नीलिखित योजना के अनुसार आयोजित की जाएगी :-

भाग-1—लिखित परीक्षा के दो भाग होंगे। भाग 1 में केवल वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न होंगे और भाग 2 में परम्परागत प्रश्न-पत्र होंगे। दोनों भागों में संगत इंजीनियरी शिक्षा शाखाओं जैसे सिविल इंजीनियरी, यांत्रिक इंजीनियरी, विद्युत इंजीनियरी और इलेक्ट्रानिकी तथा दूर-संचार इंजीनियरी की पूरा पाठ्यचर्या होगी। इन प्रश्न-पत्रों के लिए निर्धारित स्तर तथा पाठ्यचर्या परिशिष्ट की अनुसूची में दिए गए हैं। लिखित परीक्षा का विवरण जैसे विषय, प्रत्येक विषय के लिए निर्धारित समय और अधिकतम अंक नीचे पैरा 2 में दिए गए हैं।

भाग-2—लिखित परीक्षा के आधार पर अर्हता प्राप्त करने वाले उम्मीदवार का व्यक्तित्व परीक्षण जो अधिकतम 200 अंकों का है।

2. लिखित परीक्षा निम्न विषयों में ली जाएगी :-

श्रेणी-1—सिविल इंजीनियरी

विषय	कोड	अवधि	पूर्णांक
1	2	3	4
खण्ड 1—वस्तु परक प्रश्न-पत्र			
सामान्य योग्यता परीक्षा (भाग क : सामान्य अंग्रेजी) (भाग ख : सामान्य अध्ययन) सिविल इंजीनियरी	01	2 घंटे	200
प्रश्न-पत्र I	11	2 घंटे	200
सिविल इंजीनियरी प्रश्न-पत्र II	12	2 घंटे	200
खण्ड 2—परम्परागत प्रश्न-पत्र			
सिविल इंजीनियरी प्रश्न-पत्र I	13	1 घंटा	200
सिविल इंजीनियरी प्रश्न-पत्र II	14	1 घंटा	200
योग			1000

श्रेणी-2—यांत्रिक इंजीनियरी

विषय	कोड	अवधि	पूर्णांक
1	2	3	4
खण्ड 1—वस्तुपरक प्रश्न-पत्र			
सामान्य योग्यता परीक्षण (भाग क : सामान्य अंग्रेजी) (भाग ख : सामान्य अध्ययन) यांत्रिक इंजीनियरी	01	2 घंटे	200
प्रश्न-पत्र I	21	2 घंटे	200
यांत्रिक इंजीनियरी प्रश्न-पत्र	22	2 घंटे	200
खण्ड 2—परम्परागत प्रश्न-पत्र			
यांत्रिक इंजीनियरी प्रश्न-पत्र I	23	3 घंटे	200
यांत्रिक इंजीनियरी प्रश्न-पत्र II	24	2 घंटे	200
योग			1000

श्रेणी-3—वैद्युत इंजीनियरी

विषय	कोड	अवधि	पूर्णांक
1	2	3	4
खण्ड 1—वस्तुपरक प्रश्न-पत्र			
सामान्य योग्यता परीक्षण (भाग क : सामान्य अंग्रेजी) (भाग ख : सामान्य अध्ययन)	01	2 घंटे	200
वैद्युत इंजीनियरी प्रश्न-पत्र I	41	2 घंटे	200
वैद्युत इंजीनियरी प्रश्न-पत्र II	42	2 घंटे	200
खण्ड 2—परम्परागत प्रश्न-पत्र			
वैद्युत इंजीनियरी प्रश्न-पत्र I	43	3 घंटे	200
वैद्युत इंजीनियरी प्रश्न-पत्र II	44	3 घंटे	200
योग			1000

श्रेणी 4—इलेक्ट्रॉनिकी और दूर संचार इंजीनियरी

विषय	कोड	अवधि	पूर्णांक
1	2	3	4
खण्ड 1—वस्तुपरक प्रश्न-पत्र			
सामान्य योग्यता परीक्षण (भाग क : सामान्य अंग्रेजी) (भाग ख : सामान्य अध्ययन)	01	2 घंटे	200
इलेक्ट्रॉनिकी तथा दूर संचार इंजीनियरी प्रश्न-पत्र I	61	2 घंटे	200
इलेक्ट्रॉनिकी तथा दूर संचार इंजीनियरी प्रश्न-पत्र II	62	2 घंटे	200
खण्ड 2—परम्परागत प्रश्न-पत्र			
इलेक्ट्रॉनिकी तथा दूर-संचार इंजीनियरी प्रश्न-पत्र-I	63	3 घंटे	200
इलेक्ट्रॉनिकी तथा दूर संचार इंजीनियरी प्रश्न-पत्र-II	64	3 घंटे	200
योग			1000

3. व्यक्तिगत परीक्षण करते समय उम्मीदवार की नैतिक क्षमता, पहलू तथा सेवा शक्ति, व्यवहार कुशलता तथा अन्य सामाजिक गुण, मानसिक तथा शारीरिक उर्जा-स्थिति प्रायोगिक अनुप्रयोग की शक्ति और शारीरिक निष्ठा के निर्धारण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

4. सभी प्रश्न-पत्रों के उत्तर अंग्रेजी में दिए जाएंगे। प्रश्न-पत्र केवल अंग्रेजी में ही होंगे।

5. उम्मीदवारों को प्रश्न-पत्रों के उत्तर में अपने हाथ से लिखने होंगे। किसी भी हालत में उन्हें उत्तर लिखने के लिए अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

6. आयोग अपने विवेक से परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के अर्हक अंक निर्धारित कर सकता है।

7. केवल सही ज्ञान के लिए अंक नहीं दिए जाएंगे।

8. लिखाई खराब होना पर लिखित प्रश्न-पत्रों के पूर्णांक में से 5 प्रतिशत तक अंक काट लिए जाएंगे।

9. परीक्षा के परम्परागत प्रश्न-पत्र में इस बात को ध्यान दिया जाएगा कि अभिव्यक्ति कम शब्दों में क्रमबद्ध, प्रभाव पूर्ण होंगी की और सही हो।

10. प्रश्न-पत्रों में जहाँ आवश्यक होगा तब और भाग की मीटररी प्रणाली में संबंधित प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।

टिप्पणी :—जहाँ भी जरूरी समझा जाएगा उम्मीदवारों को परीक्षा भवन में संदर्भ हेतु भारतीय मानक संस्थान द्वारा संकलित तथा प्रकाशित मीटररी इकाईयों की सारणी उपलब्ध कराई जाएगी।

11. उम्मीदवारों को परम्परागत (निबंध) प्रकार के प्रश्न-पत्रों के लिए बैटरी से चलने वाले पाकेट कैलकुलेटर परीक्षा भवन में लाने और उनका प्रयोग करने की अनुमति है। परीक्षा भवन में किसी से कैलकुलेटर मांगने या आपस में बदलने की अनुमति नहीं है।

यह ध्यान रखना भी आवश्यक है कि उम्मीदवार वस्तुपरक प्रश्न-पत्रों (परीक्षण पुस्तिका) का उत्तर देने के लिए कैलकुलेटरों का प्रयोग नहीं कर सकते। अतः वे उन्हें परीक्षा भवन में न लाएं।

12. उम्मीदवार को प्रश्न-पत्रों के उत्तर लिखते समय भारतीय अंकों में अंतर्राष्ट्रीय रूप (अर्थात् 1, 2, 3, 4, 5, 6, भाव) का ही प्रयोग करना चाहिए।

परिशिष्ट 1 की अनुसूची

स्तर और पाठ्यक्रम

सामान्य योग्यता परीक्षा के प्रश्न-पत्र का स्तर वंसा ही होगा जैसा कि इंजीनियरी विज्ञान स्नातक से अपेक्षा की जाती है। अन्य विषयों के प्रश्न-पत्रों के स्तर एक भारतीय विश्वविद्यालय के इंजीनियरी डिग्री स्तर की परीक्षा के अनुरूप होगा। किसी भी विषय से प्रायोगिक परीक्षा नहीं होगी।

सामान्य योग्यता परीक्षा (कोड संख्या 01)

भाग (क) सामान्य अंग्रेजी :—अंग्रेजी का प्रश्न-पत्र इस प्रकार बनाया जाएगा ताकि उम्मीदवार को अंग्रेजी भाषा की समझ और शब्दों के कुशल प्रयोग की जांच हो सके।

भाग (ख) सामान्य अध्ययन :—सामान्य अध्ययन के प्रश्न-पत्र में सामयिक घटनाओं और ऐसी बातों की, उनके वैज्ञानिक पहलुओं पर ध्यान बंटे हुए, जानकारी सम्मिलित होगी जो प्रतिदिन के अनुभव में आती है तथा जिनकी किसी शिक्षित व्यक्ति से अपेक्षा की जा सकती है। प्रश्न-पत्र में भारत के इतिहास और भूगोल के ऐसे प्रश्न भी सम्मिलित होंगे जिनका उत्तर उम्मीदवार विशेष अध्ययन किए बिना ही दे सकेंगे।

सिद्धित इंजीनियरी

(वस्तु परक तथा परम्परागत दोनों प्रश्न-पत्रों के लिए)

प्रश्न-पत्र 1

(वस्तु परक प्रकार के लिए प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 11 और परम्परागत प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 13।)

1. भवन-निर्माण सामग्री :

इमारती लकड़ी विभिन्न प्रकार की संरचनात्मक इमारती लकड़ी, सधनता-नमी संबंध, विभिन्न दिशाओं में सामर्थ्य, दोष, अनुभव प्रतिक्रिया पर दोषों का प्रभाव, परिरक्षण, शुल्क एवं आर्द्र अपभय, डिजाइनों के लिए कोडीय प्रावधान प्लाईवुड।

इंटे : किस्म, भारतीय मानक वर्गीकरण, अवशोषण, संतुष्टि गणक, चिनाई की सामर्थ्य, चिनाई सामर्थ्य पर मसाले की सामर्थ्य का प्रभाव।

सीमेट : विभिन्न प्रकार के मिश्रण, अवस्थापन काल, सामर्थ्य।

सीमेट मसाला : मसाले के अवयव, अनुपात, जल-मांग, प्लस्टर तथा चिनाई का मसाला।

कंक्रीट : जन सीमेट अनुपात का महत्व, सामर्थ्य, अभिनिर्माण सहित विभिन्न अवयव सुकाईता, सामर्थ्य परीक्षण, प्रत्यास्थता, परीक्षण, मिश्र-अभिकल्पन विधि।

2. ठोस गणितीय :

प्रत्यास्थता नियतांक, प्रतिबल, द्विविध प्रतिक्रिया, प्रतिबल का मोर वृत्त, विकृति, द्विविध विकृति, विकृति का मोर

वृत्त, संयुक्त प्रतिक्रिया, भंगता संबंधी प्रत्यास्थता सिद्धान्त, साधारण बंधन, अपरतमण, तृतीय और आयताकार खंड की एंठन तथा साधारण अवयव।

3. अनिवार्य छांटों का विश्लेषण—ग्राफिक विधियाँ सहित विभिन्न विधियाँ। अनिवार्य छांटगत प्रयोगों का विश्लेषण—आवृण वितरण, टाल विक्षेप, दुरुगति तथा बल विधि, ऊर्जा विधियाँ, मूसर-ब्रेसलों सिद्धान्त तथा अनुप्रयोग।

अनिवार्य धरनों (बीम्स) तथा साधारण प्रयोगों का पराप्रत्यास्थ विश्लेषण—आकृति गणक।

4. इस्पात के छांटों का अभिकल्पन।

कार्यशील प्रतिक्रिया विधि के सिद्धान्त। संयोजनों का अभिकल्पन, साधारण अवयव, निर्मित खंड तथा छांटें। औद्योगिक छत्तों का अभिकल्पन। धरम भार, अभिकल्पन के सिद्धान्त। साधारण अवयवों तथा छांटों का अभिकल्पन।

5. कंक्रीट तथा चिनाई छांटों का अभिकल्पन :

बंकन, अपरूपण, अक्षीय संपीडन और संयुक्त धन के सीमांत अवस्था अभिकल्पन। स्लेबों, धरनों, दीवारों और नींवों के लिए कोडीय प्रावधान। प्रदत्त सीमेट अनुपातों के अभिकल्पन की कार्यशील प्रतिक्रिया विधि।

पूर्व प्रतिक्रिया कंक्रीट अभिकल्पन के सिद्धान्त, सामग्री, पूर्व प्रतिक्रिया विधि, दिशियाँ। साधारण अवयवों और निर्णय छांटों की अभिकल्पना। अतिरिक्त छांटों के पूर्व प्रतिक्रिया का परिचय।

आई. एस. कोडों के अनुसार इंटे चिनाई का अभिकल्पन।

6. निर्माण पद्धति, आयोजना एवं प्रबंध

कंक्रीट उपस्कर 1]

भार वाले घान मापक, मिक्सर, वाइब्रेटर, घान संयंत्र कंक्रीट पम्प, क्रैनों, उच्चवायु (हाइड्रॉ), उत्पादन (लिफ्टिंग) उपस्कर।

मृदा-कार्य उपस्कर 2]

द्विजली से चलने वाले बेलच, फावड़े, डोंजर, उम्पर, ट्रैक्टर तथा ट्रैक्टर, रॉलर्स, ग्रिड फ्लट रॉलर्स, पम्प।

निर्माण, आयोजना तथा प्रबंध :

बार चाट, संयोजित बार चाट, कार्यभंग संरचनाएं शरारत क्रियाशीलता। कृत्रिम पथ, प्राथमिकता सफाई अवधि। घटना आधारित नैटवर्क, पी. ई. आर. टी. नैटवर्क, समय-लागत अध्ययन, ध्वंस (क्रैसिंग) संसाधन नियंत्रण।

प्रश्न-पत्र 2

(वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न-पत्रों के लिए कोड सं. 12 और परम्परागत प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 14)

1. (क) तरल यांत्रिकी, मुक्तपृष्ठ बाह्यका प्रवाह, नीलका प्रवाह :

तरल की विशेषताएँ, दाब, प्रणोद, उत्प्लावकता तरल गतिकी : प्रवाह समीकरणों का समाकलन; प्रवाह मापन; सापेक्ष गति; संवेग का आघूर्ण; विस्कारिता; सीमांत परत तथा नियंत्रण, विकर्ष, उत्थापक; द्विध्रुव । विश्लेषण, निदर्शन, कौटर्न; प्रवाह दालन; मुक्तपृष्ठ बाह्यका प्रवाह में संवेग तथा ऊर्जा सिद्धान्त, प्रवाह नियंत्रण, अनाच्छाद, प्रवाह परिच्छेद और विशेषताएँ; सामान्य प्रवाह, क्रमशः परिवर्ती प्रवाह; प्रतिकर्ष; नीलका प्रवाह में प्रवाह विकास तथा हानियाँ मापन; साहचर्य, प्रतिकर्ष तथा जलाशय; शक्ति प्रदाय; नीलका नेटवर्क ।

(ख) द्रवचलित मयिन और जलशक्ति :

अपकेन्द्री पंप, किष्मों, निष्पादन प्रचल; अनुमापन, समांतर पंप, प्रत्यागामी पंप, वायु भांड, निष्पादन प्रचल; द्रवचलित रैम; द्रवचलित टरबइन, किष्मों, निष्पादन प्रचल, नियंत्रण, घयन विद्युत् गृह, वर्गीकरण और अभिव्यास भण्डारण, जल-संचयन, आपूर्ति नियंत्रण ।

2. (क) जल-विज्ञान :

जल विज्ञानी चक्र, अवक्षेप तथा सम्बन्धित आंकड़ों का विश्लेषण, पी. एम. पी., एकक तथा सीशल्ट जलाशय; वाष्पन और वाष्पोत्सर्जन; बाढ़ एवं उनका प्रबन्ध पी. एम. एफ.; धाराएं एवं उनका प्रमाणन; नदी आकाशिकी; बाढ़ का सामाजिकभवन; अलाश्यों की क्षमता ।

(ख) जल संसाधन इंजीनियरी :

महाधिक जल संसाधन : जल के बहुदृष्टीय उपयोग; मृदा-संयंत्र-जल सम्बन्ध, सिंचाई प्रणालियाँ, जल-साँप मूल्यांकन; भंडारण और उसके लाभ, भूमिजल लाभ और कूप जल इंजीनियरी; जल कसन, जल निकास अभिकल्पन, सिंचाई राजस्व; दृढ़ किनारों वाली नहरों का अभिकल्पन, नहर अभिकल्पन के बारे में लेसी तथा कर्ण बल की जवाधारणाएँ, नहरों की लाईनिंग; नहरों में तलछट परिवहन; भागश्रित बांधों के अनुत्पावी तथा उत्पलावी परिच्छेद और उनका अभिकल्पन, ऊर्जा क्षयकारक और पृच्छजल निर्धारण; मुख्य कमान (इंजिन), वितरण कार्य, प्रतापों, पणामी जल निकास निर्माण कार्य, निर्गम मार्ग का अभिकल्पन, नवी नियंत्रण ।

पर्यावरण इंजीनियरी

3(क) जल आपूर्ति इंजीनियरी :

आपूर्ति के स्रोत, प्राप्ति अन्तर्ग्रहियों तथा चालकों का अभिकल्पन, मांग का आकलन; जल गुणता मानक; जल से उत्पन्न होने वाले रंगों का नियंत्रण. प्राथमिक तथा परवर्ती उपचार, उपचार एककों का विस्तारण और रखरखाव; उपचारित जल के परिवहन तथा वितरण की प्रणालियाँ, अरण तथा नियंत्रण; ग्रामीण जल आपूर्ति; संस्थागत तथा औद्योगिक जल आपूर्ति ।

(ख) अपशिष्ट जल इंजीनियरी :

शारों में बरसात के पानी की निकासी; मल जल (सीवेज) के एकत्रीकरण और उसके निपटान की प्रणालियाँ; सीवरों और मल जल व्यवस्था प्रणाली का अभिकल्पन; पंपिंग; मल जल की विशेषताएँ और इसका उपचार; मल जल उपचार से प्राप्त उत्पादों का निपटान; शान्त प्रवाह पुनर्जीकरण; मल का संस्थागत और औद्योगिक प्रबन्ध; नलकारी-प्रणालियाँ; ग्रामीण एवं उपनगरीय सफाई व्यवस्था ।

(ग) ठोस अपशिष्ट पदार्थ प्रबन्ध :

स्रोत, वर्गीकरण, एकत्रीकरण और निपटान, कलबा स्थलों का अभिकल्पन और उनका प्रबन्ध ।

(घ) वायु तथा ध्वनि प्रदूषण और परीस्थिति विज्ञान :

वायु प्रदूषण के स्रोत एवं प्रभाव, वायु प्रदूषण पर निगरानी रखना, ध्वनि प्रदूषण एवं मानक परीस्थितिक श्रृंखला और संतुलन, पर्यावरण का मूल्यांकन ।

4. (क) मृदा यांत्रिकी :

मृदाओं की विशेषताएँ, वर्गीकरण एवं अंतः सम्बन्ध, संहनन व्यवहार, संहनन की विधियाँ और उनका चयन, विशिष्ट चुम्बकशीलता और रिसन, प्रवाह जाल, प्रीतलीमिन्त निस्यंदक (फिल्टर), संपीड्यता और संपीडन, अपरूपण प्रतिकर्ष, प्रीतान और भंगत, प्रयोगशालाओं और स्वस्थानों पर मृदा परीक्षण, प्रीतबल पथ और अनुप्रयोग, मृदा दाब सिद्धांत, मृदा में प्रीतबल वितरण, मृदा अन्वेषण, प्रीतदर्श यंत्र, भार परीक्षण, अंतर्वेशन परीक्षण ।

(ख) नौव इंजीनियरी :

नौव के प्रकार, चयन मानदण्ड, वहन क्षमता, निषवन, प्रयोगशाला तथा क्षेत्र परीक्षण, स्थलों के प्रकार, उनके अभिव्यक्त मृदा और अभिव्यक्त, प्रसरणशील मृदा पर नौव, प्रसरण और इसकी रोकथाम, प्रसरणशील मृदा पर नौव बनाना ।

5. (क) सर्वेक्षण :

सर्वेक्षणों का वर्गीकरण, पैमाने, परिशुद्धता, वृत्तियों का मापन-प्रत्यक्ष एवं परांश पद्धतियाँ, प्रकाशिक तथा दूरदर्शनिक युक्तियाँ, विशाओं का मापन, समपादवीय दिक्सूचक, स्थानीय वाकर्षण, थियोडोलाइट—किरम, उंचाई का मापन,—साधनी (स्पिरिट) तथा त्रिकोणमिति, सर्वेक्षण, उभार निरूपण; समीच्य—रेखाएँ, अंकीय उद्विधेय निदर्शन संकल्पना, त्रिभुज तथा चक्रमण द्वारा नियंत्रकों की स्थापना—प्रेक्षणों का मापन और समायोजन, निदर्शाकों का अभिकलन, क्षेत्र सम्बन्धी सगोल विज्ञान, सार्वभौमिक अवस्थानिक प्रणाली की संकल्पना, प्लेन टेबल और फोर्टोग्रामीटरी द्वारा तर्क बनाना मानचित्र बनाना, दूरस्थ संवेदन संकल्पनाएँ, तर्कों के विकल्प ।

(ख) परिवहन इंजीनियरी :

सहायार्थी की आयोजना, संरक्षण तथा अधिसूचित अभिकल्प, आडो तथा तिरछे बक्र, गूडे पृथकरण, निम्नलिखित पृष्ठों के लिए निर्माण सामग्री तथा निर्माण पद्धति और उनका रखरखाव, प्लेन्ट डिजाइन के सिद्धांत, जलनिर्वाही।

यातायात संरक्षण : चौड़ाई, सिग्नल व्यवस्था, व्यापक पारगमन प्रणाली, अभिगम्यता, नेटवर्क तैयार करना, संरक्षण बनाना, संरक्षण, निर्माण विधियाँ, गन्तव्य या निपटारा, जल-निर्वाह, प्रकाश व्यवस्था और संवातायन, यातायात नियंत्रण, आपातकालीन प्रबन्ध।

रेल प्रणाली का आयोजन, रेल, एटरी, नियंत्रण, पारगमन, रोलिंग स्टॉक, कर्षण शक्ति तथा रेल मार्गों के आधुनिकीकरण से सम्बन्धित इच्छावाली एवं अभिकल्प, रख-रखाव, अन्दरूँ का रेल पट्टों की व्यवस्था (कन्टेनराइजेशन)।

बंदरगाह—अभियान, नौपरिवहन मार्ग, गंगा डालना, स्थान निर्धारण, अपरदन और निक्षेपण संरक्षण बेलगोरी परीक्षण, गन्तव्य आयोजन विधि, ब्रह्म एवं जल गौरी, निम्नलिखित अंग और प्रचालन; ज्वारीय आंकड़ों एवं उनका विश्लेषण।

विमान पथ—विमान मार्ग अभियान, हवाई पट्टी तथा तैयारी तथा अभिकल्प एवं जलनिर्वाही व्यवस्था, इच्छा नियंत्रण, हवाई सहायक उपकरण और हवाई यातायात नियंत्रण, हेलीपैड, हॉब्स, सेवा (सर्विस) उपकरण।

यांत्रिकी इंजीनियरी

(वस्तुपरक तथा परम्परागत दोनों प्रश्न-पत्रों के लिए)

प्रश्न पत्र-1

(वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न-पत्रों के लिए कोड सं. 21 और परम्परागत प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 23)

1. ऊष्मागतिकी, चक्र और आर्बिट्ररी, डीजल, गैस संकल्पना, संयंत्र और विकास तंत्र (ऊष्मा और कार्य) द्वारा कम्प्रेस्ड तथा विस्तारित नियंत्रण, उपकरण तथा प्रणाली का कार्य में अन्तर्भाव। एन्टाल्पी, उष्मकक्षमता, अन्तर्प्रसरण और अन्तर्प्रसरण सम्बन्ध। क्लिपरांत और वास्तविक गैस समीकरण, आदर्श गैसों और वाष्पों के गुणधर्म। मानक वाष्प, गैस अणु तथा प्रणाली चक्र। द्विपद संपीड।

सी. आर्बिट्ररी और गैस, आर्बिट्ररी, डीजल, गैस संकल्पना, संयंत्र और विकास तंत्र (ऊष्मा और कार्य) द्वारा कम्प्रेस्ड तथा विस्तारित नियंत्रण, उपकरण तथा प्रणाली का कार्य में अन्तर्भाव। एन्टाल्पी, उष्मकक्षमता, अन्तर्प्रसरण और अन्तर्प्रसरण सम्बन्ध। क्लिपरांत और वास्तविक गैस समीकरण, आदर्श गैसों और वाष्पों के गुणधर्म। मानक वाष्प, गैस अणु तथा प्रणाली चक्र। द्विपद संपीड।

2. ऊष्मा अन्तरण तथा प्रशीतन और वायुमंडलीय अन्तरण की पद्धतियाँ। एकवर्ती अपरिवर्ती तथा परिवर्ती

वायुमंडलीय संयोजित पट्टियाँ (स्ट्रैट) तथा तूना प्रतिक्रिया। विस्तारित पृष्ठों से ताप विसरण, ऊष्मा, विनिमय, सर्वांग ऊष्मा अन्तरण गुणक, स्थलीय तथा विद्युत् प्रवाहों में तथा मुक्त और प्रणो-वित्त संवहन हेतु ऊष्मा अन्तरण के लिए आनुभविक सहसम्बन्ध, चपटी प्लेट के ऊपर वाष्पीय शीतल परत। विस्फुरी तथा संवहरी द्रव्यमान अन्तरण के मूल तत्व। कृष्णिका (ब्लैक बॉडी) तथा विक्षरण की मूल संकल्पनाएँ। संवेदन सिद्धांत, आकृति, गुणक, नेटवर्क विश्लेषण। ऊष्मा पम्प और प्रशीतन चक्र तंत्र, प्रशीतक। संयंत्र, वाष्प तथा प्रसार धातु, आर्द्रतामिति। चार्ज तथा दातानुकूल में अनुप्रयोग, संवेदन ऊष्मन तथा शीतन, प्रभावी तापमान, सूक्ष्म सूचकांक, भार परीक्षण, सार प्रशीतन नियंत्रण, वाहिनी अभिकल्प।

3. तरल यांत्रिकी

तरलों के गुणधर्म और उनका वर्गीकरण दाबान्तरमापनीयता, विशिष्टता पृष्ठों पर दाब, दाब का क्षेत्र, उत्प्लावकता, प्लावित पिण्डों के स्थायित्व के घटक। शुद्धगति और गतिकी। आघाती तथा असंपीड्य अघ्यान प्रवाह, वेग, विभक्त, गाम्पेजल पिण्डों पर दाब क्षेत्र तथा बल। तरतुली समीकरण, पाइपों में गै पूर्ण विकसित प्रवाह, दाब पात गणनाएँ। प्रवाह दर तथा वायु पात मापन। सीमांत परत सिद्धांत के अवयव, समाकल जगमग, स्थलीय तथा विद्युत् प्रवाह, पृथक्करण। विद्युत् तथा वायु से प्रवाह, विद्युत् वाहिका प्रवाह, जलच्छाया। विमानिक संस्कारण। विमीय विश्लेषण, समरूपता तथा निदर्शन एक विमीय समान्तापी प्रवाह, अभिलक्ष प्रवाह तरंग, अभिसारी अपसारी वाहिनियाँ से प्रवाह, तिर्यक प्रवाह तरंग, रैले (Rayleigh) तथा फैनो (Fanno) संस्कारण।

4. तरल मशीनरी तथा भाप जनित्र

निष्पादन, द्रवचालित पम्प का प्रचालन तथा नियंत्रण और आर्बिट एवं प्रतिक्रिया टरबाइन, विशिष्ट चाल, वर्गीकरण। ऊर्जा अन्तरण, यन्त्र, शक्ति संवहन। भाप जनित्र, उष्मकक्षमता तथा जल-नलिका बायलर। तूंडों तथा विस्तारकों में से भाप का प्रवाह, आर्द्रता एवं संघनन। भाप तथा गैस टरबाइनों के विभिन्न प्रकार के आरंभ। आंशिक प्रवेश। प्रत्यागामी, अपवर्ती तथा उद्दीय प्रवाह संपीडक, बहुपद संपीडन, सैक संख्या की भूमिका, प्लेन्-ताप, पुनर्जनन, अधिनियंत्रण।

प्रश्न पत्र 2

(वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न-पत्रों के लिए कोड सं. 22 और परम्परागत प्रश्न-पत्रों के लिए कोड सं. 24)।

5. मशीनों का सिद्धांत

समकालीय यांत्रिक्य का उद्भवगतिकी और गतिकी विश्लेषण कम। गियर तथा गियर मात्राएँ। गतिपालक चक्र, अधिनियंत्रण (गवर्नर्स)। छड़ धूर्णकों का संतुलन तथा क्षेत्र संतुलन। एकल

अनुक्रिया और बलकृत अनुक्रिया । यादृच्छिक निबन्धों के लिए क्षणिक अनुक्रिया और स्थायी-दशा अनुक्रिया । ध्रुवों और क्षुब्धों से सम्बंधित जाल के भूगर्भ में । अंतरित फलन । अनुनाद परिपथ । त्रि-चाल परिपथ । रिज-द्वार जाल । विद्य-अवयव जाल विश्लेषण की अवस्था ।

4. मापन और मापसंयंत्र

मापक और मापक । त्रुटि विश्लेषण । धारा, वोल्टता, विद्युत-शक्ति, विद्युत-शक्ति गुणक और ऊर्जा मापन । सूचक माप यंत्र । प्रतिरोध, प्रेरकत्व, धारिता और आवृत्ति मापन । सेतु मापन । इलेक्ट्रॉनिक माप यंत्र । अंकीय वोल्टमीटर और आधुनिक गणित । पारस्परिक और ताप, दाब, प्रवाह-दर विस्थापन, स्वरण, रव-स्तर आदि जैसी गैर-विद्युत राशियों के माप में उनका अनुप्रयोग । आंकड़ों प्राप्त करने की पद्धति । अनुरूप-अंकीय और अंकीय-अनुरूप रूपांतरित ।

5. नियंत्रण तंत्र

भौतिक तंत्रों का गणितीय निदर्शन । खंड आरेख और संकेत प्रवाह आलेख और उनका समानयन । रेखीय गतिक तंत्र का समय प्रक्षेत्र और आवृत्ति प्रक्षेत्र विश्लेषण । पुनः निवेश तंत्रों के लिए द्विभिन्न किस्म के निवेश और स्थायित्व निक्षेप के लिए त्रुटियाँ । राउंड-हर्स्टिज आध्वूह, नाइक्विस्ट आलेख और बाइ-आलेख का प्रयोग करते हुए स्थायित्व विश्लेषण । मूल बिन्दुपथ और निकोल चार्ट तथा लक्ष और कला उपांत का आकलन । प्रतिकारक अभिकल्प की मूल संकल्पना । अवस्था परिवर्ती अवयव तथा तंत्र निदर्शन और अभिकल्प में उसका प्रयोग । प्रतिवर्तित दत्त तंत्र और त्रुटि सरणी में प्रतिवर्तकों के माध्यम से तंत्र का निष्पादन । प्रतिवर्तित दत्त तंत्र का स्थायित्व । अरेखीय नियंत्रण विश्लेषण के अवयव । नियंत्रण तंत्र घटक, विद्युत गतिक, प्रवर्धन, वायुचालित घटक ।

प्रश्न-पत्र 2

(वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 42 और परम्परागत प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 44) ।

1. विद्युत यंत्र तथा विद्युत परिणामित्र (पावर ट्रांसफार्मर्स)

बुद्धिक्रीय परिपथ—विद्युत परिणामित्रों का विश्लेषण तथा अभिकल्पन । निर्माण तथा परीक्षण । तुल्य परिपथ । हानियाँ तथा दक्षता । नियंत्रण । स्वपरिणामित्र । त्रिकला परिणामित्र स्मॉलर घूर्णी यंत्रों की मूल संकल्पनाएँ । विद्युत बाह्यक बल (ई एम एफ) बल-आघूर्ण, यंत्रों की कला । किस्में । निर्माण तथा प्रचालन, क्षरण, हानियाँ तथा दक्षता ।

वि. वा. यंत्र । निर्माण । उत्तेजन की विधियाँ । परिपथ प्रतिरूप । आर्मेचर प्रतिक्रिया तथा दिक्परिवर्तन । अभिलक्षण तथा निष्पादन विश्लेषण । जनित्र तथा मोटर । प्रवर्तन तथा चाल

नियंत्रण । परीक्षण, हानियाँ तथा दक्षता । तुल्यकालिक वि. निर्माण । परिपथ निदर्श । प्रचालन अभिलक्षण तथा निष्पादन विश्लेषण । तुल्यकालिक प्रतिष्ठात । दक्षता । वोल्टता नियंत्रण । सम्मूला ध्रुव यंत्र । स्मॉलर प्रचालन । चाल बोलन । लघु परिपथ क्षणिकाएँ । प्रेरण यंत्र । निर्माण । प्रचालन के सिद्धांत घूर्णी क्षेत्र । अभिलक्षण तथा निष्पादन विश्लेषण । परिपथ निदर्श का निर्धारण । दत्त आरेख । प्रवर्तन तथा चाल नियंत्रण । भिन्नात्मक कि. वा. मोटर । एक-प्रावस्था तुल्यकालिक तथा प्रेरण मोटर ।

2. विद्युत तंत्र

विद्युत केन्द्रों की किस्में । जल, तापीय तथा नाभिकीय विद्युत केन्द्र । पंपित संचयन संयंत्र । आर्थिक और प्रचालन उपादान ।

विद्युत संचरण लाइनें । निर्वहन तथा निष्पादन अभिलक्षण । वोल्टता नियंत्रण । भार प्रवाह अध्ययन । इष्टतम विद्युत तंत्र प्रचालन । भार आवृत्ति नियंत्रण । सममित लघु परिपथ विश्लेषण । जंक्शन सूचीकरण । सममित घटक । प्रति इकाई निरूपण । बांध विश्लेषण । विद्युत तंत्रों का क्षणिक तथा स्थायी दशा स्थापत्य ।

विद्युत तंत्र क्षणिकाएँ । विद्युत तंत्र सुरक्षा परिपथ वि-भोजक । रिज । उच्च वोल्टता विद्युत धारा (एच वी डी सी) संचरण ।

3. अनुरूप और अंकीय इलेक्ट्रॉनिकी तथा परिपथ

सामान्य जालक युक्त भौतिकी । पी एन सीध तथा ट्रांजिस्टर । परिपथ निदर्श तथा प्रचालन । एफ ई टी, जीनर, टनल, शाटकी, फोटो डायोड तथा उनके अनुप्रयोग । विष्ट-कारा परिपथ, वोल्टता नियंत्रक तथा वोल्टता परिवर्धक । डायोड तथा ट्रांजिस्टरों का स्वचालन आचरण । लघु संकेत प्रवर्धक । अभिनीत परिपथ । आवृत्ति अनुक्रिया तथा उसमें सुधार । बहुपद प्रवर्धक तथा पुनः निवेश प्रवर्धक । संक्रियात्मक प्रवर्धक वि. वा. प्रवर्धक । बोलिज बृहत् संकेत प्रवर्धक । युग्मन विधियाँ । वाब-कर्थन प्रवर्धक । संक्रियात्मक प्रवर्धक, तरंग रूपण परिपथ बहुकंपित्र तथा फिलप-दलाप और उनके अनुप्रयोग । अंकीय तर्कद्वारा कल । सार्वजनिक द्वार-अंकगणितीय तथा तर्क संक्रिया के लिए संयुक्त परिपथ । अनुक्रमिक तर्क परिपथ । गणित, पंजियाँ (रजिस्टर) यादृच्छिक अभिगम स्मृति (आर. ए. एम.)-तथा केवल पठन, स्मृति (आर. ओ. एम.) ।

4. सूक्ष्म संसाधित्र (माइक्रोप्रोसेसर) :

सूक्ष्म संसाधित्र वालुकात—अनुदेश समुच्चय तथा एकल कोडांतरण भाषा क्रमादेशन । स्मृति के लिए अन्तराष्ट्रीयकरण तथा आदेशसूचक संकेत । विद्युत तंत्र में सूक्ष्म संसाधित्र के अनुप्रयोग ।

5. संचार तंत्र :

माड्युलन के प्रकार, ए. एम., एफ. एम. तथा पी. एम. । विमाड्युलन । रव तथा बैंड चौड़ाई का विवेचन । अकीय संचार तंत्र । स्पष्ट ओड माड्युलन तथा विमाड्युलन । ध्वनि तथा दृश्य प्रसारण के घटक । आवृत्ति विभाजन और काल विभाजन बहुसंवेदन । विद्युत इंजीनियरी में बुरीमिति प्रणाली ।

6. विद्युत-शक्ति (पावर) इलेक्ट्रानिकी :

विद्युत-शक्ति सामान्यतः युक्तियां । थाइरिस्टर । विद्युत-शक्ति ट्रांजिस्टर, जी. टी. आ. तथा एम. आ. एस. एफ. डी. टी. । अभिलक्षण तथा प्रचालन । प्रत्यावर्ती धारा (ए. सी.) से दिष्ट धारा (डी. सी.) परिवर्तक, एक कला और त्रिकला दिष्ट धारा (डी. सी.) से दिष्ट धारा (डी. सी.) परिवर्तक ।

प्रत्यावर्ती धारा प (ए. सी.) नियंत्रक । थाइरिस्टर नियंत्रित परिपथ । स्विच संचारित चाल ।

प्रतीक, एकल कला तथा त्रिकला । स्पष्ट जडिड माड्युलन । एमएम प्रतिक्रिया सहित आवश्यक माड्युलन । स्विच विद्या विद्या प्रदाय ।

इलेक्ट्रानिकी एवं दूरसंचार इंजीनियरी

(इस्तुपरक तथा परम्परागत दोनों प्रकार के प्रश्न-पत्रों के लिए)

प्रश्न-पत्र 1

(वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 61)

और परम्परागत प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 63)

1. पदार्थ एवं घटक

विद्युत इंजीनियरी पदार्थों की संरचना एवं गुणधर्म, चालक सामान्यतः और विद्युतरक्षक, चुम्बकीय, लोह, विद्युत, दाह विद्युत, मृत्तिका, प्रकीर्णक और अतिचालक पदार्थ । निष्क्रिय घटक और अभिलक्षण । प्रतिरोधक, संचारित्र और प्रेरक. फ़ैरिडिट क्वार्ट्ज क्रिस्टल, मृत्तिका अनुवादक, विद्युत चुम्बकीय और विद्युत यांत्रिक घटक ।

2. भौतिक इलेक्ट्रानिकी, इलेक्ट्रान युक्तियां और एकीकृत परिपथ (आई. सी.)

सामान्यतः में इलेक्ट्रान और होल. दाहक सांख्यिकी, सामान्यतः से धारा प्रवाह की क्रियाविधि, हाल प्रभाव, संधि (जंक्शन) सिद्धांत, विभिन्न प्रकार के डायोड एवं उनके अभिलक्षण विद्युतध्वी (वायफोलर) संधि ट्रांजिस्टर, क्षेत्र प्रभाव ट्रांजिस्टर, एस. सी. आर., जी. टी. आ. और पावर मॉस्फेट जैसा पावर स्विचन युक्तियां, द्विध्वी, मोस और सी-मॉस क्रिस्टल के तकनीक परीक्षणों का आधारभूत ज्ञान; प्रकाश-इलेक्ट्रानिकी का आधारभूत ज्ञान ।

3. संकेत एवं तंत्र

संकेतों एवं तंत्रों का वर्गीकरण, अवकल एवं अन्तर समीकरणों के आधार पर तंत्र निर्धारण, अवस्था पर निरीक्षण, फीरए श्रेणी, फीरए समांतर और तंत्र विश्लेषण में उनका अनुप्रयोग; लाप्लास रूपांतर और तंत्र विश्लेषण में उनका अनुप्रयोग, संचलन एवं अध्या-रूपण स्माकल और उनका अनुप्रयोग, Z—रूपांतर और विविक्त काल प्रणाली के विश्लेषण और अभिलक्षण में उनका अनुप्रयोग, यादीच्छक संकेत तथा प्रायिकता, सहसंबंध फलन, स्पेक्ट्रमी घनत्व यादीच्छक निर्वर्णों के प्रति रैखिक तंत्र की अनुक्रिया ।

4. जाल (नेटवर्क) सिद्धांत

जाल विश्लेषण तकनीक, विभिन्न जाल सिद्धांत, क्षणिक अनुक्रिया, स्थायी अवस्था ज्यावकीय अनुक्रिया, विभिन्न जाल आलेख और जाल विश्लेषण में उनका अनुप्रयोग । टेलीजेन-सिद्धांत । द्विध्वी जाल (Two Parts Network) : z y h और संकरण प्राचल द्विध्वी धारों का संयोजन सामान्य द्विध्वी का विश्लेषण । विभिन्न जाल फलन : द जाल फलनों के भाग, लिए गए भाग से जाल फलन प्राप्त करना । संकरण नियमों : निर्दिष्ट और उल्लयन काल, एलमोर की और अन्य परिभाषाएं, सेतानी प्रभाव । जाल संश्लेषण के अवयव ।

5. विद्युत चुम्बकीय सिद्धांत :

स्थिर विद्युत तथा चुम्बकीय स्थिर क्षेत्रों का विश्लेषण : लाप्लास फ़ासों की समीकरणों, सीमांत मूल्य समस्याएं और उनका समाधान । मैक्सवेल-समीकरण : परिचय तथा अपरिचय माध्यम में तरंग संचरण के लिए अनुप्रयोग, संकरण लाइनों : मूल सिद्धांत, अप्रगामी तरंगें, प्रतिक्रिया अनुप्रयोग, सूक्ष्मपट्टी लाइनों । तरंग पथकों और अनुवादकों का मूलभूत ज्ञान, एन्टेना सिद्धांत के अवयव ।

6. इलेक्ट्रानिक मापन और मापयंत्रण

मूल सकल्पना, मानक और त्रुटि विश्लेषण, मूल विद्युत राशियों और प्राचलों का मापन; इलेक्ट्रानिक माप यंत्र तथा उनकी कार्य प्रणाली के सिद्धांत : अनुरूप और लंकीय तुलना अभिलक्षण और अनु प्रयोग । ट्रांसड्यूसर्स : ताप, दाह, आवृत्ता आदि जैसी और-विद्युत राशियों का इलेक्ट्रानिक मापन; औद्योगिक उपयोग के लिए बुरीमिति का मूलभूत ज्ञान ।

प्रश्न-पत्र 2

(वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 62 और परम्परागत प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 64)

1. अनुरूप इलेक्ट्रानिकी परिपथ

ट्रांजिस्टर अभिनतिकरण और स्थायीकरण । लघु संकेत विश्लेषण । शक्ति प्रवर्धक । आवृत्ति अनुक्रिया । विस्तृत बैंड तकनीक । पुनर्भरण (फीडबैक) प्रवर्धक । समस्वरित प्रवर्धक । दोलन दिष्टकारी और विद्युत प्रदाय । ओ. पी.

एम, पी. एल. एल. (op Amp, PLL), अन्य रेखिक एकीकृत परिपथ और उनके अनुप्रयोग । स्थिर आवृत्ति संशोधक परिपथ और तरंगरूप जीनित्र ।

2. अंकीय इलेक्ट्रॉनिक परिपथ

स्विचन अवयव के रूप में ट्रांजिस्टर, बूलीय बीजगणित, बूलीय फलनों का सरलीकरण । कठोरनाम प्रतिचित्र और अनुप्रयोग; विभिन्न एकीकृत परिपथ (आई सी) तर्क द्वार और उनके अभिलक्षण; एकीकृत परिपथ तर्क परिवार : डी टी एल, टी टी एल, ई सी एल, एन मोस (N MOS) पी मोस (P MOS) और सी मोस (C MOS) द्वार और उनकी तुलना; संयुक्त तर्क परिपथ; अर्धयोजक, पूर्ण योजक; अंकीय तुलनित, बहुसंकेतक (मल्टी प्लेक्सर), डिबहुसंकेतक (डिडिल्टी प्लेक्सर), केबल पठन समूह (आर ओ एम) और उनका अनुप्रयोग । विभिन्न फ्लिप फ्लाप RS, J-K, D और T-फ्लिप फ्लाप । विभिन्न प्रकार के गणित्र और पंजियां । तरंगरूप जीनित्र । अनुरूप-अंकीय और अंक-अनुरूप परिवर्तक । सामिचालक स्मृतिथी ।

3. नियंत्रण तंत्र :

नियंत्रक तंत्रों की क्षणिक और स्थायी अवस्था अनुक्रिया; स्थायित्व और संवेदनशीलता पर पुनर्भरण का प्रभाव, मूल बिन्दु-पथ तकनीक, आवृत्ति अनुक्रिया विश्लेषण लब्धि और प्राक्स्था उपांत की संकल्पनाएं, अचर-एम और अचर-एन निकोल-चाट, अचर अचर-एन निकोल चाट के क्षणिक अनुक्रिया का सन्निकटन; संवृत पाथ आवृत्ति अनुक्रिया से क्षणिक अनुक्रिया का सन्निकटन । नियंत्रण तंत्रों का अभिकल्पन, प्रतिकारित्र औद्योगिक नियंत्रक ।

4. संचार तंत्र :

आधारभूत सूचना सिद्धान्त; अनुरूप और अंकीय तंत्रों में माड्युलम और संसूचन प्रतिचयन और पुनर्निर्माण । वर्गीकृत टीमीकरण और कूटलेसन. काल विभाजन और आवृत्ति विभाजन बहुसंकेतक, समकरण, मुक्तआकाश और तंतु प्रकाशिकीय में प्रकाशिक संचार, उच्च आवृत्ति अति उच्च आवृत्ति, परा उच्च आवृत्ति और सूक्ष्मतरंग आवृत्ति पर संकेतों का संचरण; उपग्रह संचार ।

5. सूक्ष्मतरंग इंजीनियरी :

सूक्ष्मतरंग नीलिकाएं और जैस अवस्था युक्तियां, सूक्ष्मतरंग जनन और प्रवर्धक, तरंग पथक और अन्य सूक्ष्मतरंग घटक और परिपथ, सूक्ष्मपट्टी परिपथ, सूक्ष्मतरंग ऐंस्टेना, सूक्ष्मतरंग सापन, मेजर (MASERS), लेजर सूक्ष्मतरंग संचरण । पार्थिव और उपग्रह आधारित सूक्ष्मतरंग संचार तंत्र ।

6. कम्प्यूटर इंजीनियरी :

संख्या पद्धति, आंकड़ा—मिश्रण, क्रमादेशन, उच्च स्तर क्रमादेश भाषा पास्कल/सी (PASCAL/C) के अवयव आधार-

भूत आंकड़ा संरचनाओं का प्रयोग । कम्प्यूटर वास्तुकला के मूल अवयव । संसाधित अभिकल्पन; नियंत्रण एकक अभिकल्पन, स्मृति संगठन, निवेश/निर्गम तंत्र संगठन, सूक्ष्मसंसाधित्र (माइक्रोप्रोसेसर), सूक्ष्मसंसाधित्र (माइक्रोप्रोसेसर) 8085 और 8086 की वास्तुकला और अनुदश समुच्चय, कोडांतरण भाषा क्रमादेशन; सूक्ष्मसंसाधित्र (माइक्रोप्रोसेसर) आधारित तंत्र अभिकल्प : प्रतिरूपी उदाहरण । वैयक्तिक कम्प्यूटर और उनके प्रतिरूपी प्रयोग ।

परिशिष्ट-2

उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा के बारे में विनियम ।

ये विनियम उम्मीदवारों की सुविधा के लिए प्रकाशित किए जाते हैं ताकि वे यह अनुमान लगा सकें कि वे अपेक्षित शारीरिक स्तर के हैं या नहीं । ये विनियम स्वास्थ्य परीक्षाओं (सिडबल एग्जामेनर्स) का मार्ग-निर्देशन के लिए भी हैं तथा जो उम्मीदवार इन विनियमों में निर्धारित न्यूनतम अपेक्षाओं को पूरा नहीं करता है तो उसे स्वास्थ्य परीक्षकों के द्वारा स्वस्थ घोषित नहीं किया जा सकता । किन्तु किसी उम्मीदवार को इन विनियमों में निर्धारित मानक के अनुसार स्वस्थ न मानते हुए भी स्वस्थ परीक्षा बोर्ड को इस बात की अनुमति होगी कि वह लिखित रूप से स्पष्ट कारण देते हुए भारत सरकार को यह अनुमति कर सके कि उक्त उम्मीदवार को सेवा में लिया जा सकता है और इसमें सरकार को कोई हानि नहीं होगी ।

2. किन्तु यह बात भी भली प्रकार समझ लेनी चाहिए कि भारत सरकार को स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार करके उसे स्वीकार या अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार होगा ।

1. नियुक्ति के लिए स्वस्थ ठहराए जाने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य ठीक हो और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिससे नियुक्ति के बाद दक्षतापूर्वक काम करने में बाधा पड़ने की संभावना हो ।

प्रत्येक उम्मीदवार को उनके व्यक्तित्व परीक्षण के दूसरे दिन या इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि उन्होंने पहले ऐसी डाक्टरी जांच करवाई थी और पहली जांच को आधार पर उन्हें स्वस्थ अथवा अस्वस्थ पाया गया था, रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) द्वारा यथानिर्णीत तारीख और स्थान की सेंट्रल हास्पिटल, धर्मश लेन, नई दिल्ली पर डाक्टरी जांच करवाई जाएगी । यदि कोई उम्मीदवार व्यक्तित्व परीक्षण के लिए तो उपस्थित होता है किन्तु किसी भी कारणवश डाक्टरी जांच के लिए उपस्थित नहीं होता है तो :

(क) उसे डाक्टरी जांच से अनुपस्थित रहने के लिए रेलवे बोर्ड (डी डी ई) (जी आर) से पूर्व अनुमति लेनी होगी ।

(ख) यदि किसी आवश्यक कारण से अनुपस्थित नहीं होती जाती है तो उम्मीदवार से अपेक्षा की जाती है कि वह व्यक्तित्व परीक्षण के 15 दिन के अंदर-अंदर रेल

अंशालय के संबंधित प्राधिकारी को अनुपस्थित रहने के सम्बन्ध में वस्तावेजी प्रमाण तथा पूर्व अनुमति न लेने का कारण बताए। उन्हें कोई यात्रा भत्ता, महंगाई भत्ता नहीं दिया जाएगा।

किसी भी परिस्थिति में व्यक्तित्व परीक्षण होने को 15 दिन बाद प्राप्त हुए अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

यह उम्मीदवार के हित में ही होगी कि वह संपूर्ण विवरण/प्रश्नों सहित तैयार होकर आए। उपर्युक्त जैसा कोई भी अपूर्ण निवेदन कोई अभियंता नहीं माना जाएगा तथा उम्मीदवार को इंजीनियरी सेवा परीक्षा, 1998 के आधार पर कोई भी सेवा/पद आवांछित नहीं किया जाएगा। इस संबंध में रेल मंत्रालय का नियम आदेश होगा तथा उम्मीदवार इस नियम को मानने के लिए बाध्य होंगे। यह भी नोट कर लिया जाएगा कि यदि कोई उम्मीदवार किसी कठिनाई और पुराने से पहले ही अस्पताल से बाहर आता है तो यह मान लिया जाएगा कि वह उपस्थित ही नहीं आता है तथा इंजीनियरी सेवा परीक्षा, 1998 के आधार पर उसे कोई भी सेवा/पद आवांछित नहीं किया जाएगा।

3. (क) भारतीय (एंग्लो इण्डियन सहित) जाति के उम्मीदवार की आयु, कद और छाती के घेरे के परस्पर सम्बन्ध के बारे में मीडिकल बोर्ड के ऊपर यह बात छोड़ दी गई है कि वह उम्मीदवारों के परीक्षा में मार्गदर्शन के रूप में जो भी परस्पर सम्बन्ध के आंकड़े सबसे अधिक उपयुक्त समझे व्यवहार में लाए। यदि वजन, कद और छाती के घेरे में विषमता है तो जांच के लिए उम्मीदवार को अस्पताल में रहना चाहिए और उसकी छाती का एकस्तर सेना चाहिए। ऐसा करने के बाद ही बोर्ड उम्मीदवार को स्वस्थ अथवा अस्वस्थ घोषित करेगा।

(ख) किन्तु कुछ सेवाओं के लिए कद और छाती के घेरे के लिए कम से कम मानक निम्नलिखित हैं, जिस पर पूरा न उतरने पर उम्मीदवार को स्वीकार नहीं किया जा सकता :—

सेवा का नाम	कद	छाती का घेरा फैलाव (पूरा कुला कर)	
1	2	3	4
रेल इंजीनियर सेवा (सिविल बैद्युत)			
यांत्रिक और सिगनल और के० लो० नि० वि०			
में केन्द्रीय			
इंजीनियरी सेवा			
ग्रुप 'क' तथा			
केन्द्रीय विद्युत			

1	2	3	4
इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क'			
(क) पुरुष उम्मीदवारों के लिए	152	84	5
	से०मी०	से०मी०	से०मी०
(ख) महिला उम्मीदवारों के लिए	150	79	5
	से०मी०	से०मी०	से०मी०

अनुसूचित जनजातियों और उन जातियों जैसे गोरखा, गढ़वाली, असमिया, नागालैण्ड के आदिवासीयों आदि जिनका आसक्त कद स्पष्टतः ही कम होता है, के मामले में भागान्तरित न्यूनतम कद में छूट दी जा सकती है।

(ग) सेना इंजीनियरी सेवाओं ग्रुप 'क' भारतीय आयुध कारखाना सेवा ग्रुप 'क' के लिए छाती का नाप में कम से कम 5 से. मी. के फाव का गुंजाइश रखनी होगी।

4. उम्मीदवार का कद निम्नलिखित विधि से मापा जाएगा :—

वह अपने जूते उतार देगा और मापदण्ड (स्टण्डर्ड) से इस प्रकार सटा कर खड़ा किया जाएगा कि उसके पाँव आपस में जुड़े रहें और उसका वजन दियाए एडिडों के पावों के अंगूठों या किसी और हिस्से पर न पड़े। वह बिना अंकड़ सीधा खड़ा होगा और उसका एडिडों, पिंछलियाँ, नितम्ब और कंधे मापदण्ड के साथ लगे होंगे। उसकी खड़ी नीचे रखी जाएगी ताकि सिर का स्तर (बस्टकेम आफ दी हॉइनेबल) हॉरिजेंटल और (आइडें छेड) के नीचे आए। कद सेंटीमीटर और आध सेंटीमीटरों में मापा जाएगा।

5. उम्मीदवार के छाती मापने का तरीका इस प्रकार है :—

उसने इस भाँति खड़ा किया जाएगा कि उसके पाँव जुड़े हों और उसकी भुजाएँ सिर से ऊपर उठी हों, फीसे के छाती के गिर्ब इस तरह लगाया जाएगा कि उसका ऊपरी किनारा असफलक (शैल्डर ब्लैक) के निम्न-कंधों (इन्फीरियर एंगल्स) के पीछे लगा रहे और यह फीसे के छाती के गिर्ब ले जाने पर उसी आइडें समतल (हॉरिजेंटल प्लेन) में रहे। फिर भुजाओं को नीचे किया जाएगा और उन्हें शरीर के साथ सटका रहने दिया जाएगा किन्तु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कंधे ऊपर या पीछे की ओर न किए

जाए ताकि फीता अपने स्थान से हट न जाए। तब उम्मीदवार को कहें बार गहरा साँस लेने को लिए कहा जाएगा तथा छाती को अधिक से अधिक फैलाव पर सावधानी से ध्यान दिया जाएगा और कम से कम और अधिक से अधिक फैलाव सेंटीमीटर में रिकार्ड किया जाएगा जैसे 84—89, 86—93.5 आदि माप के रिकार्ड करते समय आधे सेंटीमीटर से कम भिन्न (फ्रेक्शन) को नोट नहीं करना चाहिए।

विशेष ध्यान दें :—अंतिम निर्णय करने से पूर्व उम्मीदवार का कद और छाती दो बार मापी जानी चाहिए।

6. उम्मीदवार का वजन भी किया जाएगा और उसका वजन किलोग्राम में रिकार्ड किया जाएगा। आधा किलोग्राम से कम भिन्न (फ्रेक्शन) को नोट नहीं करना चाहिए।

7. उम्मीदवार की नजर की जांच सिम्पलीफाइड नियमों के अनुसार की जाएगी। प्रत्येक जांच का परिणाम रिकार्ड किया जाएगा :—

(1) सामान्य—किसी रंग या असाधारणता का पता लगाने के लिए उम्मीदवार की आंखों की सामान्य परीक्षा की जाएगी। यदि उम्मीदवार की आंखों, पलकों अथवा साथ लगी संरचनाओं (कॉन्जुंक्चस स्ट्रक्चर्स) का कोई ऐसा रंग हो जो उसे अब या आगे किसी समय स्वा के लिए आयोग्य बना सकता हो तो उसको अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

(2) दृष्टि-रीक्षणता (विजुअल एक्यूटी)—दृष्टि की सीवूरता का निर्धारण करने के लिए यो तरह की जांच की जाएगी। एक दूर की नजर के लिए और दूसरी नजदीक की नजर के लिए। प्रत्येक आंख की अलग-अलग परीक्षा की जाएगी।

चरम के बिना आंख की नजर (नेफेड आइ विजन) की कोई न्यूनतम सीमा (मिनिमम लिमिट) नहीं होगी किन्तु प्रत्येक मामले में गैडिजल बोर्ड या अन्य गैडिजल प्राधिकारी द्वारा इसे रिकार्ड किया जाएगा। क्योंकि इसमें आंख की हालत के बारे में मूल सूचना (बीसिक इन्फार्मेशन) मिल जाएगी।

चरम के साथ और चरम के बिना दूर और नजदीक की नजर की मानक निम्नलिखित होंगी :—

सेवाएं	दूर की दृष्टि		निकट की दृष्टि	
	अच्छी आंख	खराब आंख	अच्छी आंख	खराब आंख
1	2	3	4	5
क. तकनीकी				
1 रेल इंजीनियरी सेवाएं (सिविल)	6/6	6/12	जे/I	जे/II
			अथवा	

1	2	3	4	5
विद्युत यांत्रिकी और (सिगनल)	6/9	6/9		
2. केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' केन्द्रीय विद्युत तथा यांत्रिक इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप 'क' केन्द्रीय जल इंजीनियरी	6/6	6/12	जे/I	जे/II
सेवा ग्रुप 'क' केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (सड़क) ग्रुप 'क' तथा तार इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' सहायक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल तथा विद्युत) डाक एवं तार भवन निर्माण (ग्रुप 'क') सेवा, आई० डब्ल्यू० पी० एण्ड सी० स्कन्ध अनुश्रवण संगठन संचार मंत्रालय में इंजीनियरी का पद (भारतीय प्रसार इंजीनियर) सेवा भारतीय नौसेना आयुध सेवा में भारतीय आयुधालय सेवा ग्रुप 'क' सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क'			अथवा	
3. सेना इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' सहायक कार्यपालक इंजीनियर ग्रुप 'क' तथा सहायक इंजीनियर ग्रुप 'ख' सहायक प्रबंधक (कारखाना) ग्रुप 'क' डाक तार दूरसंचार कारखाना संगठन (गैर तकनीकी)	6/6	6/18	जे/	जे/
			अथवा	
	6/5	6/9		

1	2	3	4	5
4. भारतीय रेल भंडार सेवा तथा भारतीय आपूर्ति सेवा ग्रुप 'क'	6/9	1/2	जे/1	जे/11

टिप्पणी (1)

(क) उपर्युक्त 'क' पर उल्लिखित तकनीकी सेवाओं के सम्बन्ध में मापोंपिया (सिलेंडर सीहत) का कुल परिणाम 4.00 डी. से अधिक नहीं होगा। हाइपरमेट्रिया (सिलेंडर सीहत) का कुल परिणाम 4.00 डी. से अधिक नहीं होगा। किन्तु यह है कि "तकनीकी" रेल मंत्रालय (रेल विभाग के अधीन सेवाओं के अन्वया) के रूप में वर्गीकृत सेवाओं का उम्मीदवार यदि हाइ मापोंपिया के कारण अयोग्य पाया जाए तो यह मामला तीन नव विषयों के विशेष बोर्ड को भेज दिया जाएगा जो यह घोषणा करे कि यह मापोंपिया रोगात्मक है या कि नहीं। यदि यह रोगात्मक नहीं है तो उम्मीदवार को योग्य घोषित कर दिया जाएगा बशर्ते कि वह अन्यथा दृष्टि संबंधी अपेक्षाएं पूरी कर दे।

(ख) मापोंपिया फण्डम के प्रत्येक मामले में जांच करनी चाहिए और उसके नतीजे का रिकार्ड किया जाना चाहिए। यदि उम्मीदवार को रोगात्मक अवस्था है जिसकी दृढ़ता और उसकी उम्मीदवार की कार्यकुशलता पर असर पड़ने की संभावना है तो उसे अयोग्य घोषित कर देना चाहिए।

टिप्पणी (2)

भारतीय दूर संचार सेवा ग्रुप 'क' के अलावा उपर्युक्त 'क' पर उल्लिखित तकनीकी सेवाओं के सम्बन्ध में वर्णदर्शन की जांच अनिवार्य होगी।

जैसा कि नीचे तालिका में दर्शाया गया है वर्ण—अवगम उच्च-तर तथा निम्नतर ग्रेडों में होना चाहिए जो लैटर्न में द्वारा (एचर) के आकार पर निर्भर है :-

ग्रेड	वर्ण अवगम का उच्चतर ग्रेड	वर्ण अवगम का निम्नतर ग्रेड
1. लैम्प और उम्मीदवार के बीच की दूरी	16'	16'
2. डाक (एपरधर) का आकार	1.3 मि० मीटर	13 मि० मीटर
3. दिखावे का समय	5 सेकेण्ड	5 सेकेण्ड

रेल इंजीनियरिंग सेवा (सिविल, वैद्युत, सिगनल और यांत्रिक) और रेल सुरक्षा संबंधित अन्य सेवाओं के लिए उन्हें ग्रेड के वर्ण दर्शन की जरूरत है किन्तु अन्यथा नीचे ग्रेड के वर्ण दर्शन को पर्याप्त माना जाना चाहिए :-

सेवाओं/पदों के वर्ण जिनके लिए उच्च या निम्न ग्रेड का वर्णदर्शन अपेक्षित है, नीचे दिए जा रहे हैं :-

तकनीकी सेवाएं या पद जिनके लिए उच्चतर ग्रेड का वर्णदर्शन अपेक्षित है :-

- (1) रेल इंजीनियरी सेवा।
- (2) सैन्य इंजीनियरी सेवा (आई. डी. एस. ई. तथा सर्वेक्षण संवर्ग)।
- (3) भारतीय सर्वेक्षण ग्रुप 'क' सेवा।
- (4) केंद्रीय इंजीनियरी सेवा (सड़क)।
- (5) केंद्रीय वैद्युत इंजीनियरी सेवा।
- (6) सहायक कारखाना प्रबन्धक (कारखाना) (डाक सार) दूर संचार कारखाना संगठन।
- (7) सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' तथा 'ख'।
- (8) सहायक कार्यपालक इंजीनियर ग्रुप 'क' तथा सहायक इंजीनियर ग्रुप 'ख'।
- (9) भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप 'क'।

तकनीकी सेवाएं या पद जिनके लिए निम्नतर ग्रेड का वर्णदर्शन अपेक्षित है :-

- (1) केंद्रीय इंजीनियरी सेवा।
- (2) केंद्रीय वैद्युत तथा यांत्रिक इंजीनियरी सेवा।
- (3) भारतीय नौसेना आयुध सेवा का ग्रेड।
- (4) भारतीय आयुध कारखाना सेवा।
- (5) केंद्रीय जल इंजीनियरी सेवा।
- (6) सहायक कार्यकारी इंजीनियर (सिविल तथा वैद्युत) ग्रुप 'क' डाक व सार भवन निर्माण (ग्रुप 'क') सेवा।
- (7) भारतीय प्रसारण (इंजीनियरी) सेवा का कमिष्ठ वंत्तमान।
- (8) इंजीनियर ग्रुप 'क' वंतार आयोजन और समन्वय स्कन्ध अनुश्रवण संगठन।

लाल, हरे और सफेद रंग के संकेत को आसानी से और हिच-किचाहट के बिना पहचान लेना संतोषजनक वर्ण दर्शन है।

वर्ण दर्शन की परीक्षा के लिए इतिहास की प्लेटों तथा एडरिंग की लैटर्न—बोनों का प्रयोग किया जाएगा।

टिप्पणी (3)—दृष्टि क्षेत्र (फील्ड ऑफ विजन)—सभी सेवाओं के लिए सम्मुखन विधि द्वारा दृष्टि क्षेत्र की जांच की जाएगी। जब ऐसी जांच का नतीजा अस्वाभाविक या संदिग्ध

हो तब दृष्ट क्षेत्र को परिभाषी (पेरामीटर) पर निर्धारित किया जाना चाहिए।

टिप्पणी (4)—रतींधी (नाइट ब्लाइन्डनेस)—केवल विशेष मामलों को छोड़कर रतींधी की जांच नेमा के रूप में जरूरी नहीं है। रतींधी या अंधेरे में दिखाई न देने की जांच करने के लिए कोई स्टैन्डर्ड निर्दिष्ट नहीं है। मीडकल बोर्ड को ही ऐसे काम बलाउज टेस्ट कर देने चाहिए जैसे रीशनी कम करके या उम्मीदवार को अन्दर कमरे में लाकर 20 से 30 मिनट के बाद उससे विविध चीजों की पहचान करवा कर दृष्ट तीक्ष्णता रिकार्ड करना। उम्मीदवारों को कहने पर ही हमेशा विवरण नहीं करना चाहिए किन्तु उन पर उचित विचार किया जाना चाहिए।

टिप्पणी (5)—केन्द्रीय बर्गीकरण से मंचा होकर उम्मीदवारों को चिकित्सा बोर्ड द्वारा जरूरी समझे जाने पर वर्ण दर्शन और रतींधी संबंधी परीक्षण पास करना होगा। भारतीय सर्वेक्षण सेवा ग्रुप 'क' के लिए उम्मीदवारों को 'विशेष स्वयंसेवक' परीक्षण पास करना होगा।

टिप्पणी (6)—दृष्ट की तीक्ष्णता से भिन्न आंख को दर्शाए (आकृति 1 कण्डीशन)।

(क) आंख की अंग सम्बन्धी बीमारी की बढ़ती हुई अवस्था ब्रिट (रिफ्लेक्टिव एरर) का, जिसके परिणामस्वरूप दृष्ट की तीक्ष्णता को कम होने की सम्भावना हो, अयोग्यता का कारण समझना चाहिए।

(ख) भ्रूणपन—ऊपर 'क' पर उल्लिखित तकनीकी सेवाओं होत जहां दोनों आंखों की दृष्ट का होता जरूरी है, भ्रूणपन अयोग्यता माना जाएगा चाहे दृष्ट की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर की ही क्यों न हो। यदि दृष्ट की तीक्ष्णता निर्धारित मानक के अनुसार हो तो अन्य सेवाओं हेतु भ्रूणपन अयोग्यता माना जाएगा।

(ग) यदि कोई एक आंख वाला व्यक्ति है या उसकी एक आंख की दृष्ट सामान्य है तथा दूसरी आंख की दृष्ट कमजोर है तथा उसकी दृष्ट उपसामान्य है तो इसका सख्त भाव यह होता है कि गहनता अधगम के लिए उनके पास विविध दृष्ट की कमी है। कई सिविल पदों के लिए ऐसी दृष्ट जरूरी नहीं है। चिकित्सा बोर्ड ऐसे व्यक्तियों की स्वस्थ होने की अनुमति दे सकता है, बशर्ते कि उसकी सामान्य आंख—

(1) को चश्मा लगाकर या चश्मे के बिना दूर दृष्ट 6/6 और निकट दृष्ट 3/1 या बशर्ते कि किसी मैग्निफायर में दूर दृष्ट सम्बन्धी खण्ड 4 डायोप्टर से अधिक हो।

(2) का दृष्ट-क्षेत्र पूर्ण हो।

(3) आवश्यकतानुसार सामान्य वर्ण दर्शन।

किन्तु बोर्ड संतुष्ट हो कि उम्मीदवार सदस्यगत कार्य विशेष सम्बन्धित सभी कार्रवाई कर सकता है।

“तकनीकी” के रूप में वर्गीकृत पदों/सेवाओं के उम्मीदवारों के लिए दृष्ट की तीक्ष्णता का निर्धारण किया हुआ उपर्युक्त मानक लागू नहीं होगा।

टिप्पणी (7)—कान्टैक्ट लेंस—अधिकतम परीक्षा के दौरान उम्मीदवार को कान्टैक्ट लेंस प्रयोग करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

टिप्पणी (8)—यह आवश्यक है कि आंखों का परीक्षण करते समय दूर दृष्ट के लिए टाइप अक्षरों की प्रदीप्त 25 फुट कण्डल की प्रदीप्त ऐसी हो।

टिप्पणी (9)—सरकार किसी भी उम्मीदवार के पक्ष में विशेष कारण से किसी भी शर्त में छूट दे सकती है।

8. रक्त दाब (ब्लड प्रेशर)

ब्लड प्रेशर के सम्बन्ध में बोर्ड अपने विवेक से काम लेंगा। नामल गैंग्नीमग सिस्टोलिक प्रेशर के आकलन की काम खलाउ विविध निम्न प्रकार है—

(1) 15 से 25 वर्ष के युवा व्यक्तियों में औसत ब्लड प्रेशर लगभग 100+आयु होता है।

(2) 25 वर्ष से ऊपर की आयु वाले व्यक्तियों में ब्लड प्रेशर के आकलन में 110+आधी आयु का सामान्य विनियम बिल्कुल संतोषजनक पड़ता है।

विशेष ध्यान : सामान्य नियम के रूप में 140 एम. एम. से ऊपर सिस्टोलिक प्रेशर और 90 एम. एम. से ऊपर डायस्टोलिक प्रेशर को संविध मान लेना चाहिए और उम्मीदवार को आयोग या योग्य ठहराने के सम्बन्ध में अपनी राय देने से पहले बोर्ड को चाहिए कि उम्मीदवार को अस्पताल में रखने की रिपोर्ट से यह पता लगना चाहिए कि घबराहट (एक्साइटमेंट) आदि के कारण ब्लड प्रेशर थोड़ा समय रहते वाला है या इसका कारण कोई (आर्गेनिक) बीमारी है। ऐसे भी मामलों में हृदय का एक्सरे और इलेक्ट्रोकार्डियोग्राफी जांच और रक्त ग्लूकोस (क्विलयर्स) की जांच भी नंगी तौर पर की जानी चाहिए। फिर भी उम्मीदवार को योग्य होने पर या न होने के बारे में अंतिम फैसला केवल मीडिकल बोर्ड ही करेगा।

ब्लड प्रेशर (रक्त दाब) लेने का तरीका

नियमित पारो वाले दाबमापी (सरकारी मैग्निफायर) निम्न का उपयोग (इंस्ट्रक्शन) इस्तेमाल करना जानना। किसी किम्प का व्यायाम या घबराहट के बाद एक्साइटमेंट रक्त दाब नहीं लेना चाहिए। योग्य होना या लेना हो बशर्ते कि वह और विशेषकर उसकी तब निर्धारित क्षेत्र आयोग

से हों। बांह थोड़ी-बहुत हारिजेंटल स्थिति में रांगी के शस्त्र पर हो तथा उसके कंधे तक कंधा उतार देना चाहिए। कफ में से पूरी तरह हवा निकाल कर बीच की रबड़ को भुजा के अन्दर की ओर रख कर और उसके निचले किनारे को कोहनी के मोड़ से एक या दो इंच ऊपर करके लगाना चाहिए। इसके बाद कपड़े की पट्टी को फँसाकर समान रूप से लपेटना चाहिए ताकि हवा भरने पर कोई हिस्सा फूल कर बाहर को ना निकले।

कोहनी के मोड़ पर दाहिं धमनी (वृकजल गार्डरी) को दबाववा कर ढँका जाता है तब उसके ऊपर बीचों-बीच स्ट्रेथस्कोप को हल्के से लगाया जाता है जो कफ को साथ न लगे। कफ में लगभग 200 एम. एम. इंच. जी. हवा भरी जाती है। जीर इसके बाद इसमें से धीरे-धीरे हवा निकाली जाती है। हल्की क्षीण ध्वनियाँ सुनाई पड़ने पर जिस स्तर पर पार के घातकाल टिका होता है वह डिस्टालिक प्रेशर दर्शाता है। जब जीर हवा निकाली जाएगी तो और तेज ध्वनियाँ सुनाई पड़ेंगी। जिस स्तर पर साफ और अच्छी सुनाई पड़ने वाली ध्वनियाँ हल्की दबी हुई सी सुनें प्रायः हो जाएँ तो वह आयस्टालिक प्रेशर है। ब्लड प्रेशर काफी थोड़ी अवधि में ही लेना चाहिए क्योंकि कफ को खड़े सप्ताह दबाव रोगी के लिए लाभ कारक होता है और इससे रीडिंग गलत होती है यदि दोबारा पड़ताल करनी जरूरी हो तो कफ में से पूरी हवा निकाल कर कुछ मिनट के बाद ही ऐसा किया जाए। कभी-कभी कफ में से हवा निकालने पर एक निश्चित स्तर पर ध्वनियाँ सुनाई पड़ती हैं जब गिरने पर ये गायब हो जाती हैं तथा निम्न स्तर पर पुनः प्रकट हो जाती हैं। इस "साइलेंट गैस" रीडिंग में गलती हो सकती है।

9. परीक्षक की उपस्थिति में किए गए सूत्र की परीक्षा की जानी चाहिए और परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए। जब मीडिकल बोर्ड को किसी उम्मीदवार के सूत्र में रासायनिक जांच द्वारा शक्कर का पता चलें तो बोर्ड इसके सभी पहलुओं की परीक्षा करेगा और मधुमेह (डायबिटीज) के घातक चिन्ह और लक्षणों को भी विशेष रूप से नोट करेगा। यदि उम्मीदवार को ग्लूकोज मेह (ग्लाइकोसूरिया) के सिवाय, अपेक्षित मीडिकल फिटनेस के स्टैण्डर्ड के अनुरूप पाएँ तो वह उम्मीदवार को इस वर्ग के साथ फिट घोषित कर सकता है कि ग्लूकोज मधुमेही (नानडायबेटिक) नहीं है और बोर्ड इस कस को मीडिकल के किसी ऐसे विशेषज्ञ के पास भेजेगा जिसके पास अस्पताल और प्रयोगशाला सुविधाएँ हों। मीडिकल विशेषज्ञ स्टैण्डर्ड ब्लड शुगर टालरेंस टेस्ट समेत जो भी विक्लिनिकल या लैबोरेटरी परीक्षाएँ जरूरी समझेगा, करेगा और अपनी रिपोर्ट बोर्ड को भेज देगा। जिस पर मीडिकल बोर्ड की 'फिट' 'अनफिट' की अंतिम राय आधारित होगी। दूसरे अवसर पर उम्मीदवार के लिए बोर्ड के सामने स्वयं उपस्थित होना जरूरी होगा, औषधि के प्रभाव को समाप्त करने के लिए यह जरूरी हो सकता है कि उम्मीदवार को कई दिन तक अस्पताल में पूरी देख-रेख में रखा जाए।

10. यदि जांच के परिणामस्वरूप कोई महिला उम्मीदवार 12 हफ्त या उससे अधिक समय की गर्भवती पाई जाती है तो

उसको अस्थायी रूप से तब तक अस्थायी घोषित किया जाना चाहिए जब तक कि उसका प्रसव पूरा ना हो जाए। किसी रजिस्टर्ड चिकित्सा व्यावसायी का स्वस्थता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर, प्रसूति की तारीख से 6 हफ्ते बाद धाराण्य प्रमाण-पत्र को लिए उसकी फिर से स्वास्थ्य परीक्षा की जानी चाहिए।

11. निम्नलिखित अतिरिक्त बातों का प्रक्षण किया जाना चाहिए :-

(क) उम्मीदवार को दोनों कानों से अच्छे सुनाई पड़ता है और उसके कान में बीमारी का कोई चिन्ह नहीं है। यदि कोई कान की श्रवणी हो तो उसकी परीक्षा कान विशेषज्ञ द्वारा की जानी चाहिए। यदि सुनने की श्रवणी का क्लॉज इल्यु क्रिया (आपरेशन) या हियरिंग एड के इस्तेमाल से हो सके तो उम्मीदवार को इस आधार पर आयोज्य घोषित नहीं किया जा सकता है बशर्ते कि कान की बीमारी बचने वाली न हो। यह उपबंध भारतीय रेल भंडार सेवा के अलावा अन्य रेल सेवाओं, सेवा इंजीनियरी सेवा, भारतीय धरसंधार सेवा गण 'क', केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा गण 'क' और केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी की सेवा गण 'क' और सीपा सड़क इंजीनियरी सेवा गण 'क' पर लागू नहीं है। चिकित्सा परीक्षा प्राधिकारी को मार्गदर्शन के लिए इस संबंध में निम्नलिखित मार्गदर्शन जानकारी की जाती है :-

(1) एक कान में प्रकट यदि हायर फ्रीक्वेंसी में हल्का-मध्यम अथवा पूर्ण महाराजन 30 डेसिबल तक हो तो गैर दूसरा कान सामान्य र्ने के लिये दे लिए योग्य।

(2) दोनों कानों में महाराजन यदि 1000 से 4000 हर्ज की का प्रत्यक्ष बोण्डिसमें स्पी-फ्रीक्वेंसी में महाराजन 30 डेसिबल तक हो तो हवनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के कार्यों के लिए योग्य।

(3) सेंटल अथवा मार्जिनल (1) एक कान सामान्य, दूसरे कान में टिमैनिक् मैम्बरेन का छिद्र हो तो अस्थायी प्रकार पर अयोग्य 1 कान की शल्य चिकित्सा स्थिति सुधरने पर दोनों कानों में मार्जिनल या अन्य छिद्रवाले उम्मीदवारों को अस्थायी रूप में अयोग्य घोषित करके उस पर नीचे दिये गए नियम () के अधीन विचार किया जा सकता है।

(2) दोनों कानों में मार्जिनल या एटिक वेधन होने पर अयोग्य।

- (3) दोनों कानों में सेटल छिद्र होने पर अस्थायी रूप से उपयोग्य ।
- (4) कान के एक ओर (दोनों ओर) से मस्टायड केविटी से सब नामल श्रवण
- (1) किसी एक कान में सामान्य रूप से एक ओर से मस्टायड केविटी से सुनाई देता हो दूसरे कान में सबनामल श्रवण वाले कान से मस्टायड केविटी होने पर तकनीकी तथा गैर तकनीकी दोनों प्रकार के कानों के लिए योग्य ।
- (2) दोनों ओर से मस्टायड केविटी तकनीकी नाम के लिए उपयोग्य । किसी भी कान की श्रवणता श्रवण यंत्र लगाकर अथवा बिना लगाए सुधार कर 30 डेसिबल हो जाने पर गैर-तकनीकी कामों के लिए योग्य ।
- (5) बहते रहने वाला कान आपरेजन करा गया बिना आपरेजन वाला ।
- तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के कामों के लिए अस्थायी रूप से उपयोग्य ।
- (6) नासा पट्ट की हड्डी संबंधी चिरमात्रों (बोनी डिफाइनरी) सहित अथवा इससे रहित नाक की जीर्ण प्रवाहक एलर्जिक दशा ।
- (1) प्रत्येक मामले के परिस्थितियों के अनुसार निर्णय लिया जाएगा ।
- (2) लक्षणों सहित नासा पट्ट बिचल विद्यमान होने पर अस्थायी रूप से उपयोग्य ।
- (7) टोंसिल और या कण्ठ की जीर्ण प्रवाहक दशाएं ।
- (1) टोंसिल और या कण्ठ जीर्ण प्रवाहक दशा—योग्य ।
- (2) यदि आवाज ये अत्यधिक कर्कशता विद्यमान हो तो अस्थायी रूप से उपयोग्य ।
- (8) कान, नाक गले (ई०एन०टी०) के हृके अथवा अपने स्थान पर मैलिगनेंट ट्यूमर ।
- (1) हृका ट्यूमर अस्थायी रूप से उपयोग्य ।
- (2) मैलिगनेंट ट्यूमर उपयोग्य ।
- (9) आर्टोसक्रिनेरोसिस
- (1) यदि काम-काज में बाधक न हों—योग्य ।
- (2) यदि भारी मात्रा में हकलाहट हो—अयोग्य ।
- (10) कान, नाक अथवा गले के अन्मज्जित दोष ।
- (11) नेसनपोली
- (1) यदि काम-काज में बाधक न हों—योग्य ।
- (2) यदि भारी मात्रा में हकलाहट हो—अयोग्य ।
- (क) वह बिना हकलाहट बोल लेता/लेती है ।
- (ग) उसके दांत अच्छी हालत में हैं या नहीं और अच्छी तरह खाने के लिए जरूरी होने पर नकली दांत लगे हैं या नहीं (अच्छी तरह भरे हुए दांतों को ठीक समझा जाएगा) ।
- (घ) उसकी छाती की क्वालिटी अच्छी है और छाती का फुलाव पर्याप्त है तथा उसका दिल व फेफड़े ठीक हैं ।
- (ङ) उसे पेट की कोई बीमारी है या नहीं ।
- (च) उसे रपचर नहीं है ।
- (छ) उसे हाईड्रोसिस, स्कीत शिरा या बवासीर तो नहीं हैं ।
- (ज) उसके गंठों, हाथों और पैरों की क्वालिटी और विकास अच्छा है और उसकी ग्रन्थियां भली-भांति स्वतन्त्र रूप में हिलती हैं ।
- (झ) उसको कोई चिरस्थायी त्वचा की बीमारी नहीं है ।
- (ञ) कोई जन्मजात कुरचना या बाध नहीं है ।
- (ट) उसके किसी उग्र या जीर्ण बीमारी के निशान नहीं हैं जिनसे कमजोर गठन का पता लगे ।
- (ठ) उसके शरीर पर टीके के निशान हैं ।
- (ड) कोई संचारी (कम्यूनिकेबल) रोग नहीं है ।
12. दिल और फेफड़ों की किसी अप्रामाण्यता का पता लगाने के लिए जो साधारण शारीरिक परीक्षा से प्राप्त न हो सभी मामलों में नेमी रूप से छाती की एक्स-रे परीक्षण की जानी चाहिए ।
- उम्मीदवार के स्वास्थ्य के बारे में संशय की निमित्त में मेडिकल बोर्ड के अध्यक्ष सरकारी मेडिकल बोर्ड के लिए सम्पर्क करने के योग्य स्वास्थ्य या अयोग्यता का निर्णय करने के लिए अस्पताल के किसी उपयुक्त विभाग की सलाह ले सकते हैं जैसे की तब संशय हो कि उम्मीदवार किसी मानसिक रोग या विकार से पीड़ित है, तब बोर्ड के अध्यक्ष किसी अस्पताल के मनोविकार विभागी/मनोविज्ञानी आदि की सलाह ले सकते हैं ।

2. अपनी आयु और जन्म स्थान लिखें ।

2. (क) क्या आप ऐसी जाति से गौरवा, गढ़वाली, असमी, नागालैण्ड आदिवासी आदि में से किसी से संबंधित हैं :—

जिनका औसत कद स्पष्टतः दूसरों से कम होता है ? 'हां' या 'नहीं' में उत्तर दीजिए ।
यदि उत्तर 'हां' में तो उस जाति का नाम बताइए ।

3. (क) क्या आपको कभी चंचक, रुक-रुक कर हाने वाला या कोई दूसरा बूखार ग्रंथियां (ग्लैंड्स) का बढ़ना या इनमें पीप पड़ना, थूक में खून आना दमा दिल की बीमारी, फेफड़े की बीमारी,

मूर्छा के वारे रिह्यूमेटिज्म, एंथिक्सिस हुआ है ?

(ख) दूसरी कोई ऐसी बीमारी या दुर्घटना जिसके कारण शय्या पर लेटे रहना पड़ा हो और जिसका मेडिकल या सर्जिकल इलाज किया गया हो ।

4. क्या आपको अधिक काम या किसी दूसरे कारण से किसी किम्म की अधीरता (नर्वसनेस) हुई ?

5. अपने परिवार के सम्बन्ध में निम्नीलिखित व्यापक दें :—

यदि पिता जीवित हों तो उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	मृत्यु के समय पिता की आयु और मृत्यु का कारण	आपके कितने भाई जीवित हैं, उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	आपके कितने भाइयों की मृत्यु हो चुकी है, मृत्यु के समय उनकी आयु और मृत्यु का कारण	यदि माता जीवित हों तो उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	मृत्यु के समय माता की आयु और मृत्यु का कारण	आपको कितनी बहनें जीवित हैं उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	आपकी कितनी बहनों की मृत्यु हो चुकी है, मृत्यु के समय उनकी आयु और मृत्यु का कारण
---	---	---	--	---	---	--	---

1

2

3

4

5

6

7

8

6. क्या इससे पहले किसी मेडिकल बोर्ड ने आपकी परीक्षा की ?
7. यदि ऊपर के प्रश्न के उत्तर 'हां' में हों तो बताइए किसी गवा/विद्वान् संघाओं में पद (पदों) के लिए आपकी परीक्षा की गई थी ?
8. परीक्षा लेने वाला प्राधिकारी कौन था ?
9. मेडिकल बोर्ड कब और कहाँ था ?

(a)

(b)

10. मेडिकल बोर्ड की परीक्षा का परिणाम यदि आपको बताया गया हो अथवा आपको मालूम हो ?

(a)

(b)

मैं घोषित करता हूँ कि जहाँ तक मेरा विश्वास है ऊपर दिए गए सभी जवाब सही और ठीक हैं।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर

मेरे सामने हस्ताक्षर किए

बोर्ड के अध्यक्ष के हस्ताक्षर

नोट :—उपरोक्त कथन की यथावत् के लिए उम्मीदवार जिम्मेदार होगा।

जान-बूझकर किसी सूचना को छिपाने से वह नियुक्ति से बैठने का अधिकार लेगा और यदि वह नियुक्त हो जाए तो वार्धक्य नियुक्ति भत्ता (सुपरएगुएशन अलाउंस) का आनुगोषिक (ग्रैजुएट) के सभी दावों से हाथ धीरे डेगा।

(ख) उम्मीदवार की शारीरिक परीक्षा से सम्बन्ध मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट :

(उम्मीदवारका नाम)

1. सामान्य विकास : अच्छा साधारण कम

पोषण : परतला धीमा मेटा

कदम (जैसे उतार कर) वजन

अत्युत्तम वजन

कदम था

वजन से कोई हानि ही में हुआ परिवर्तन

हाथगामन

छाती का घेरा

(1) पूरा सांस लीचने पर

(2) पूरा सांस निकालने पर

2. त्वचा कोई प्रत्यक्ष बीमारी

2. नेत्र

(i) कोई बीमारी

(2) स्तब्धी

- (3) वर्ण दर्शन संबंधी दोष

(4) दृष्ट क्षेत्र (फील्ड ऑफ विजन)

(5) दृष्ट तीक्ष्णता (विजुअल एक्विटी)

(6) फण्डस की जांच

चश्मे की प्रबलता

दृष्ट तीक्ष्णता

चश्मे के बिना चश्मे के साथ सहजी० चश्मे के बिना चश्मे के साथ सिवि

एस० पी० एस० सी० सीस

दूर की नजर

दा० ने०

बा० ने०

पास की नजर

दा० ने०

बा० ने०

हाईपरमेट्रोपिय

दा० ने०

बा० ने०

4. कान गिराक्षण सुनना
- बायाँ कान बायाँ कान

5. श्रुति धारदाइइ

6. दाँतों की हालत

7. श्वसन तंत्र (रेस्पिरेटरी सिस्टम) :—क्या शारीरिक परीक्षण करने पर सांस-के अंगों में किसी असमान्यता का पता चलता है।

यदि हाँ तो उसका पूरा ब्यौरा दें।

6. परिसंचरण तंत्र (श्रुतियुक्तेरी सिस्टम)

(क) हृदय : कोई आंगिक विकृत (आर्गेनिक लीजन) (बेग) (रेट)

खड़ होने पर

25 बार फुदकने के बाद

फुदकने के दो मिनट बाद

(ख) ब्लड प्रेशर जायस्टालिक	मिस्टालिक	सहायक कार्यकारी इंजीनियर तथा सहायक इंजीनियर, (पी. एण्ड टी. बोर्ड) सिविल इंजीनियरी स्कंध इंजीनियरी के पद पर इंड "क" (डब्ल्यू. पी. तथा सी. स्कंध मॉनीटर संगठन), आई. बी. एस. आई. एन. ए. एस. ग्रैंड "क" बी. आर. ई. एस. ग्रैंड "क" ।
9. उषर (पेट) घेर (टेंडरनेस) हृनिया (क) स्पर्शयुक्त तिल्ली गुर्दा इयूमर्स (ख) रक्तार्ण भगन्दर	स्पर्शसह्यता	

10. तंत्रिका तंत्र (नर्वस सिस्टम) : तंत्रिका या मानसिक अशक्तता का संकेत ।

11. चलन तंत्र (लोकमोटर सिस्टम) : कोई असामान्यता ।

12. जनन मूल तंत्र (जीनेटिक यूनिटरी सिस्टम) : हाइड्रो-सील, बीरकासील आदि का कोई संकेत । मूल निष्लेषण ।

(क) कैसा दिखाने पड़ता है ?

(ख) विविष्ट घनत्व (स्पेसिफिक ग्रेविटी)

(ग) एल्ब्यूमिन

(घ) शक्कर

(ङ) कास्ट

(च) केशिकाएं (सेल्स)

13. छाती की एक्सरे परीक्षा की रिपोर्ट ।

14. क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य में कोई ऐसी बात है जिसमें वह उस सेवा से सम्बद्ध जिसका वह उम्मीदवार है, इयूटी के दक्षतापूर्वक निभाने के लिए अयोग्य हो सकता है ?

नोट : यदि उम्मीदवार कोई महिला है और वह 12 सप्ताह या उससे अधिक समय से गर्भवती है तो उस विधिवत 9 के अनुसार अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा ।

15. निम्नलिखित 7 श्रेणियों में से उम्मीदवार का किस सेवा के लिए परीक्षण किया गया है तथा अपने कर्तव्यों को निभाया तथा के भली-भांती निभाने के लिए उन्हें किस सेवा के लिए पूरी तरह से सक्षम पाया गया है तथा उनमें से किन सेवाओं के लिए सक्षम नहीं पाया गया है :—

(1) रेल इंजीनियरी सेवा ग्रैंड "क" (मिचल, वंडरल, यांत्रिक तथा सिगनल) सी. ड. एस. ग्रैंड "क", सी. ई. एवं एम. ई. एस. ग्रैंड "क" ।

(2) आई. आई. एस. ग्रैंड "क", सी. डब्ल्यू. ड. एस. ग्रैंड "क", सी. पी. ड. एस. ग्रैंड "क" सी. ई. एस. सड़क ग्रैंड "क" ।

(3) सैन्य इंजीनियरी सेवा ग्रुप "क" रक्षा मंत्रालय के ई. एम. ई. कार में सहायक कार्यालयक इंजीनियर ग्रुप "क" तथा सहायक इंजीनियर ग्रुप "ख" एवं भारतीय सर्वेक्षण ।

ग्रैंड "क" तथा कार्यशाला अधिकारी ग्रैंड "क" तथा ग्रैंड "ख" ।

(4) आई. ओ. एफ. एस. (ग्रैंड क) ।

(5) डाक एवं तार विभाग में सहायक प्रबंधक (कार-खाना), ग्रैंड क ।

(6) आई. टी. एम. ग्रैंड "क" ।

(7) आई. आर. एस. एस. ग्रैंड "क" आई. एस. एस. ग्रैंड क,

नोट :—बोर्ड को अपना निष्कर्ष निम्नलिखित वर्गों में से किसी में रिकार्ड करना चाहिए ।

(1) योग्य (फिट) (2) के कारण अयोग्य (अनीफिट)
अध्यक्ष
भवस्थ

स्थान :

तारीख 3

परीक्षा—3

उक्त सेवाओं/पदों का संक्षिप्त विवरण जिसके लिए इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भर्ती की जा रही है

1. भारतीय रेल इंजीनियर सेवा भारतीय रेल विद्युत इंजीनियरी सेवा, भारतीय रेल सिगनल इंजीनियरी सेवा भारतीय रेल यांत्रिक इंजीनियरी सेवा और भारतीय रेल भंडार सेवा ।

(क) परीक्षा :—इन सेवाओं के लिए लिए गए भर्ती उम्मीदवार तीन वर्ष के लिए परीक्षा पर रहेंगे जिसमें उन्हें दो वर्ष का प्रशिक्षण लेना होगा तथा किसी कार्यकारी पद पर न्यूनतम एक वर्ष के लिए परीक्षा पर रहना होगा । यदि उक्त प्रशिक्षण की संतोषजनक रूप से पूरा न करने के कारण किसी रिथीस में प्रशिक्षण अर्द्ध को बताया पड़ा तो तदनंतर परीक्षा को कुल अर्द्ध भी देना ही जाएगी परीक्षा की अर्द्ध के दौरान भी यदि कार्यकारी

पद पर काम संतोषजनक नहीं पाया गया तो सरकार द्वारा परीक्षा की कुल अवधि को आवश्यकतानुसार बढ़ाया जा सकता है।

(ख) प्रशिक्षण :—समस्त परीक्षाधीन अधिकारियों को सेवा/पद विशेष के लिए निर्धारित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम अनुसार दो वर्ष की अवधि के लिए प्रशिक्षण लेना होगा। उन्हें इस अवधि के लिए उक्त प्रशिक्षण ऐसे स्थानों पर तथा इस प्रकार से लेना होगा और ऐसी परीक्षाएं उत्तीर्ण करनी होंगी जिन्हें समय-समय पर सरकार द्वारा निर्धारित किया जाए :—

(ग) नियुक्ति की समाप्ति :—

परीक्षा की अवधि के दौरान दोनों पक्षों में से किसी एक पक्ष की ओर से तीन महीने का सिविल नोटिस देकर परीक्षाधीन अधिकारियों की नियुक्ति समाप्त की जा सकती है। किन्तु संविधान के अनुच्छेद 311 के खंड (2) के उपबंधों के अनुसार की गई अनुशासनात्मक कार्रवाई के फलस्वरूप सेवा से बर्खास्तिगी और सेवा से हटाने के तथा मानसिक एवं शारीरिक नक्षमता के फलस्वरूप अनिवार्य सेवा निवृत्ति के मामलों में ऐसा नोटिस देना आवश्यक नहीं होगा किन्तु सरकार को तत्काल सेवाएं समाप्त करने का अधिकार है।

(1) यदि सरकार की राय में किसी परीक्षाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण असंतोषजनक रहे या उसके कार्यकुशल बनाने की संभावना न हो तो सरकार उसे तत्काल सेवा मुक्त कर सकती है।

(2) विभागीय परीक्षाएं उत्तीर्ण न करने पर सेवाएं समाप्त की जा सकती हैं। परीक्षा की अवधि के दौरान अनुमोदित स्तर की हिन्दी में परीक्षा उत्तीर्ण न करने पर सेवाओं को समाप्त किया जा सकता है।

(घ) स्थायीकरण :—परीक्षा की अवधि को संतोषजनक रूप से पूरा करने तथा सभी निर्धारित विभागीय और हिन्दी परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने के फलस्वरूप तथा नियुक्ति के लिए सभी दृष्टियों से योग्य समझे जाने पर परीक्षाधीन अधिकारियों को उक्त सेवा के कनिष्ठ वेतनमान में स्थायी कर दिया जाएगा।

(ङ) वेतनमान :—

(1) कनिष्ठ वेतनमान :—रुपए 8000-275-13500

(2) वरिष्ठ वेतनमान :—10000-325-15200

(3) कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड :—रुपए 12000-375-16500

(4) वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड :—रु. 18400-500-22400

इसके अतिरिक्त रुपए 18400 तथा 26000 के वेतन के बीच के सुपरग्राइड वेतनमान वाले पद भी जिनके लिए उपयुक्त सेवाओं के अधिकारी पात्र हैं।

परीक्षाधीन अधिकारी कनिष्ठ वेतनमान के न्यूनतम वेतन से प्रारम्भ करेंगे तथा उस समय वेतनमान में अवकाश पेंशन तथा वेतन वृद्धियों के लिए परीक्षा पर विताई गई अवधि को गिनने की अनुमति होगी।

मंहगाई तथा अन्य भत्ते सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार प्राप्त होंगे।

परीक्षा की अवधि के दौरान विभागीय तथा अन्य परीक्षाओं को उत्तीर्ण न करने पर वेतन वृद्धियों को रोकना या स्थगित किया जा सकता है।

(च) प्रशिक्षण व्यय लौटाना :—यदि किसी कारणवश जो सरकार की राय में परीक्षाधीन अधिकारी के तत्त्वज्ञान से बाहर नहीं है, कोई परीक्षाधीन अधिकारी प्रशिक्षण अथवा परीक्षा से अपना नाम वापस लेना चाहता है तो उस परीक्षा की अवधि के दौरान दिए गए प्रशिक्षण का पूरा व्यय और अन्य धनराशियां को वापस करना होगा। इस प्रयोजन के लिए परीक्षकों से एक बंध-पत्र की अपेक्षा की जाएगी जिसकी एक प्रति उनके नियुक्ति प्रस्ताव के साथ संलग्न की जाएगी। किन्तु जिन परीक्षा अधिकाधिकारियों को भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय विदेश सेवा आदि में नियुक्ति हेतु परीक्षा के लिए आवेदन करने हेतु अनुमति दी जाती है उन्हें प्रशिक्षण के व्यय को वापस नहीं करना होगा।

(छ) छुट्टी :—उक्त सेवा के अधिकारी समय-समय पर लागू छुट्टी नियमावली के अनुसार छुट्टी के पात्र होंगे।

(ज) चिकित्सा सुविधा :—अधिकारी समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार चिकित्सा सुविधा एवं उपचार कराने के पात्र होंगे।

(झ) पास तथा विशेषाधिकार टिकट :—अधिकारी समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार निःशुल्क रेलवे पास तथा विशेषाधिकार टिकटों के पात्र होंगे।

(ञ) भविष्य निधि तथा पेंशन :—उक्त सेवा के लिए भर्ती किए गए उम्मीदवार रेलवे पेंशन नियमावली द्वारा शासित होंगे और समय-समय पर लागू उस निधि नियमों के अन्तर्गत राज्य रेलवे भविष्य निधि (गैर-अंशदायी) में अंशदान करेंगे।

(ट) उक्त सेवाओं/पदों के लिए भर्ती किए गए उम्मीदवारों को भारत या भारत से बाहर किसी भी रेलवे या परियोजना पर कार्य करना पड़ सकता है।

(ठ) रक्षा सेवाओं में सेवा करने का दायित्व :—यदि आवश्यकता हुई तो नियुक्त किए गए परीक्षाधीन अधिकारियों को भारत की रक्षा सम्बन्ध किसी प्रशिक्षण पर विताई गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बन्ध पद पर कार्य करना होगा।

किन्तु उस व्यक्ति को :-

(क) नियुक्ति की तारीख से 10 वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा ।

(ख) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा ।

2. केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप क

और

केन्द्रीय विद्युत तथा यांत्रिकी इंजीनियरी सेवा ग्रुप क

(क) चुने हुए उम्मीदवारों को दो वर्ष के लिए परीक्षा पर नियुक्त किया जाएगा । परीक्षा की अवधि के दौरान उन्हें निर्धारित विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी । परीक्षा सन्तोषजनक रूप से पूरी कर लेने पर उनके स्थायी करने / कार्य करते रहने पर विचार किया जाएगा । परीक्षा की दो वर्ष की अवधि सरकार द्वारा बढ़ाई जा सकती है ।

परीक्षा की अवधि या परीक्षा की कोई बड़ी हुई अवधि समाप्त हो जाने पर यदि सरकार की यह राय है कि अधिकारी स्थायी/नियोजन/वरकरारी के उपयुक्त नहीं है, या परीक्षा की इस अवधि या परीक्षा की बड़ी हुई अवधि के दौरान किसी समय सरकार इस बात से सन्तुष्ट हो जाए कि अधिकारी स्थायी नियोजन वरकरारी के लिए उपयुक्त नहीं रहेगा तो इस अवधि या बड़ी हुई अवधि के समाप्त हो जाने पर सरकार उक्त अधिकारी को कार्य मजत कर सकती है या जो ठीक समझे वह आदेश पारित कर सकती है ।

(ख) जैसी कि इस समय स्थिति है, केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप क में नियुक्त सभी अधिकारी, सहायक कार्यपालक इंजीनियर के उच्चतर ग्रेड में 5 वर्ष की सेवा पूरी कर लेने के बाद अगले ऊंचे ग्रेड अर्थात् कार्यपालक इंजीनियर के रूप में पदोन्नति के पात्र होंगे बशर्ते कि रिक्तियां उपलब्ध हों और वे ऐसी पदोन्नति के अन्यथा योग्य पाए जाएं ।

(ग) इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त किसी भी व्यक्ति को भारत की रक्षा में सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर तैनात नहीं अधि (यदि कोई है) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा में सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति को :-

(1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा, और

(2) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा ।

(घ) वेतन की प्राप्ति वर में निम्न प्रकार :-

पद	वेतनमान
(1) कनिष्ठ समय वेतनमान (सहायक कार्यपालक इंजीनियर)	र० 8000-275-13500
(2) वरिष्ठ समय वेतनमान (कार्यपालक इंजीनियर)	र० 10000-325-15200
(3) कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (अधीक्षक इंजीनियर)	र० 12000-375-16500
क. सामान्य ग्रेड	र० 14300-400-18300
ख. चयन ग्रेड	र० 18400-500-22400
(4) वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (चीफ इंजीनियर)	
(5) सुपर टाइम स्केल अपर महानिदेशक	र० 22400-525-24500
महानिदेशक (डब्ल्यू०)	र० 26000 नियत (ये पद सभी तीन विषयों अर्थात् सिविल, इलेक्ट्रिकल और यांत्रिक तथा वास्तु इंजीनियरों के लिए समान हैं) ।

नोट :- जो सरकारी कर्मचारी परीक्षाधीन अधिकारी के रूप में अपनी नियुक्ति से पहले आवधिक पद के अधवा किसी स्थायी पद पर मूल रूप से कार्य कर चुका हों उसका वेतन एफ. आर. 22(बी) (1) के अनुसार विनियमित किया जाएगा ।

(क) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप (क) और केन्द्रीय विद्युत और यांत्रिक इंजीनियरी सेवा ग्रुप (क) के पदों से सम्बन्धित कर्तव्यों तथा उत्तरदायित्वों का स्वरूप :-

1. केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (ग्रुप क)

इंजीनियरी सेवा परीक्षा के माध्यम से सेवा में भर्ती हुए उम्मीदवार केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में विभिन्न प्रकार की सिविल निर्माण (केन्द्रीय सरकार) के जिसमें आवासीय भवन, कार्यालय, भवन सदन संस्था तथा अनुसंधान केन्द्र, औद्योगिक भवन, अस्पताल को भूमि की विकास योजना, हवाई अड्डे, महामार्ग तथा पूल आदि सम्मिलित हैं, आयोजन अभिकल्पन निर्माण और रख-रखाव के कार्य पर लगाए जाते हैं । इस विभाग में उम्मीदवार अपनी सेवा सहायक कार्यपालक इंजीनियर स्तर के रूप में शुरू करते हैं और अपनी सेवा करते-करते पदोन्नत होकर विभाग के विभिन्न वरिष्ठ ओहवों पर पहुँच जाते हैं ।

2. केन्द्रीय विद्युत और यांत्रिक इंजीनियरी सेवा (ग्रुप क)

इंजीनियरी सेवा परीक्षा के माध्यम से इस सेवा में भर्ती हुए उम्मीदवार केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में विभिन्न प्रकार के सिविल निर्माण (केन्द्रीय सरकार) के विद्युत घटकों के जिसमें विद्युत संस्थान इलेक्ट्रिकल सब-स्टेशन तथा पावर हाउस, वाता-नुकूलन तथा प्रशीतन, हवाई अड्डों की रनवे लाइटिंग,

यांत्रिक कर्मशालाओं का परिवर्तन, निर्माण मशीनरी की प्राप्ति तथा रख-रखाव आदि सम्मिलित है। अद्यतन, अभिकल्पन निर्माण और रख-रखाव में कार्य लगाए जाते हैं। इस विभाग में उम्मीदवार अपनी सेवा सहायक कार्यपालक इंजीनियरी के रूप में शुरू करते हैं और अपनी सेवा करने-करने में पदोन्नत होकर विभाग में विभिन्न दृष्टि ओहदों पर पहुँच जाते हैं।

3. सेवा इंजीनियरी सेवा (ग्रुप क)

(क) चुने हुए उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर नियुक्त किया जाएगा। परीक्षाधीन अधिकारी को अपनी परीक्षा की अवधि के दौरान सरकार द्वारा निर्धारित तथा भाषा सम्बन्धी परीक्षा उत्तीर्ण करनी पड़ सकती है। यदि सरकार की राय में किसी परीक्षाधीन अधिकारी का कार्य तथा आचरण असंतोषजनक रहा है या ऐसा अभ्यास होता है कि उसके कुशलता प्राप्त करने की सम्भावना नहीं है अथवा यदि परीक्षाधीन अधिकारी उक्त अवधि के दौरान निर्धारित परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर पाता है तो सरकार उसे कार्यमुक्त कर सकती है। परीक्षा की अवधि पूरी होने पर सरकार उसे नियुक्ति पर स्थायी कर सकती है या यदि सरकार की राय में उसका कार्य तथा आचरण असंतोषजनक रहा है तो सरकार उसे कार्यमुक्त कर सकती है या उसकी परीक्षा की अवधि इससे बढ़ा सकती है जिससे वह ठीक समझे।

उम्मीदवार को दो वर्षों की परीक्षा की अवधि के दौरान एम. ई. एस. प्रोसीजर सूपरिन्टेण्डेन्ट्स जी. आर. एण्ड ई. एम. ग्रेड-1, एग्जिमिनेशन तथा हिन्दी परीक्षा उत्तीर्ण करने होंगे। हिन्दी परीक्षा का स्तर प्राइम (मैट्रिकुलेशन स्तर के समकक्ष) का होगा।

(ख) (1) चुने हुए उम्मीदवारों को यदि आवश्यकता पड़ी तो सशस्त्र सेवा में कमीशन प्राप्त अधिकारियों के रूप में किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि यदि कोई है, सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए कार्य करना होगा किन्तु ऐसे उम्मीदवारों को :—

- (1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।
- (2) साधारणतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।
- (3) उम्मीदवारों पर एम. आर. ज. नं. 92 दिनांक 9 मार्च, 1957 के अन्तर्गत प्रकाशित 1957 के सिविलियन इन डिफेंस सर्विस (फोल्ड लाइविलिटी) रूलस को अनुसार उम्मीदवारों की चिकित्सा परीक्षा की जाएगी।

(ग) ग्राह्य ध्वन की दरें निर्धारित हैं :—

- (क) सहायक कार्यकारी इंजीनियर/
सहायक निर्माण सर्वेक्षक
र० 8000-275-13500

(ख) कार्यकारी इंजीनियर/
निर्माण सर्वेक्षक

र० 10000-325-15200

(ग) अधीक्षक इंजीनियर
(साधारण ग्रेड)
अधीक्षक निर्माण
सर्वेक्षक (साधारण ग्रेड)
र० 12000-375-16500

(घ) अधीक्षक इंजीनियर
(चयन ग्रेड)
अधीक्षक निर्माण सर्वेक्षक
(चयन ग्रेड)
र० 14300-400-18300

(ङ) अपर मुख्य अभियंता—
र० 14300-400-18300
प्रतिमास का विशेषवेतन

(च) मुख्य अभियंता/
मुख्य निर्माण सर्वेक्षक
र० 18400-500-22400

(छ) अपर महानिदेशक (निर्माण)
र० 22400-525-24500

4. भारतीय आयुध कारखाना सेवा (ग्रुप क)

(क) चुने हुए उम्मीदवार दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर नियुक्त किए जाएंगे। सरकार महानिदेशक, आयुध कारखाना अध्यक्ष आयुध कारखाना बोर्ड की सिफारिश पर परीक्षा की अवधि बढ़ा या बढ़ा सकती है। परीक्षाधीन व्यक्ति को सरकार द्वारा यथाविहित विभागीय तथा भाषा परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी। भाषा के परीक्षण का हिन्दी में परीक्षण होगा।

सरकार द्वारा परीक्षित की अवधि पूरी हो जाने पर अधिकांश को उसकी नियुक्ति पर स्थायी कर दिया जाएगा। किन्तु परीक्षा की अवधि के दौरान या अवधि की समाप्ति पर यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण असंतोषजनक रहा है तो सरकार उसको कार्यमुक्त कर सकती है या उसकी परीक्षा अवधि जिससे ठीक समझे और बढ़ा सकती है।

- (ख) (1) चुने हुए उम्मीदवारों को यदि आवश्यकता पड़ी तो सशस्त्र सेवा में कमीशन प्राप्त अधिकारियों के रूप में किसी परीक्षण पर बिताई गई अवधि, यदि कोई है, सहित कम से कम नार वर्ष की अवधि के लिए कार्य करना होगा। किन्तु उस व्यक्ति को (1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा और (2) साधारणतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(2) सम्मिलित पर एस. आर. जो. नं. 92 दिनांक 9 मार्च, 1957 के अधीन प्रकाशित 1957 सिविलियन एन टि. वि. सर्विस (ऑन-जॉब प्रमोशन) नियम भी लागू होंगे। उनमें निर्धारित विधिकता तब तक अंग्रेजी/उत्तरीय भाषा की चिकित्सा परीक्षा को लागू।

(ग) निम्नलिखित वेतनमान श्रेय हैं :—

कनिष्ठ समय वेतनमान—8000-275-13500

वरिष्ठ समय वेतनमान—रु. 10000-325-15200

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (सामान्य ग्रेड)—रु. 12000-375-16500

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (उच्च ग्रेड)—रु. 14300-400-18300

वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड—रु. 18400-500-22400

वरिष्ठ जनरल मैनेजर—रु. 22400-525-24500

अतिरिक्त महानिदेशक, आयुध कारखाना/सदस्य, आयुध, कारखाना बोर्ड—रु. 22400-600-26000

महानिदेशक आयुध कारखाना/अध्यक्ष आयुध कारखाना, बोर्ड—रु. 26000

टिप्पणी :—जो सरकारी कर्मचारी परीक्षाधीन अधिकारी के रूप में अपनी नियुक्ति से पहले प्राथमिक पद के अलावा किसी स्थायी पद पर मूल रूप से कार्य कर चुका है उसका वेतन रक्षा मंत्रालय के समय-समय पर संशोधित का.ज. सं. 15(6)/64/डी (एपाइन्टमेंट्स)/1051/डी. (सी. 41) दिनांक 25 नवम्बर 1965 के उपबंधों के अधीन विधिवत किया जाएगा।

(ह) परीक्षाधीन अधिकारियों को पुरानी/नयापुर फाउण्डेशन कोर्स करना होगा।

(ड) इस प्रकार भर्ती हुए परीक्षाधीन अधिकारियों को सेवा प्रारम्भ करने से पहले एक वेतनमान भरेगा होगा।

5. भारतीय दूर संचार (ग्रुप क)

(क) दो वर्ष की अवधि के लिए नियुक्ति परीक्षा पार की जाएगी। सरकार की राय से परीक्षाधीन अधिकारियों का कार्य तथा आचरण अर्थात् असांख्यजनक है या उसे यह आशय होता है कि उनके कुशलता प्राप्त करने की संभावना नहीं है। तो सरकार उसे वेतनमान कार्यभार कर सकती है। परीक्षाधीन अवधि पूरी हो जाने पर सरकार उसे अपने नियुक्ति पर स्थान दे सकती है या भीत करवा सकती है।

उसका कार्य अथवा आचरण असांख्यजनक रहा है तो सरकार उसे वेतनमान कर सकती है या जिसकी ठीक समझे उसी अवधि के लिए उसकी परीक्षा की अवधि बढ़ा सकती है।

परीक्षा की अवधि के दौरान जो भी विभागीय परीक्षा या परीक्षाएं निर्धारित की जाएं, अधिकारियों को उत्तीर्ण करनी होंगी। उनको स्थायी किए जाने से पहले हिन्दी के परीक्षण भी उत्तीर्ण करने होंगे।

(ख) अधिकारियों को व्यवसाय तथा भाषा संबंधी परीक्षा भी उत्तीर्ण करने होंगे।

(ग) इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्ति किसी भी व्यक्ति को यदि आवश्यकता पड़ी तो भारत की रक्षा से संबंधित किसी परीक्षण पर विचारित गई अवधि, यदि कोई हो, सीमित कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या अंग्रेजी की रक्षा से संबंधित पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति को :—

(1) नियुक्ति की तारीख से कम वर्ष की सम्पत्ति के साथ पंजीकृत रूप से कार्य करना होगा।

(2) साधारणतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पंजीकृत रूप से कार्य नहीं करना होगा।

(घ) निम्नलिखित वेतनमान श्रेय हैं :—

(1) कनिष्ठ समय वेतनमान—रु. 8000-275-13500/-

(2) वरिष्ठ समय वेतनमान—रु. 10000-325-15200/-

(3) कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड—रु. 12000-375-16500/-

(4) उच्च ग्रेड—रु. 14300-400-18300/-

(5) वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड—रु. 18400-500-22400/-

(6) सी. जी. एम. ग्रेड—रु. 22400-525-24500/-

(7) सहायक ग्रेड—रु. 22400-600-26000/-

(8) अधिकारियों तथा संलग्न अधिकारियों के मतों के लिए निम्नलिखित नियम लागू होंगे तथा यह आशय होगा कि नियम के अन्तर्गत कार्य करना होगा—रु. 26000/-

नोट :— जो सरकारी कर्मचारी परीक्षाधीन अधिकारी के रूप में अपनी नियुक्ति से पहले आवधिक पद के अलावा किसी स्थायी पद पर मूल रूप से कार्य कर चुका हो उनका वेतन एफ. आर. 22 बी (1) के उपबंध के अधीन विनियमित किया जाएगा।

भारतीय दूर संचार सेवा ग्रुप 'क' के अधीन कनिष्ठ वेतनमान में यदि किसी अधिकारी का स्थानापन्न वेतन रु. 8550/- या इससे अधिक है तो वह तब तक वेतनवृद्धि प्राप्त नहीं करेगा जब तक विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण न कर सके।

(क) भारतीय दूर संचार सेवा ग्रुप के पदों से सम्बन्ध कर्तव्य तथा उत्तरदायित्व।

सहायक डिजीनल इंजीनियर

सहायक डिजीनल इंजीनियर टेलीग्राफ/टेलीफोन इंजीनियरी सब डिवाजन, कैरियर, बी. एफ. टी. की एक्सीजल माइक्रो-वेव, लॉग डिस्टेंस इलेक्ट्रिक तथा वायरलेस स्टेशन के इन्चार्ज होंगे और सामान्यतः डिजीनल इंजीनियर के अधीन कार्य करेंगे। वे विभिन्न दूर संचार निमाण के संस्थापन परियोजना संगठन से भी जुड़े रहेंगे।

डिजीनल इंजीनियर

डिजीनल इंजीनियर को टेलीग्राफ/टेलीफोन इंजीनियरी डिवाजन जिसमें लॉग डिस्टेंस कर्मावलीयत माइक्रोवेव, गैर-जोय डिवाजन तथा वायरलेस डिजीनल शामिल हैं, का प्रभारी बनाया जाता है। वे अपने प्रभार में रहने वाले टेलीग्राफों तथा टेलीफोनों के उपकरणों के रख-रखाव के लिये जिम्मेदार होंगे तथा अपने डिजीनल में रख करके कार्य करेंगे, जहाँ किसी-किसी अधिकारी इंजीनियरी/परियोजना संगठन पर तबसे आते हैं तो उन्हें यंत्र में निमाण/संस्थापन कार्य करना होगा।

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड

दूर संचार संचालन और टेलीफोन डिपार्टमेंट में दूर संचार सम्बन्धी परियोजनाओं के प्रशासन और दूर संचार संस्थाओं के प्रशासन तथा आयोजन के लिये दूर संचार प्रशासकीय अंग में अनुसंधान और विकास के लिये नियुक्त हैं। वे माइक्रो टेलीफोन डिपार्टमेंट दूर संचार संचालन, आदि के लिये भी पूरी तरह जिम्मेदार हैं।

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड एवं सी. जी. एम. ग्रेड

दूर संचार संचालन/टेलीफोन डिपार्टमेंट में दूर संचार दूर संचार अंतरिक्ष क्षेत्र का प्रभार, जो कार्यभार में सम्मिलित पदों नज़र से संबंध प्रशासन करने के लिये जिम्मेदार होगा। उप-सहायक निदेशक दूर संचार आयोजन, दूर संचार आयोजन की सीध में नियुक्त होंगे तथा माइक्रो प्रशासन करने में उत्कृष्ट योग्यता प्रदान करेंगे। निम्न उप-सहायक निदेशक दूर संचार इंजीनियरी क्षेत्र के अनुसंधान संबंधी समय कार्यकलापों के लिये जिम्मेदार होंगे।

परामर्शदाता ग्रेड

भारत सरकार के अपर सचिव के रैंक में मुख्यतः कार्मिक सम्बन्धी नीतियां तैयार करने के लिये उत्तरदायी : स्थानीय तथा दूरदर्शी दोनों प्रकार के दूर संचार नेटवर्क का संचालन और रख-रखाव; फिल्ड यूनिटों की आवश्यक उपकरणों की आपूर्ति/परियोजनाओं और उत्पादन का समय पर अनुसंधान सुनिश्चित करके फिल्ड यूनिटों द्वारा वार्षिक योजना का क्रियान्वयन सुनिश्चित करना तथा दूरसंचार के क्षेत्र में नई प्रौद्योगिकियों का मूल्यांकन और उनका समावेश करना।

6. केन्द्रीय जल इंजीनियरी (ग्रुप 'क') सेवा

(1) केन्द्रीय जल इंजीनियरी ग्रुप 'क' सेवा में महायक निदेशक/सहायक कार्यपालक इंजीनियर के पदों पर भर्ती हुए व्यक्ति को वर्ष की अवधि के लिये परीक्षा पर रहेंगे।

किन्तु सरकार, आवश्यक होने पर, दो वर्ष की उक्त अवधि अधिक से अधिक एक वर्ष तक और बढ़ा सकती है।

यदि परीक्षा की उपर्युक्त या बड़ी हुई अवधि, जैसी भी निर्धारित हो, समाप्त होने पर सरकार की यह राय हो कि तत्कालीन स्थिति निर्धारण के लिये उपयुक्त नहीं है या परीक्षा की इस अवधि या बड़ी हुई अवधि के दौरान सरकार संतुष्ट हो जाए कि वह स्थिति निर्धारण के लिये उपयुक्त नहीं रहेगा तो इस अवधि या बड़ी हुई अवधि को समाप्त हो जाने पर सरकार उक्त अधिकारियों को कार्यभार कर सकती है या उनको उसके मूल पद पर प्रत्यावर्तित कर सकती है या जो ठीक समझे वह आदेश पारित कर सकती है।

परीक्षा की अवधि के दौरान सरकार तत्कालीन से प्रशिक्षण का ऐसा कोई कार्य करने और एसी परीक्षा तथा परीक्षण कराने को कर सकती है जिससे वह परीक्षा की स्फल परी की एक स्ल रूप में ठीक समझे।

(2) इस प्रौद्योगिकता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त किसी भी व्यक्ति को यदि आवश्यकता पड़े तो भारत की रक्षा में सम्बन्ध किसी प्रशिक्षण पर नियुक्त गये अवधि की अवधि है, सीधे तब से कम बार वर्ष की अवधि के लिये किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा में सम्बन्ध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति को :—

(क) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के क्षण पूर्ववर्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ख) साधारणतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्ववर्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(3) सहायक निदेशक/सहायक कार्यपालक इंजीनियर के पद पर नियुक्त अधिकारी नियुक्ति के लिये परी करने के लिये उप-निदेशक/कार्यपालक इंजीनियर अधीक्षक, इंजीनियर/निदेशक (माध्यम ग्रेड) निदेशक/अधीक्षक इंजीनियर (कम ग्रेड) मुख्य इंजीनियर (स्तर 2) में होंगे। (स्तर-1) में सहायक अध्यक्ष सी.

डब्ल्यू. सी. के उच्चतर श्रेणी में पदोन्नति की उम्मीद कर सकते हैं।

(4) केन्द्रीय जल इंजीनियरी ग्रुप 'क' सेवा में इंजीनियरी पदों के ग्रुप 'क' के लिए वर्तमान निम्न प्रकार हैं :—

केन्द्रीय जल इंजीनियरी ग्रुप 'क' सेवा में सिविल और यांत्रिक पद

1. सहायक निदेशक/सहायक कार्यकारी इंजीनियर—
रु. 8000—275—13500।
2. उपनिदेशक/कार्यकारी इंजीनियर—रु. 10000—
325—15200।
3. अधीक्षक/निदेशक इंजीनियर (साधारण ग्रेड)—रु.
12000—375—16500।
4. निदेशक/अधीक्षक इंजीनियर (चयन ग्रेड)—रु.
14300—400—18300।
5. मुख्य इंजीनियर—रु. 18400—500—22400।
6. सहायक सी. डब्ल्यू. सी./अध्यक्ष, जी. एफ. सी.
सी.—रु. 22400—525—24500।
7. अध्यक्ष सी. डब्ल्यू. सी.—रु. 26000 (नियत)।

(5) केन्द्रीय जल इंजीनियरी (ग्रुप 'क') सेवा में पदों से संबंधित कर्तव्यों और दायित्वों का स्वरूप।

सहायक निदेशक (सिविल और यांत्रिक)

सिंचाई, नौचालन, विद्युत, घरेलू जल आपूर्ति, बाढ़ नियंत्रण और अन्य प्रयोजनों के विकास हेतु जल साधनों के संरक्षण तथा विनियमन के लिए आकलन, रिपोर्ट आदि तैयार करने सहित परियोजनाओं की योजना सर्वेक्षण अन्वेषण तथा अभिकल्पना।

सहायक कार्यकारी इंजीनियरी (सिविल तथा यांत्रिक)

उनको आर्कटिक्ट उपमण्डल या अन्य एककों के निर्माण कार्य के लिए वे जिम्मेदार होंगे। उन्हें अपने प्रभार के अधीन रोकड़ तथा भंडारों का लेखा-जोखा रखना होगा तथा परीक्षा रूप में उपमण्डल में प्रत्येक कार्य की प्रगति के लिए कुछ आनुषंगिक कार्यों को भी देखना होगा। विहित नियमों आदि के अनुसार वे अपने प्रभार के अधीन माफ बिहियों मस्टर रोल तथा अन्य अभिलेखों के सही रख-रखाव के लिए जिम्मेदार होंगे।

7. केन्द्रीय विद्युत इंजीनियर (ग्रुप क) सेवा

(1) संगठन का विवरण

विद्युत (आपूर्ति) अधिनियम, 1948 की धारा (3) (1) के अधीन केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण संगठित किया गया था और इसका दायित्व राष्ट्रीय विद्युत साधनों के नियंत्रण तथा उपयोग के संबंध में योजना अभिकरणों के कार्यक्रमों में समन्वय करने के लिए एक सुदृढ़ पर्याप्त और एकरूप विद्युत नीति का विकास करना है। देश की सभी विद्युत योजनाओं (उत्पादन संरक्षण वितरण और विशुद्ध आपूर्ति का उपयोग) की संभावना

तकनीकी विश्लेषण, आर्थिक व्यवहार्यता आदि के सम्बन्ध में यह सुनिश्चित करने के लिए केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में परीक्षा की जाती है कि वे योजनाएं राष्ट्रीय तथा क्षेत्रों के समस्त विकास के लिए उपयुक्त होंगी और सब प्रकार से राष्ट्रीय अर्थ-व्यवस्था के अनुरूप होंगी। इस संगठन का राष्ट्रीय अर्थ-व्यवस्था के विकास और विद्युत को इसकी मुख्य गतिदायी शक्ति प्रदान करने में महत्वपूर्ण स्थान है।

(2) उस ग्रेड का विवरण जिसके लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित इंजीनियरी सेवा परीक्षाओं के माध्यम से भर्ती की जाती है। रु. 8000-13500 के वर्तमान के सहायक निदेशक, (ग्रेड-1) सहायक प्राधिकारी इंजीनियर के ग्रेड में पचास प्रतिशत रिक्तियां संघ लोक सेवा आयोग द्वारा वार्षिक आधार पर ली गई इंजीनियरी सेवा परीक्षा के परिणामों के आधार पर भरे जाते हैं।

केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (ग्रुप क) में सहायक निदेशक (ग्रेड-1) सहायक कार्यकारी इंजीनियर के पद पर नियुक्त किए गए व्यक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षाधीन रहेंगे किन्तु जहां आवश्यक हो वहां सरकार उक्त दो वर्षों की अवधि के अतिरिक्त अवधि बढ़ा सकती है जो कि एक वर्ष से अधिक नहीं होगी।

यदि उपर्युक्त परीक्षा अवधि या उसकी बढ़ाई गई अवधि जैसी भी स्थिति हो, की समाप्ति होने के बाद सरकार यह समझे कि कोई उम्मीदवार स्थायी नियुक्ति के योग्य नहीं है अथवा ऐसी परीक्षा की अवधि या बढ़ाई गई अवधि के दौरान किसी भी समय वह इस बात से संतुष्ट हो कि उक्त उम्मीदवार ऐसी परीक्षा अवधि या बढ़ाई गई अवधि की समाप्ति के बाद स्थायी नियुक्ति के योग्य नहीं होगा तो वह उसे सेवा मुक्त कर सकती है या उसके स्थायी पद पर प्रत्यावर्तित कर सकती है या ऐसे आदेश पारित कर सकती है जैसा वह उचित समझे।

परीक्षा की अवधि के दौरान उम्मीदवारों को ऐसा प्रशिक्षण लेना होगा तथा अनुसंधान का पालन करना होगा तथा ऐसी परीक्षाएं उत्तीर्ण करनी होंगी जो सरकार द्वारा परीक्षा की अवधि की संतोषजनक रूप से पूरा करने की शर्त के रूप में निर्धारित की जाए।

यदि आवश्यकता हुई तो इस प्रतिभांगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त किए गए किसी भी व्यक्ति को भारत की रक्षा से सम्बन्ध किसी प्रशिक्षण पर विताई गई अवधि। (यदि कोई हों) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बन्ध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस अवधि में व्यक्ति को—

(क) नियुक्ति की तारीख से 10 वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा, और

(ख) सामान्यतः (40 वर्ष) की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा।

(3) उच्चतर ग्रेडों के लिए पदोन्नति

सहायक निदेशक (ग्रेड-1) सहायक कार्यपालक इंजीनियर के पदों पर नियुक्ति अधिकारी समय-समय पर यथा संशोधित केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (ग्रुप 'क') सेवा नियमावली, 1956 में निर्धारित शर्त पूरी करने के बाद उन्हें ग्रेडों अर्थात् उप-निदेशक कार्यपालक इंजीनियर, निदेशक अधीक्षक इंजीनियर (साधारण ग्रेड) निदेशक अधीक्षक इंजीनियर (चयन ग्रेड), उप मुख्य इंजीनियर, मुख्य इंजीनियर, के रूप में नियुक्ति के पात्र हों बशर्ते कि सम्बद्ध ग्रेड में नियुक्तियां उपलब्ध हों।

(4) वेतनमान

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में केन्द्रीय विद्युत इंजीनियर (ग्रुप 'क') के सेवा के पदों पर वेतनमान निम्नलिखित हैं :—

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में विद्युत शक्ति और दूरसंचार से संबंधित पद :—

क्र. सं.	पद का नाम	वेतनमान
1	2	3
1.	सहायक निदेशक (ग्रेड-1) सहायक कार्यकारी इंजीनियर	रु० 8 000-275-13500
2.	उप निदेशक कार्यकारी इंजीनियर	रु० 10000-325-15200
3.	नान-फंक्शनल कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड	रु० 12000-375-16500
4.	निदेशक/अधीक्षक इंजीनियर	रु० 14300-400-18300
5.	मुख्य इंजीनियर सदस्य-सचिव	रु० 18400-500-22400

(5) कर्तव्य और बाधित्व

सहायक निदेशक (ग्रेड-1) सहायक कार्यकारी इंजीनियर के पदों पर संबद्ध कर्तव्यों के और बाधित्वों के स्वरूप इस प्रकार हैं :—

विद्युत विकास के क्षेत्रों का विविध प्रकार की समस्याओं से संबंध अपेक्षित तकनीकी तथ्यों का संग्रह, संकल्प और परस्पर संबंध उन्हें इनसे संबंधित मामलों को भी निपटाना है जिसमें हाइड्रो तथा थर्मल पावर परियोजनाओं की स्थापना, संचालन अनुरक्षण तथा विद्युत योजनाओं परियोजनाओं अभिकलाओं आदि के तैयार करने में सहायता देते हुए उनको संरचना तथा वितरण विद्युत प्रणालियों की परियोजनाओं रिपोर्टों का अध्ययन करना सम्मिलित है। क्षेत्र एककों में कार्य करते हुए वे उप मंडल या उनको आर्बिट्रल अन्य कार्यों के लिए उत्तरदायी होंगे।

8. इंजीनियर ग्रुप-क वायरलेस योजना और सम्बद्ध स्कन्ध/अनुश्रवण संगठन, संचार मंत्रालय (दूर संचार विभाग)।

(क) वेतनमान रु. 8000-275-13500/-

(ख) ग्रेड में पांच वर्ष की सेवा करने के बाद इंजीनियरी के पदधारी सहायक वायरलेस सलाहकार, वायरलेस योजना और संगन्ध। स्कन्धों इंजीनियर प्रभारी अनुश्रवण संगठन (वेतनमान रु. 10000-325-15200/- तथा संगठन वायरलेस सलाहकार के पद के लिए प्रतिभाग विशेष वेतन) के ग्रेड में रिक्तियों पर 100 प्रतिशत पदोन्नति के पात्र हों। सहायक वायरलेस सलाहकार इंजीनियर प्रभारी के ग्रेड में उनका पदोन्नति ग्रुप के पदों के लिए संगठन की गई विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसाओं पर उनके चयन के आधार पर की जाएगी।

सहायक वायरलेस सलाहकार इंजीनियर प्रभारी ग्रेड में 5 वर्ष की सेवा करने वाले सभी सहायक वायरलेस सलाहकार और इंजीनियर प्रभारी उप वायरलेस सलाहकार उप निदेशक (वेतनमान रु. 12000-375-16500) के पद पर पदोन्नति के लिए विचार किए जाने में पात्र हों। उप वायरलेस सलाहकार उप निदेशक के ग्रेड में रिक्तियों ग्रुप के पदों के लिए गठित की गई विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसाओं पर चयन करने के आधार पर 100 प्रतिशत पदोन्नति द्वारा भरी जाती है।

अपने उच्च ग्रेड में पदोन्नति होने तथा पूर्वाधिक अपेक्षाएँ म्यानमस पत्रिका की है और सम्बद्ध ग्रेड में पदोन्नति केवल रिक्ति की उपलब्धता पर होगी।

(ग) इंजीनियर के पद पर नियुक्ति दिए गए व्यक्ति को भारत में कहीं भी कार्य करना पड़ सकता है।

(घ) यदि आवश्यकता हुई तो इंजीनियर के पद पर नियुक्ति किए गए किसी भी व्यक्ति को भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिना रुई गई अर्थात् (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति—

(1) नियुक्ति की तारीख में पंद्रह वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य न करना होगा, और

(2) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा।

(ङ) पदों में सम्बद्ध कर्तव्यों तथा बाधित्वों का स्वरूप—

(1) डब्ल्यू. पी. सी. स्कन्ध वायरलेस मॉनिटरिंग संगठन के विभिन्न एककों के कार्यालयों का पर्यवेक्षण, निदेशन तथा प्रशिक्षण।

(2) सम्बद्ध रेडियो आवृत्ति वर्णक्रमों तथा विभिन्न प्रकार के उत्सर्जन को आवृत्त करने वाली रेडियो आवृत्ति मानीटरन में प्रयुक्त इलैट्रॉनिकीकरण के विभिन्न वर्गी एंटीना तथा सहायक उपकरणों का प्रतिष्ठापन, संशोधन, परीक्षण तथा अनुरक्षण।

(3) भिन्न-भिन्न प्रकार की रेडियो संचार सेवाओं के लिए विभिन्न प्रयोक्ता विभागों/संगठनों के वायरलेस प्रतिष्ठानों का अनुभाषण एवं निरीक्षण।

(4) रेडियो आवृत्ति वर्णक्रम तथा हृल्यकाली उपग्रह कक्षा के उपयोग के राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय सम्न्वय से सम्बद्ध सभी पहले जिसमें नियतन योजना का निर्माण, संगत तकनीकी मानकों की स्थापना-उपस्कर का प्रकार—अनुमोदन वैद्युत चुम्बकीय व्यवधान/संसर्गिता आदि का अध्ययन सम्मिलित है।

(5) सम्बद्ध राष्ट्रीय नियमों तथा विनियमों के प्रतिपादन एवं कार्यान्वयन सहित अन्तर्राष्ट्रीय रेडियो विनियमों का प्रवर्तन।

(6) प्रवीणता/रेडियो अध्ययनायी प्रमाण-पत्र आदि के लिए परीक्षाओं का आयोजन करना तथा उनके लिए लाइसेंस जारी करना।

(7) रेडियो आवृत्ति प्रबन्ध तथा मानीटरन से सम्बद्ध अनुसंधान तथा विकास कार्य करना।

(8) अन्तर्राष्ट्रीय दूर संचार संधि दूर संचार से संबंधित अन्य यथोचित अन्तर्राष्ट्रीय/क्षेत्रीय संगठनों की बैठकों तथा सम्मेलनों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर प्रबंध करना।

9. केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (सड़क) (ग्रुप 'क')

(क) चुने हुए उम्मीदवार सहायक कार्यकारी इंजीनियर के पद पर दो वर्ष के लिए परीक्षा के आधार पर नियुक्त किए जाएंगे। परीक्षा अवधि पूरी होने पर यदि स्थायी रिक्तियां उपलब्ध हुईं और वे स्थायी नियुक्ति के योग्य समझे जाते हैं तो उन्हें सहायक कार्यकारी इंजीनियर के पद पर स्थायी किया जाएगा। सरकार दो वर्ष की परीक्षा अवधि को बढ़ा सकती है।

परीक्षा अवधि या उसकी बढ़ाई गई अवधि के समाप्त होने पर यदि सरकार यह समझती है कि कोई सहायक कार्यकारी इंजीनियर स्थायी नियोजक के योग्य नहीं है या ऐसी परीक्षा की बढ़ाई गई अवधि के दौरान वह इसमें संलुप्त है कि कोई सहायक कार्यकारी इंजीनियर ऐसी अवधियों या बढ़ाई गई अवधियों की समाप्ति पर स्थायी नियुक्ति के योग्य नहीं होगा तो वह उस सहायक कार्यकारी इंजीनियर को सेवा निवृत्त कर सकती है अथवा ऐसे आदेश पास कर सकती है जो वह ठीक समझे।

(ख) यदि आवश्यकता हुई तो इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणामों के आधार पर नियुक्त किए गए किसी भी व्यक्ति का भारत रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई, अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति को :—

(1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की राभाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा; और

(2) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ग) निम्नलिखित वेतनमान दिये हैं :—

सहायक कार्यकारी इंजीनियर—

रु. 8000—275—13500।

कार्यकारी इंजीनियर—

रु. 10000—325—15200।

अधीक्षक इंजीनियर—

रु. 12000—375—16500।

अधीक्षक इंजीनियर (चयन श्रेष्ठ) —

रु. 14300—400—18300।

मुख्य इंजीनियर (सड़क/पूल) यांत्रिक—

रु. 18400—500—22400।

अतिरिक्त महानिदेशक (सड़क/पूल) —

रु. 22400—525—24500।

अतिरिक्त सचिव महानिदेशक (सड़क प्रक्रिया) —

रु. 22400—600—26000।

टिप्पणी :—उन सरकारी कर्मचारियों का वेतन जो केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' ग्रुप 'ख' में परीक्षाधीन नियुक्ति से पहले मूल रूप में किसी आवधिक पद के अतिरिक्त स्थायी पद पर हैं (एफ. आर. 22-ख 1) के उपबन्धों के अधीन विनियमित किया जाएगा।

(घ) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (सड़क, पूल ग्रुप 'क' के पद से संबंध कर्तव्यों और दायित्वों का स्वरूप।

(1) सिविल इंजीनियरी पद

सड़कों/पूलों के निर्माण के डिजाइनों की योजना बनाने उनके आकलन तैयार करने में भूतल परिवहन मंत्रालय के सड़क स्कंध के मुकाबले में तथा क्षेत्रीय कार्यालयों और में वरिष्ठ अधिकारियों आदि की सहायता करना और राज्यों से ऐसे निर्माणों के लिए प्राप्त प्रस्तावों की समीक्षा करना।

(2) यांत्रिक इंजीनियरी पद

सड़कों/पूलों के निर्माण उपस्करों के आयोजन, प्रापण, प्रसालन और अनुस्क्षण में भूतल परिवहन मंत्रालय के सड़क

स्कंध के मुख्यालयों में तथा क्षेत्रीय कार्यालयों आदि में वरिष्ठ तकनीकी अधिकारियों की सहायता करना, इस प्रकार के उपकरणों की मरम्मत तथा रख-रखाव के लिए आकलन तैयार करना और राज्यों से प्राप्त प्रस्तावों और आकलनों की समीक्षा करना ।

10. भारतीय प्रसारण (इंजीनियरी) सेवा, सूचना और प्रसारण मंत्रालय

(क) उक्त सेवा के कनिष्ठ वेतनमान सीधे भतीख्वारा या पर्यान्तित द्वारा नियुक्ति पर प्रत्येक अधिकारी दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षाधीन रहेगा ।

- (1) किन्तु शर्त यह है कि नियंत्रक अधिकारी परिवीक्षा की अवधि को सरकार द्वारा समय-समय पर जारी अनुदेशों के अनुसार बढ़ा या बढ़ा सकता रहता है ।
- (2) अगली शर्त यह है कि परिवीक्षा अवधि बढ़ाने हेतु कोई नियंत्रक परिवीक्षा की पहली अवधि के समापन के बाद आठ सप्ताहों के अन्दर किया जाएगा और सम्बद्ध अधिकारी को ऐसा करने के कारणों सहित उक्त अवधि के अन्दर लिखित रूप में सम्प्रेषित कर दिया जाएगा ।
- (3) परिवीक्षा अवधि तथा उसकी किसी वृद्धि के समापन पर अधिकारी के स्थायी नियुक्ति हेतु उपयुक्त पाए जाने की स्थिति में अपनी नियुक्ति पर नियमित आधार पर बनाए रखा जाएगा और उसकी यथावधि उपलब्ध मूल रिक्ति पर स्थायी कर दिया जाएगा ।
- (4) यदि परिवीक्षा की बड़ी हुई परिवीक्षा की अवधि जैसी भी स्थिति हो के दौरान सरकार का यह मत हो कि कोई अधिकारी सरकार में स्थायी नियुक्ति हेतु उपयुक्त नहीं है तो सरकार उसे कार्यमुक्त कर सकती है या उसी पद पर वापस भेज सकती है जो वह उक्त सेवा में नियुक्ति से पहले धारण कर रहा था, जैसी भी स्थिति हो, या और कोई उपयुक्त आदेश पारित कर सकती है ।
- (5) परिवीक्षा या बड़ी हुई परिवीक्षा की अवधि के दौरान उम्मीदवार को परिवीक्षा के सकल समापन की शर्त के रूप में सरकार द्वारा यथासंशक्ति शिक्षण तथा प्रशिक्षण कोर्स पूरे करने होंगे और परीक्षा तथा परीक्षण (हिन्दी परीक्षा सहित) उत्तीर्ण करने होंगे ।

(ख) सेवा में नियुक्ति—उक्त सेवा के विभिन्न ग्रेडों के सभी पदों पर सभी नियुक्तियाँ—चाहे वे “आकाशवाणी” में हों या “दूरदर्शन” में हों—नियुक्त प्राधिकारी द्वारा की जाएगी ।

(4) भारत के किसी भाग में सेवा का दायित्व सेवा की अन्य शर्तों :—

(1) ऐसी नियुक्ति की तारीख से या उक्त सेवा के किसी भाग में या बाहर सेवा करनी पड़ सकती है ।

(2) उक्त सेवा में नियुक्त अधिकारी को भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी रक्षा सेवा या पद पर कम से कम 4 वर्ष तक कार्य करना पड़ सकता है जिसमें प्रशिक्षण की अवधि सम्मिलित है किन्तु ऐसे अधिकारी को :—

(1) ऐसी नियुक्ति की तारीख से या उक्त सेवा के प्रारम्भिक पद से पहले कार्य ग्रहण की तारीख में 10 वर्ष की समाप्ति के बाद पुर्नोक्त रूप में कोई कार्य नहीं करना पड़ेगा ।

(2) सामान्य : 40 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने के बाद पुर्नोक्त रूप में कार्य नहीं करना पड़ेगा ।

(घ) उक्त सेवा के सदस्यों की सेवा शर्तों में उन मामलों पर केन्द्रीय सिविल सेवा के अधिकारियों पर लागू होंगे जिनके सम्बन्ध में इन नियमों में कोई व्यवस्था नहीं है ।

ग्राह्य वेतनमान निम्न प्रकार हैं :—

- (1) कनिष्ठ वेतनमान
र० 8000-275-13500
- (2) वरिष्ठ वेतनमान
10000-325-15200 ।
- (3) जे० ए० जी०
र० 12000-375-16500 ।
- (4) जे० ए० जी० (चयन ग्रेड)
र० 14300-400-18300 ।
- (5) एस० ए० जी०
र० 18400-500-22400 ।
- (6) इंजीनियर-इन-चीफ
र० 22400-525-24500 ।

“भारतीय प्रसारण (अभिव्यक्ति) सेवा (ग्रुप “क”) के कनिष्ठ वेतनमान से सम्बद्ध कार्य एवं दायित्वों की प्रकृति”

रेडियो तथा दूरदर्शन प्रसारण केंद्रों का प्रचालन, रख-रखाव, प्रबंध, योजना, अभिकल्पन, संस्थापन तथा उसे चालू करना । सम्बद्ध क्षेत्र में अनुसंधान कार्य तथा स्टाफ की प्रशिक्षण देना । अधोनस्थ स्टाफ के कार्यों का पर्यवेक्षण करने का दायित्व ।

11 भारतीय नौसेना आयुध सेवा

(क) पद पर नियुक्ति के लिए चुने गए उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षाधीन नियुक्त किया जाएगा और यह अवधि सक्षम प्राधिकारी के विवेक पर बढ़ाई जा सकती है। सक्षम प्राधिकारी की राय में परिवीक्षा अवधि संतोषजनक रूप से पूरी न करने पर उन्हें सेवा-मुक्त किया जा सकेगा।

(ख) सक्षम प्राधिकारी द्वारा नोटिस की अपेक्षित अवधि (अस्थायी नियुक्ति के मामले में एक महीना और स्थायी नियुक्ति के मामले में तीन महीने) देकर किसी सक्षम भी नियुक्ति समाप्त की जा सकती है। किन्तु सरकार को नियुक्त उम्मीदवारों की सेवाएँ नोटिस की अवधि या इसके समाप्त न हुए भाग के लिए वेतन तथा भत्तों के बराबर की राशि का भुगतान करके तत्काल या नोटिस की निर्धारित अवधि के समाप्त होने से पहले समाप्त करने का अधिकार होगा।

(ग) वे समय-समय पर भारत सरकार द्वारा जारी किए गए आदेशों के अनुसार रक्षा सेवा प्रावधानों में प्रदत्त सिविलियन सरकारी कर्मचारियों के लिए लागू सेवा शर्तों के अधीन रहेंगे। वे समय-समय पर संशोधित फोल्ड सर्विस दायित्व नियमावली 1957 के अधीन होंगे।

(घ) उनका भारत या विदेश में कहीं भी स्थानान्तरण किया जा सकेगा।

(ङ) वेतनमान तथा वर्गीकरण—ग्रुप—राजपत्रित

(i) उप-आयुध आपूर्ति रु० 8000-275-13500 अधिकारी ग्रेड-II

(ii) उप-आयुध आपूर्ति रु० 10000-325-15200 अधिकारी ग्रेड-I

(iii) नौसेना आयुध आपूर्ति अधिकारी (साधारण ग्रेड) रु० 12000-375-16500

(iv) नौसेना आयुध आपूर्ति अधिकारी (चयन ग्रेड) रु० 14300-400-18300

(v) निदेशक आयुध आपूर्ति रु० 18400-500-22400

(च) उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नति के अवसर—

(1) उप-आयुध पूर्ति अधिकारी ग्रेड—

पांच वर्ष की सेवा रखने वाले उप-आयुध पूर्ति अधिकारी ग्रेड-2 विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसाओं चयन के

आधार पर रु० 10000-15200 के वेतनमान में उप-आयुध पूर्ति अधिकारी ग्रेड-1 के पद में पदोन्नति के पात्र हैं परन्तु केवल उन्हीं अधिकारियों की पदोन्नति के लिए विचार किया जाएगा जिन्होंने ऐसी विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण कर ली हो जो तकनीकी प्रशिक्षण कोर्स आई० आई० टी० किरकी या तकनीकी प्रशिक्षण कोर्स नौसेना तकनीकी स्टाफ अधिकारी कोर्स के बाद ली गई हो।

(2) नौसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (साधारण ग्रेड)

उप-आयुध पूर्ति अधिकारी (ग्रेड-1) के अधिकारी जिन्होंने इस रूप में पांच वर्ष की सेवा की हो उपर्युक्त विभागीय पदोन्नति समिति द्वारा चयन किए जाने के आधार पर रुपये 14300-18300 के वेतनमान में नौसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (साधारण ग्रेड) के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं।

(3) नौसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (चयन ग्रेड)

नौसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (साधारण ग्रेड) के अधिकारी जिन्होंने इस रूप में 5 वर्ष की सेवा की हो उपर्युक्त विभागीय पदोन्नति समिति द्वारा चयन करने के आधार पर रुपये 18400-22400 के वेतनमान में नौसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (चयन ग्रेड) में पदोन्नति के पात्र हैं।

(4) आयुध पूर्ति निदेशक

संबद्ध ग्रेड (ग्रेडों) में तीन वर्ष की सेवा रखने वाले नौसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (चयन ग्रेड) उपर्युक्त विभागीय पदोन्नति समिति द्वारा चयन करने के आधार पर रु० 5900-6700 के वेतनमान में आयुध पूर्ति निदेशक के रूप में पदोन्नति के पात्र हैं।

अगले ऊँचे ग्रेड में पदोन्नति हेतु या पूर्वोक्त अपेक्षाएं न्यूनतम पात्रता की हैं और सम्बद्ध ग्रेड में पदोन्नति केवल रिक्तियों की उपलब्धता पर होगी।

नोट :— उन सरकारी कर्मचारियों का वेतन जो परिवीक्षाधीन नियुक्ति के तत्काल पहले किसी आवधिक पद के अतिरिक्त मूल रूप अस्थायी पद धारण किए हुए थे एफ० आर० 22ख (1) के प्रावधानों तथा भारतीय नौसेना परिवीक्षाधीन व्यक्तियों को लागू सी० एस० के० और तदनुसूची अनुच्छेद के लागू सी० एस० के० और तदनुसूची अनुच्छेद के अधीन विनियमित किया जा सकता है।

(छ) भारतीय नौसेना रक्षा मंत्रालय में उप-आयुध पूर्ति अधिकारी ग्रेड 2 के पद से सम्बद्ध कर्तव्यों तथा दायित्वों का स्वरूप।

- (1) विविध यांत्रिक इलेक्ट्रॉनिक तथा विद्युत साधनों तथा उत्पादन तथा उत्पादकता प्रणाली वाले आयुद्ध सामग्री की संरक्षण, आभोग तथा अनुरक्षण से सम्बद्ध कार्य का प्रत्युत्तीकरण, आयोजन तथा निर्देशन।
- (2) संरक्षण, अनुक्षण और परिवर्द्धन के लिए इलेक्ट्रॉनिक तथा वैद्युत उपकरणों की मशीनरी का उपलब्ध कराना।
- (3) आयात प्रतिस्थापना से सम्बद्ध विकासीय कार्य, स्वदेशी अधिकल्पन विधित्तियां तैयार करना।
- (4) आयुद्ध के लिए यांत्रिकी इलेक्ट्रॉनिक तथा वैद्युत अनिरित्तन पार्ट्स का उपलब्ध कराना।
- (5) आयुद्ध (मिसाइल्स टार्वेटोज माइन्स तथा गन) मापने वाले यंत्रों आदि के यांत्रिकी इलेक्ट्रॉनिक वैद्युत मदों के ट्रांसमूच्य तथा समुच्चयों का आवधिक अंशाकन परीक्षण/जांच।
- (6) गलीट तथा भीमेना प्रतिष्ठानों को आयुद्ध भंडारण सम्बन्धी संयंत्र सहायता प्रदान करना।
- (7) आयुद्धों के बारे में यांत्रिक इलेक्ट्रॉनिक तथा वैद्युत इंजीनियरों से सम्बद्ध सभी मामलों में सम्बद्ध सेवा की तकनीकी सलाह देना।

12. डाक तार भवन निर्माण ग्रुप 'क' सेवा में सहायक कार्यकारी इंजीनियर

(क) उम्मीदवारों की नियुक्तियां परीक्षा आधार पर की जाएंगी जिसकी अवधि दो वर्ष होगी। उन्हें यथानिर्धारित-प्रशिक्षण लेना होगा। यदि सरकार की राय में किसी परीक्षाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक न हो या उसमें यह आभास हो कि उसके कार्यकुशल होने की संभावना नहीं है, तो सरकार उसे तत्काल सेवामुक्त कर सकती है। परीक्षा की अवधि पूरी होने पर सरकार उसकी नियुक्ति को स्थायी बना सकती है और यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा हो तो सरकार उसे या तो सेवामुक्त कर सकती है या उसकी परीक्षा अवधि को जितना उचित समझे और बढ़ा सकती है।

अधिकारियों को ऐसी विभागीय परीक्षा या परिक्षाएं उत्तीर्ण करनी होंगी जो परीक्षा अधि के दौरान निर्धारित की जाएं। उन्हें हिस्से में एक परीक्षण भी उत्तीर्ण करना होगा।

(ख) इस प्रतियोगिता प्रणाली के परिणाम के आधार पर नियुक्त अधिकारी के अपेक्षित होने पर किसी रक्षा सेवा में या भारत की रक्षा में सम्बद्ध किसी पद पर कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिए काम करना पड़ सकता है जिसमें किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई, यदि कोई हो, भी सम्मिलित है।

परन्तु उस व्यक्ति को—

(क) नियुक्ति की तारीख से 10 वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ख) सामान्यतः 40 वर्ष आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ग) प्राप्य वेतन दर निम्न प्रकार है।

ग्रुप "क"

(1) सहायक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल वैद्युत)
रु० 8000-275-13500

(2) कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) निर्माण सर्वेक्षक (सिविल) कार्यपालक इंजीनियर (मुख्यालय)
रु० 10000-325-15200

(3) अधीक्षक इंजीनियर (सिविल) अधीक्षक निर्माण सर्वेक्षक (सिविल) अधीक्षक इंजीनियर (मुख्यालय)
रु० 12000-375-16500

(4) अधीक्षक इंजीनियर निर्माण सर्वेक्षक अधीक्षक (सिविल विद्युत) (चयन ग्रेड)
रु० 14300-400-18300

(5) मुख्य इंजीनियर (सिविल विद्युत) (वरिष्ठ) प्रशासनिक ग्रेड
रु० 18400-500-22400

(6) वरिष्ठ उप महानिदेशक (भवन निर्माण)
रु० 22400-525-24500

(घ) डाक-तार सिविल स्कंध में उक्त पदों में जो कर्तव्य तथा उत्तरदायित्व सम्बद्ध है वे नीचे दिए गए हैं :—

इंजीनियर सेवा परीक्षा के माध्यम डाक-तार सिविल स्कंध में भर्ती हुए उम्मीदवारों को डाक-तार विभाग के विभिन्न सिविल निर्माणों के जिनमें आवासिय भवन, कार्यलय भवन, दूरभाषा केन्द्र भवन, डाकघर, भवन, कारखाने, भण्डार तथा प्रशिक्षण केन्द्र आदि सम्मिलित हैं आयोजन, अभिकल्पन, निर्माण और अनुरक्षण पर लगाया जाता है। उम्मीदवार विभाग में अपने सेवा सहायक कार्यकारी इंजीनियर के रूप में शुरू करते हैं और सेवा करते हुए विभाग के विभिन्न वरिष्ठ पदों पर पदोन्नति पा जाते हैं।

13. ई० एम० ई० कोर, रक्षा मंत्रालय में सहायक कार्यपालक इंजीनियर सहायक इंजीनियर के पद

(क) ई० एम० ई० कोर में सहायक कार्यपालक इंजीनियर/सहायक इंजीनियर के पद पर भर्ती व्यक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर होंगे।

(ख) उक्त पद पर नियुक्त उम्मीदवारों को भारत में कहीं भी काम करना होगा।

(ग) ग्राह्य वेतन की दरें निम्न प्रकार हैं :—

- (i) सहायक इंजीनियर रु० 6500-200-10300/-
ग्रुप 'ख'
- (ii) सहायक कार्यपालक रु० 8000-275-13500/-
इंजीनियर ग्रुप 'क'
- (iii) कार्यपालक रु० 10000-325-15200/-
इंजीनियर
- (iv) अधीक्षक इंजीनियर रु० 12000-375-16500/-
- (v) अतिरिक्त मुख्य रु० 14300-400-18300/-
इंजीनियर
- (vi) मुख्य इंजीनियर रु० 16400-450-20000/-

(घ) कर्तव्य :—'ए', 'बी' और 'सी' वाहनों, तोप, बायरलैस तथा रेडार उपस्कर व उपकरणों का मरम्मत कार्य करने वाले अनुभाग के प्रभारी के रूप में कार्य करना। ई० एम० ई० आर्मीवेस वर्कशॉप स्टेशन वर्कशॉप में अधिकारी के रूप में कार्य करना और/या स्टाप ई० एम० ई० (रेजिमेंट के अलावा) रोजगार नियुक्तियों में कैप्टन (ई० एम० ई०) के स्थान पर कार्य करना या ई० एम० ई० प्रशिक्षण केन्द्रों पर प्रशासकीय कर्तव्यों के साथ-साथ अनुदेशक के रूप में कार्य करना होगा।

(ङ) प्रारम्भ में उक्त पद गैर-पेशनी हैं लेकिन स्थायी होने पर पद पेंशनी हो जाएंगे। किन्तु यदि सरकार के अधीन स्थायी पद पर कार्यरत व्यक्ति इस पद पर नियुक्त किया जाता है तो उसे पेंशन के सारे लाभ मिलते रहेंगे।

(च) उक्त पद के लिए चुने गए उम्मीदवार फील्ड में सेवा के दायित्व से प्रतिबद्ध हैं, उनका स्वस्थता-स्तर वर्ग 1 (एक) होना चाहिए।

(छ) चुने गए उम्मीदवारों की दो वर्ष की अवधि के लिए विभिन्न विषयों के विशेष अध्ययन जैसे रेडार, दूर-संचार, टीकों तथा बन्दूकों आदि तथा विदेशों में विभिन्न कोसों का अध्ययन करने का अवसर मिलता है।

14. भारतीय आपूर्ति सेवा / भारतीय निरीक्षण सेवा:

(क) चुने गए उम्मीदवारों की दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर नियुक्त किया जाएगा। परीक्षा की अवधि पूरी कर लेने पर अधिकारियों की स्थायी नियुक्ति के योग्य समझे जाने पर स्थायी पदों के उपलब्ध होते ही स्थायी कर दिया जाएगा। सरकार इस दो वर्ष की परीक्षा अवधि को बढ़ा भी सकती है।

यदि परीक्षा की उक्त अवधि या उसको बढ़ी हुई अवधि के समाप्त होने पर सरकार की यह राय हो कि उम्मीदवार स्थायी नियोजन हेतु उपयुक्त नहीं है तथा परीक्षा की अवधि या बढ़ी हुई अवधि के दौरान सरकार संतुष्ट हो जाए कि वह इस अवधि या बढ़ी हुई अवधि की समाप्ति पर स्थायी नियुक्ति हेतु, उपयुक्त नहीं रहेगा तो वह उस अधिकारी को कार्य मुक्त कर सकती है या ऐसे आदेश पारित कर सकती है जो वह उचित समझे अधिकारियों का स्थायी होने से पहले हिन्दी में एक विहित परीक्षा भी उत्तीर्ण करनी होगी।

(ख) इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त किसी भी व्यक्ति को आवश्यकता पाने पर भारत की रक्षा से सम्बन्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि सहित, यदि कोई हो, कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिए या किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा में सम्बद्ध तद पर कार्य करना होगा;

किन्तु, उस व्यक्ति को—

- (1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य करना होगा।
- (2) साधारणतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ग) ग्राह्य वेतन की दरें निम्नलिखित हैं :—

कनिष्ठ समय वेतनामान
सहायक निदेशक (ग्रेड-1)
वेतन रु० 8000-275-13500

वरिष्ठ समय वेतनामान

उपनिदेशक
वेतन रु० 10000-325-15200

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (सामान्य)
निदेशक (साधारण)
वेतन रु० 12000-375-16500

निदेशक (तान-फंक्शनल चयन ग्रेड)
वेतन रु० 14300-400-18300

वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड
उप महानिदेशक
वेतन रु० 18400-500-22400

उच्च प्रशासनिक ग्रेड
अपर महानिदेशक
वेतन रु० 22400-525-24500

टिप्पणी :— (क) जिन सरकारी कर्मचारियों ने इस परिवीक्षाधीन नियुक्ति से पहले आबधिक पद से अन्यथा किसी स्थायी पद पर स्थायी हैसियत से काम किया है उनका वेतन एफ० आर० 22-वीं (1) के अनुसार विनियमित किया जाएगा।

(ख) भारतीय आपूर्ति सेवा ग्रुप 'क' भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप 'क' से संबद्ध कार्य तथा जिम्मेदारियों का स्वरूप।

भारतीय आपूर्ति सेवा ग्रुप 'क'

इस सेवा के अधिकारियों का मुख्य कार्य केन्द्रीय सरकार के विभिन्न भागों के लिए आमतौर पर आवर्ती आधार पर अपेक्षित भंडार सामग्री प्राप्त करने के लिए दीर्घविधि अनुबंधों को कार्यरूप देना है। ऐसी भंडार सामग्री से हार्डवेयर की साधारण वस्तुओं से लेकर परिष्कृत और कीमती इंजीनियरी और इलेक्ट्रॉनिकी वस्तुओं जैसी बहुत सी किस्में शामिल हैं। आवश्यकतानुसार अनुरोध प्राप्त होने पर, इस सेवा के अधिकारियों को विभिन्न सरकारी संगठनों की तदर्थ आवश्यकता के लिए वस्तुएं खरीदने का प्रबंध भी करना होगा। इसके साथ-साथ उन्हें ऐसी क्रय नीतियां भी तैयार करनी होंगी जो अन्य सरकारी विभागों द्वारा अपनाई जाती हैं और ऐसे मामलों में अन्य सरकारी विभागों के अनुरोध पर उनका मार्गदर्शन भी करना होगा। उनके कार्यों में कतिपय श्रेणी की अधिशेष रक्षा भंडार सामग्री का निपटान करना तथा अनुरोध प्राप्त होने पर भारतीय बन्दरगाहों पर सरकारी माल की निकासी करना भी शामिल है। इसलिए भारतीय आपूर्ति सेवा के अधिकारियों से ऐसे बहुविध प्रकृति के कार्यों से निपटने के लिए अपेक्षित तकनीकी पृष्ठाधारों की अपेक्षा की जाती है।

भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप "क"

इंजीनियरी वस्तुओं तथा सामग्रियों और समवर्ती भंडारों का निरीक्षण तथा परीक्षण, कनिष्ठ अधिकारियों के काम का पर्यवेक्षण करना तथा यह देखना कि उनके अपने कार्य तथा कर्तव्यों के संबंध में पर्याप्त निदेश मिल गए हैं, महत्वपूर्ण कार्य की ओर व्यक्तिगत ध्यान देना, तकनीकी रिपोर्टें, विनिर्दिष्टियों तथा आवश्यक सूचियां बनाना और इंजीनियरी भंडारों के मांग पत्र के तकनीकी विवरणों की जांच करना, विभाग की अन्य शाखाओं के अधिकारियों, मांग पत्र भेजने वालों तथा निर्माताओं को इंजीनियरी मामलों में तकनीकी सलाह तथा सहायता देना।

15. सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क'

(1) चुना हुआ उम्मीदवार दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर सहायक कार्यपालक इंजीनियर के

रूप में नियुक्त किया जाएगा। परिवीक्षाधीन व्यक्ति को परिवीक्षा की अवधि के दौरान सरकार द्वारा निहित विभागों परीक्षणों को उत्तीर्ण करना होगा। परिवीक्षा की अवधि के दौरान या इसकी समाप्ति पर किसी समय यदि सरकार की राय में उसका कार्य और आचरण असंतोषजनक रहा है, तो हो सकता है कि सरकार या तो उसे कार्यमुक्त कर दे या उसकी परिवीक्षा अवधि यथा अपेक्षित समय के लिए बढ़ा दे।

(2) चुने गए उम्मीदवारों को भारत के किसी भी भाग या विदेश में जिसमें युद्ध तथा शान्ति के क्षेत्र सम्मिलित हैं, कार्य करना होगा। उनकी क्षेत्र सेवा के लिए निर्धारित चिकित्सा मानकों के अनुसार चिकित्सा परीक्षा की जाएगी।

(3) उन्हें निम्नलिखित वेतनमान देय हैं :—

(क) सहायक कार्यकारी इंजीनियर (सिविल)
8000-275-13500 रुपये।

कार्यकारी इंजीनियर (सिविल)
10000-325-15200 रुपये
अधीक्षक इंजीनियर (सिविल)
12000-375-16500
अधीक्षक इंजीनियर (सिविल)
14300-400-18300
रुपए (चयन ग्रेड)
मुख्य इंजीनियर (सिविल)
18400-500-22400 रुपये
अपर महानिदेशक सीमा सड़क
22400-525-24500 रुपये

(ख) सहायक कार्यकारी इंजीनियर (ई० एण्ड एम०)

8000-275-13500 रुपये
कार्यकारी इंजीनियर (ई० एण्ड एम०)
10000-325-15200 रुपये
अधीक्षक इंजीनियर (ई० एण्ड एम०)
12000-375-16500 रुपये
अधीक्षक इंजीनियर (ई० एण्ड एम०) (चयन ग्रेड)
14300-400-18300 रुपये।

मुख्य इंजीनियर (ई० एण्ड एम०)

18400-500-22400 रुपये (उचित समय में सृजन किया जाना है)।

(4) सहायक कार्यकारी इंजीनियर के पद पर नियुक्त किए गए अधिकारी निरंतरित शर्तों को पूरा करने के बाद कार्यकारी इंजीनियर, अधीक्षक इंजीनियर, मुख्य इंजीनियर (केवल सिविल इंजीनियर के अधिकारियों के लिए लागू) उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नति की प्रतीक्षा कर सकते हैं। अगले उच्च ग्रेड में पदोन्नति हेतु यथा पूर्वोक्त आश्वासन न्यूनतम पात्रता की है और सम्बद्ध ग्रेड में पदोन्नति केवल रिक्तियों को उपलब्धता पर होगी। यांत्रिक इंजीनियरी में इस समय मुख्य इंजीनियर का कोई पद नहीं है।

(5) उक्त सेवा में नियुक्त अधिकारी कुछ विनिर्दिष्ट इलाकों में तैनात होने पर केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों की यथाप्राप्त अन्य सामान्य भत्तों जैसे मकान किराया भत्ता तथा नागरिक प्रति-पूरक भत्ता आदि के अलावा विहित दर पर विशेष प्रतिपूरक भत्ता और मुफ्त राशन के हकदार है। वे वर्षों के वास्ते परिसञ्जा भत्तों के भी हकदार हैं।

(6) सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' के पदों पर नियुक्त अधिकारियों पर अनुशासन के मामले में बल सेना अधिनियम, 1950 लागू होगा।

(7) सशस्त्र सेना अधिनियम के भाग 12 के उपबंधों के अनुसार सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' पर महिलाएं उम्मीदवार पात्र नहीं हैं।

16. डाक-तार, दूर-संचार कारखाना संगठन में सहायक प्रबंधक, कारखाना

ग्रुप 'क' के पद

(1) वेतनमान रुपये 8000—13500/- में सहायक प्रबंधक (कारखाना) के पदों पर भर्ती किए गए व्यक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षाधीन रहेंगे।

(2) परिवीक्षा अवधि के दौरान उम्मीदवारों की प्रशिक्षण कार्यक्रम के अनुसार ऐसा व्यवहारिक प्रशिक्षण जो समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा निर्धारित किया जाए, प्राप्त करना होगा; व्यावसायिक परीक्षा तथा हिन्दी परीक्षा उत्तीर्ण करना होगा।

(3) यदि आवश्यकता हुई तो सहायक प्रबंधक (कारखाना) के पद पर नियुक्त किसी व्यक्ति को भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर बितायी गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा। किन्तु उस व्यक्ति की —

(क) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा और

(ख) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(4) उच्चतर क्षेत्रों में पदोन्नति के अवसर :—

(क) अपने ग्रेड में कम से कम पांच वर्ष की नियमित सेवा कर चुकने वाले सहायक प्रबंधक रु० 10000—325—15200/- वेतनमान में वरिष्ठ इंजीनियर के (वरिष्ठ समय वेतनमान) के ग्रेड में पदोन्नति पात्र है।

(ख) अपने ग्रेड में कम से कम पांच वर्ष की सेवा कर चुकने वाले वरिष्ठ इंजीनियर रुपये 12000—375—16500/- के वेतनमान में कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड में उप-महाप्रबंधक प्रबंधक (कारखाना) के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र है।

(ग) अपने ग्रेड में 5 वर्ष की नियमित सेवा वाले उप-महाप्रबंधक दूरसंचार कारखाना में 14300—400—18300 रु० के वेतनमान में उप-महाप्रबंधक प्रबंधक (चयन ग्रेड) के अकार्यात्मक (नान फंक्शनल) चयन ग्रेड में पदोन्नति के पात्र है।

(घ) कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (इसमें अकार्यात्मक चयन ग्रेड की सेवा, यदि कोई हो, भी शामिल है) में 8 वर्ष की नियमित सेवा वाले उप-महाप्रबंधक प्रबंधक अथवा ग्रुप 'क' पद में, जिसमें कम से कम 4 वर्ष की सेवा कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड में होनी चाहिए, 17 वर्ष के नियमित सेवा वाले (इसमें आकार्यात्मक चयन ग्रेड की सेवा, यदि कोई हो, भी शामिल है) 18400—500—22400 रु० (वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड) के वेतनमान में महाप्रबंधक, दूर-संचार कारखाना के ग्रेड पदोन्नति के पात्र है।

(5) उक्त पदों से सम्बन्ध कार्य और उत्तरदायित्वों का स्वरूप :

सहायक प्रबंधक :—दूर-संचार भंडार के उत्पादन क्षेत्र से दूर-संचार विभाग के दूर-संचार कारखानों का पर्यवेक्षण तथा प्रबंध और औद्योगिक और गैर-औद्योगिक कर्मचारियों और स्टाफ को नियुक्तियों सहित सेवा मामलों पर कार्य करना वरिष्ठ इंजीनियर :—उत्पादन, आयोग, विकास, अनुरक्षण और आजार आदि से सम्बद्ध शाखा के प्रधान और दूर-संचार कारखानों में विभिन्न व्यवसायों/संवर्गों में नियुक्त अनुशासनिक प्राधिकारों के रूप में कार्य करना।

उप-महाप्रबंधक प्रबंधक :—सामान्य प्रशासन उत्पादन अनुशासन आयोग आदि से सम्बद्ध दैनिक कार्यों में महाप्रबंधक की सहायता करना, कारखाना या उत्पादन एकक/स्कन्ध कार्य प्रभारी ।

महाप्रबंधक :—दूरसंचार कारखाना के प्रधान कारखाना के सामान्य प्रशासन, उत्पादन, आयोग अनुशासन आदि के समग्र नियंत्रण हेतु उत्तरदायी ।

17. भारतीय सर्वेक्षण ग्रुप 'क' सेवा :

नियुक्तियां दो वर्ष की अवधि के लिए, परिवीक्षा आधार पर होंगी ।

किन्तु शर्त यह है कि इस संबंध में नियंत्रण प्राधिकारी परिवीक्षा की अवधि को सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार बढ़ा सकता है ।

अगली शर्त यह है कि परिवीक्षा अवधि बढ़ाने हेतु कोई निर्णय परिवीक्षा की पहली अवधि के समापन के बाद सामान्यतः आठ सप्ताहों के अन्दर किया जाएगा और संबंध अधिकारी को ऐसा करने के कारणों सहित उक्त अवधि के अन्दर लिखित रूप में सूचित कर दिया जाएगा ।

परिवीक्षा अवधि तथा उसकी किसी वृद्धि के समापन पर, जैसी भी स्थिति हो, यदि सरकार का यह मत हो कि कोई अधिकारी स्थायी नियुक्ति हेतु उपयुक्त नहीं है तो इसके कारण लिखित रूप में रिकार्ड किए जाएं और सरकार उस अधिकारी को कार्य-मुक्त कर सकती है या उस पद पर वापस भेज सकती है, जिसे वह उक्त सेवा में, जैसी भी स्थिति हो, नियुक्ति से पहले धारण कर रहा था । परिवीक्षा या बढ़ी हुई परिवीक्षा की अवधि के दौरान उम्मीदवारों को ऐसा प्रशिक्षण कोर्स पास करना होगा और अनुदेशों का पालन करना होगा तथा परीक्षाएं और परीक्षण पास (इसमें हिन्दी की परीक्षा भी शामिल है) करने होंगे जो सरकार द्वारा परिवीक्षा को अवधि को संतोषजनक ढंग से पूरा करने की शर्त के रूप में निर्धारित किए जाएंगे ।

2. नियुक्ति किए गए अधिकारियों को भारत और विदेश में कहीं भी कार्य करना पड़ सकता है ।

3. नियुक्त किए गए अधिकारियों को सरकार द्वारा समय-समय पर दिए गए निर्णयों के अनुसार भारत और विदेश में ऐसे प्रशिक्षण और अनुदेशों के विस्तृत पाठ्यक्रमों में जाना पड़ सकता है ।

4. यदि आवश्यकता हुई तो प्रतियोगिता परीक्षा में परिणाम के आधार पर नियुक्त किए गए व्यक्ति को भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा

सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पदों पर कार्य करना होगा किन्तु उस व्यक्ति को :—

- (1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति पर पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा ।
- (2) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा ।

5. बाह्य वेतनमान निम्न प्रकार है :—

कनिष्ठ ज्ञेयमान 8000--275--13500 रु०

वरिष्ठ वेतनमान 10000--325--15200 रु० ।

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड 12000--375--16500 रु० ।

च्यवन ग्रेड 14300--400--18300 रु० ।

(कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड)

वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड 18400--500--22400 रु० ।

भारत का महासर्वेक्षक 22400--525--24500 रु० ।

6. पद से सम्बद्ध कर्तव्यों और दायित्वों का स्वरूप:

उप अधोक्षक सर्वेक्षण :—भूगणित फोटोग्रामिति मानचित्र कला और अंकीय मानचित्र के क्षेत्रों में अनुभागों/कैम्पों का पर्यवेक्षण करने के लिए सर्वेक्षण का कार्य अलग-अलग कार्यकर्ता के रूप में करने के साथ-साथ अनुभाग अधिकारी के रूप में भी करना । यूनिट के तकनीकी तथा प्रशासनिक दोनों कार्यों में प्रभारी अधिकारी (अधोक्षक सर्वेक्षण) को भी सहायता करना ।

अधोक्षक सर्वेक्षण :—पार्टी के प्रबंध करना और अनुशासन रखना, भंडारों को अभिरक्षा करना, रख-रखाव और परिशुद्ध लेजा-जोडा रखना, अपने अधिकार में होने वाले निधि को किरफत से व्यय करना, अपने सभी अधिकारियों और तैनात व्यक्तियों के अपने कार्यों (ड्यूटियों) और कार्यों के लिए तर्जान उद्गुप्त सर्वेक्षण विधि में उचित प्रशिक्षण देना, समस्त तकनीकी कार्यों का निष्पादन और पर्यवेक्षण करना फोल्ड प्रमाणित, फेयर मानचित्रण फोटोग्रामिति और मानचित्रण आदि करना ।

उपनिदेशक :—निदेशालय का सुचारु और कुशल संचालन करने में क्रियाशील निदेशक को सहायता करना, व्यावसायिक परीक्षणों सफल की विभागीय पदोन्नति, समितियों की बैठकों का आयोजन करने हेतु सभी तकनीकी प्रशासनिक तथा वित्तीय प्रतिवेदनों तथा विवरणियों की समीक्षा करने, उनको पूरा करने और उन पर निगरानी रखने आदि का दायित्व संभाजना, वसूली बोर्डों की बैठकों की अध्यक्षता करना, निविदाओं तथा संविदाओं को प्रतिम रूज देना और निदेशक द्वारा सौंपे गए अन्य सभी कार्यों को सम्पन्न करना ।

निदेशक उपनिदेशक चयन ग्रेड—सभी दायित्वों को संभालना, ग्रुप 'ग' के सभी कर्मचारियों को नियुक्ति अनु-शासनिक अधिकारी के रूप में कार्य करना, सर्वेक्षण तथा मान-चित्रण कार्यों से संबंधित तकनीकी समन्वय करना, निदेशन करना, उनकी देख रेख करना और उन पर निगरानी रखना जिसमें राज्य सरकारों केन्द्रीय परियोजना प्राधिकारियों आदि को सलाह देना भी शामिल है, वित्तीय प्रबन्ध करना, बजट कार्य करना, निदेशालय के समस्त व्यय पर निगरानी और नियंत्रण रखना।

अपर महा सर्वेक्षक—अपने प्रभार के अधीन आने वाले सिकिलों के तकनीकी, वैज्ञानिक, प्रशासनिक, वित्त एवं लेखा कार्य को दक्षतापूर्वक सम्पन्न करने हेतु समग्र दायित्व संभालना। अपने प्रभार के अधीन आने वाले सभी सिकिलों के फील्ड और फेयर मानचित्रण कार्यक्रमों तथा मुद्रण-कार्य को अन्तिम रूप देना, निर्धारित मानकों के अनुसार तकनीकी कार्य की प्रगति पर निगरानी रखना तथा प्रत्येक अवस्था पर परिणुद्धि के अपने शिक्षित स्तर को सुनिश्चित करना, कार्य की नवीन तकनीकी विधि को विकास करने/उसको अपनाने का दायित्व संभालना, अपने जोन में आने वाले सभी सर्वेक्षण मामलों पर राज्य सरकार को परामर्श देना।

वस्त्र मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 नवम्बर 1997

फा० सं० 1/18/96-सी० टी० एम०—भारत सरकार
ने दिनांक 21 अप्रैल, 1997 की समसंख्यक अधिसूचना के

क्रम में कपास सलाहकार बोर्ड में निम्नलिखित अतिरिक्त गैर-सरकारी सदस्य को शामिल करने का निर्णय लिया है :

हथकरघा क्षेत्र

श्री कोलान कृष्णा,

30-16-8, वी रंगाराव स्ट्रीट,

सीतारामपुरम, विजयवाड़ा-520002।

2. बोर्ड सरकार को सामान्यतः रुई नियंत्रण आदेश, 1986 के अन्तर्गत आने वाले रुई सहित रुई के उत्पादन, उपभोग तथा विपणन से संबंधित मामलों पर सलाह देना और साथ ही मूली वस्त्र मिल उद्योग, रुई उपजकतियों, रुई व्यापार तथा सरकार के बीच सम्पर्क स्थापित करने के लिये एक मंच की व्यवस्था करेगा।

3. पुनर्गठित बोर्ड के सदस्य 20 अप्रैल, 1999 तक बोर्ड में काम करेंगे।

4. गैर-सरकारी सदस्यों का रुई सलाहकार बोर्ड की बैठक में भाग लेने के लिये वित्त मंत्रालय के अनुदेशों के अनुसार यात्रा भत्ता/दैनिक भत्ता दिया जायेगा।

5. बोर्ड की बैठकों में उपस्थिति केवल सदस्यों तक ही सीमित रहेगी।

आदेश दिया जाता है कि इस अधिसूचना की एक-एक प्रति सभी संबंधित व्यक्तियों को भेजी जाये।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इसे भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाय।

अजित सेठ,
संयुक्त सचिव

MINISTRY OF RAILWAYS

(RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 20th December 1997

RULES

No. 97/E (GR) I/18/2.—The Rules for a combined competitive Engineering Services Examination to be held by the Union Public Service Commission in 1998 for the purpose of filling vacancies in the following Services/Posts are, with the concurrence of the Ministries/Departments concerned, published for general information.

CATEGORY I—CIVIL ENGINEERING

Group A Services/Posts

- (i) Indian Railway Service of Engineers.
- (ii) Indian Railway Stores Service (Civil Engineering Posts).
- (iii) Central Engineering Service.
- (iv) Military Engineer Service (IDSE) (Building and Roads Cadre).
- (v) Military Engineer Service (Surveyor of works Cadre).
- (vi) Survey of India Service Group-A (Civil Engineering Posts).
- (vii) Central Water Engineering Service (Civil Engineering Posts).

(viii) Assistant Executive Engineer (Civil) in P&T Building Works (Group 'A') Service.

(ix) Central Engineering Service (Roads) Group-A.

(x) Assistant Executive Engineer (Civil) in Border Roads Engineering Service Group-A.

(xi) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) (Civil Engineering Posts).

CATEGORY II—MECHANICAL ENGINEERING

Group A Services/Posts

- (i) Indian Railway Service of Mechanical Engineers.
- (ii) Indian Railway Stores Service (Mechanical Engineering Posts).
- (iii) Central Water Engineering Service (Mechanical Engineering Posts).
- (iv) Central Power Engineering Service (Mechanical Engineering Posts).
- (v) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) (Mechanical Engineering Posts).
- (vi) Indian Naval Armament Service (Mechanical Engineering Posts).
- (vii) Military Engineer Service (IDSE) (Electrical and Mechanical Cadre) (Mechanical Engineering Posts).
- (viii) Central Electrical & Mechanical Engineering Service (Mechanical Engineering Posts).

- (ix) Assistant Executive Engineer (Elect. & Mech.) (Mechanical Engineering Posts), Border Roads Engineering Service, Group-A.
- (x) Assistant Manager (Factories), Department of Telecom. (Telecom Factories Organisation).
- (xi) Central Engineering Service (Roads) Group 'A' (Mechanical Engineering Posts).
- (xii) Assistant Executive Engineer Group 'A' (Mechanical Engineering Posts), in the Corps of E.M.E., Ministry of Defence.
- (xiii) Indian Inspection Service, Group 'A' (Mech. Engineering Posts).
- (xiv) Indian Supply Service Group-A (Mechanical Engg. Posts).

Group-B Services/Posts

- (xv) Assistant Engineer, Group-B (Mechanical Engineering Posts) in the Corps of EME, Ministry of Defence.

CATEGORY III—ELECTRICAL ENGINEERING

Group-A Services/Posts

- (i) Indian Railway Service of Electrical Engineers.
- (ii) Indian Railway Stores Service (Electrical Engineering Posts).
- (iii) Central Electrical & Mechanical Engineering Service (Electrical Engineering Posts).
- (iv) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) (Electrical Engineering Posts).
- (v) Indian Naval Armament Service (Electrical Engineering Posts).
- (vi) Central Power Engineering Service (Electrical Engineering Posts).
- (vii) Assistant Executive Engineer (Electrical) in P & T Building Works (Group 'A') Service.
- (viii) Military Engineering Service (IDSE) Electrical and Mechanical Cadre (Electrical Engineering Posts).
- (ix) Assistant Manager (Factories), Department of Telecom. (Telecom Factories Organisation).
- (x) Assistant Executive Engineer Group 'A' (Electrical Engineering Posts) in the Corps of E.M.E., Ministry of Defence.
- (xi) Indian Inspection Service Group 'A' (Electrical Engineering Posts).
- (xii) Indian Supply Service Group 'A' (Electrical Engineering Posts).

Group-B Services/Posts

- (xiii) Assistant Engineer Group 'B' (Electrical Engineering Posts) in the Corps of E.M.E., Ministry of Defence.

CATEGORY IV—ELECTRONICS AND TELECOMMUNICATION ENGINEERING

Group-A Services/Posts

- (i) Indian Railway Service of Signal Engineers.
- (ii) Indian Railway Stores Service (Telecommunication/Electronics Engineering Posts).
- (iii) Indian Telecommunication Service.
- (iv) Engineer in Wireless Planning and Co-ordination Wings/Monitoring Organisation; Ministry of Communications (Department of Telecommunication).
- (v) Indian Broadcasting (Engineers) Service.
- (vi) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) (Electronics Engineering Posts).

- (vii) Indian Naval Armament Service (Electronics Engineering Posts).
- (viii) Central Power Engineering Service (Telecommunication Engineering Posts).
- (ix) Survey of India Service Group 'A' (Electronics and Telecom. Engineering Posts).
- (x) Assistant Manager (Factories), Department of Telecom. (Telecom Factories Organisation).
- (xi) Indian Inspection Service Group 'A' (Electronics Engineering Posts).
- (xii) Indian Supply Service Group 'A' (Electronics Engineering Posts).
- (xiii) Assistant Executive Engineer Group 'A' (Electronics Engineering Posts) in the Corps of E.M.E., Ministry of Defence.

Group B Services/Posts

- (xiv) Assistant Engineer Group B (Electronics Engineering Posts) in the Corps of E.M.E., Ministry of Defence.

1. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix-J to these Rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

2. A candidate may compete in respect of any one of the categories of Services/Posts viz. Civil Engineering or Mechanical Engineering or Electrical Engineering or Electronics & Telecommunication Engineering. A candidate who qualifies on the result of the written part of the examination will be required to indicate clearly in the detailed application form the Services/Posts for which he wishes to be considered in the order of preferences. The candidate is advised to indicate as many preferences as he wishes to so that having regard to his rank in order of merit, due consideration can be given to his preferences when making appointment.

N.B. (i) —Candidates are advised to indicate all the Services/Posts for which they are eligible in terms of the Rules in the order of preference in their detailed application form. In case a candidate does not give any preference for any Service Post or does not include certain Services/Posts in his application form it will be assumed that he has no specific preference for those Services/Posts and in that event he shall be allocated to any of the remaining Services/Posts in the order as appearing in the notification and in which there are vacancies after allocation of candidates according to the Services/Posts of their preference. In making such allocation the candidate shall be considered first for Group 'A' Services/Posts and then for Group 'B' Services/Posts.

N.B. (ii) No request for addition/alteration in the preferences indicated by a candidate in his detailed application form will be entertained by the Commission.

N.B. (iii) —DEPARTMENTAL CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION UNDER AGE RELAXATION [VIDE RULE 5 (b)] MAY GIVE THEIR PREFERENCES FOR THE SERVICES/POSTS IN OTHER MINISTRIES/DEPARTMENTS ALSO. THEY WILL HOWEVER, BE FIRST CONSIDERED FOR APPOINTMENT TO SERVICES/POSTS IN THEIR OWN DEPARTMENT SUBJECT TO MERIT POSITION AND ONLY IN THE EVENT OF NON AVAILABILITY OF VACANCIES THEREIN OR MEDICAL UNFITNESS OF SUCH CANDIDATES FOR THE SERVICES/POSTS UNDER THEIR OWN DEPARTMENTS THEY SHALL BE CONSIDERED FOR ALLOTMENT TO THE SERVICES/POSTS IN OTHER MINISTRIES/DEPARTMENTS ON THE BASIS OF PREFERENCES EXPRESSED BY THEM.

N.B. (iv) Candidates admitted to the examination under the proviso to Rule 6 will be considered only for the posts mentioned in the said proviso and their preference for other Services and Posts, if any, will be ignored.

N.B. (v) The candidates will be allotted to various Services/Posts strictly in accordance with their merit position, preference exercised by them and number of vacancies, subject to their medical fitness.

3. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission.

Reservation will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and the Other Backward Classes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

4. A candidate must be either —

- a citizen of India, or
- a subject of Nepal, or
- a subject of Bhutan, or
- a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or
- a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, The East African countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania, Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary, may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

5. (a) A candidate for this examination must have attained the age of 21 years and must not have attained the age of 28 years on the 1st August 1998 i.e. he must have been born not earlier than 2nd August, 1970, and not later than the 1st August, 1977.

(b) Subject to condition mentioned in N.B. (iv) below Rule 2, the upper age-limit of 28 years will be relaxable up to 33 years in the case of the Government servants of the following categories, if they are employed in a Department/Office under the control of any of the authorities mentioned in column 1 below and apply for admission to the examination for all or any of the Service(s)/Post(s) mentioned in column 2, for which they are otherwise eligible.

(i) A candidate who holds substantively a permanent post in the particular Department/Office concerned. This relaxation will not be admissible to a probationer appointed against a permanent post in the Department/Office during the period of his probation.

(ii) A candidate who has been continuously in a temporary service on a regular basis in the particular Department/Office for at least 3 years on the 1st August, 1998.

Column 1	Column 2
Directorate General Ordnance Factories	I.O.F.S. Group 'A'
Central Water Commission	C.W.F. Service (Group 'A')
Central Electricity Authority	C.P.E. Service (Group 'A')
Wireless planning and Coordination Wing/ Monitoring Organisation	Engineer (Group A)
Border Roads Organisation	Border Roads Engineering Service.
All India Radio Doordarshan	Junior Scale of Indian Broadcasting (Engineers) Service.
Indian Navy	Indian Naval Armament Service.
Ministry of Communication, Department of Telecommunication & Deptt. of Posts	Indian Telecommunication Service Group A. Asstt. Executive Engineer (Civil/Electrical) in P & T Building Works (Group A) Service, Assistant Manager (Factories) Group A, P & T Tele- com. Factories Orga- nisation.
Deptt. of Science & Technology	Survey of India Service Group 'A'
Directorate General of Supplies and Disposals	I.S.S. Group 'A', I.I.S. Group 'A'

NOTE.—The period of apprenticeship if followed by appointment against a working post on the Railways may be treated as Railway Service for the purpose of age concessions.

(c) The upper age-limit prescribed above will be further relaxable :

- Upto a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe.
- Upto a maximum of five years if a candidate had ordinarily been domiciled in the State of Jammu and Kashmir during the period from the 1st January, 1980 to the 31st day of December, 1989.
- Upto a maximum of ten years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and had ordinarily been domiciled in the State of Jammu & Kashmir during the period from the 1st January, 1980 to the 31st day of December, 1989.
- Upto a maximum of three years, in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof.
- Upto a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof who belongs to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
- Upto a maximum of five years in the case of ex-servicemen including Commissioned Officers and ECOs/SSCOs, who have rendered at least five years Military Service as on 1st August, 1998 and have

Column 1	Column 2
Railway Department	I.R.S.E. I.R.S.M.E. I.R.S.E.E. I.R.S.S.E. I.R.S.S.
Central Public Works Department	C.E.S. Group 'A' C.E. & M.E.S. Group 'A'
Engineer in Chief, Army Headquarters	M.E.S., Group 'A' (I.D.S.E.—B&R Cadre) and Surveyor of Works Cadre, MES Group 'A' (I.D.S.E.—E&M Cadre)

been released (i) on completion of assignment including those whose assignment is due to be completed within one year from 1st August 1998 otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or (ii) on account of physical disability attributable to Military Service, or (iii) on invalidment.

- (vii) Upto a maximum of ten years in the case of ex-servicemen including Commissioned Officers, and ECOs/SSCOs who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes and who have rendered at least five years Military Service as on 1st August, 1998 and have been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within one year from 1st August, 1998 otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or (ii) on account of physical disability attributable to Military Service, or (iii) on invalidment.
- (viii) Upto a maximum of five years in the case of ECOs/SSCOs who have completed an initial period of assignment of five years of Military Service as on 1st August, 1998 and whose assignment has been extended beyond five years and in whose case the Ministry of Defence issues a certificate that they can apply for civil employment and they will be released on three months notice on selection from the date of receipt of officer of appointment;
- (ix) Upto a maximum of ten years in the case of candidates belonging to Scheduled Castes or Scheduled Tribes who are also ECOs/SSCOs and have completed an initial period of assignment of five years of Military Service as on 1st August, 1998 and whose assignment has been extended beyond five years and in whose case the Ministry of Defence issues a certificate that they can apply for civil employment and that they will be released on three months notice on selection from the date of receipt of offer of appointment.
- (x) Upto a maximum of three years in the case of candidates belonging to Other Backward Classes who are eligible to avail of reservation applicable to such candidates.

Note : (i) The term ex-servicemen will apply to the persons who are defined as ex-servicemen in the Ex-servicemen (Re-employment in Civil Services and Posts) Rules, 1979, as amended from time to time.

Note : (II) Candidates falling under rule 5(c) (i) to (xiii) who do not belong to Scheduled Castes and Scheduled Tribes are not eligible for any concession if they have already joined any Government Job on civil side after availing of the age concession. The Ex-Servicemen who have already secured regular employment under the Central Government in a civil post are, however, permitted the benefit of age relaxation as admissible to Ex-Servicemen for securing another employment in any higher post or Service under the Central Government.

Note : (III) Candidates belonging to Other Backward Classes who are also covered under any other classes of Rule 5(c) above viz., those coming under the category of Ex-Servicemen etc. will be eligible for grant of cumulative age-relaxation under both the categories.

N.B.—The candidature of a person who is admitted to the examination under the age concession mentioned in Rule 5(b) above shall be cancelled if after submitting his application he resigns from service or his services are terminated by his department/office either before or after taking the examination. He will, however, continue to be eligible if he is retrenched from the service or post after submitting his application.

A candidate who after submitting his application to the department is transferred to other department/office will be eligible to compete under departmental age concession for the service/post for which he would have been eligible but for his transfer provided his application has been forwarded by his parent department.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by the Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University which extract must be certified by the proper authority of the University or in the Higher Secondary or an equivalent examination certificate.

No other document relating to age like horoscopes, affidavits, birth extracts from Municipal Corporation, Service records and the like will be accepted.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the institution include the alternative certificate mentioned above.

NOTE 1: Candidates should note that only the date of birth as recorded in the Matriculation/Secondary Examination Certificate or an equivalent certificate on the date of submission of application will be accepted by the Commission and no subsequent request for its change will be considered or granted.

NOTE 2: Candidates should also note that once a date of birth has been claimed by them and entered in the records of the Commission for the purpose of admission to an Examination, no change will be allowed subsequently or at any other Examination of the Commission.

6. A candidate must have—

- obtained a Degree in Engineering from a University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or other Educational Institutes established by an Act of Parliament or declared to be deemed as Universities under Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956; or
- passed Sections A and B of the Institution Examinations of the Institution of Engineers (India); or
- obtained a Degree/Diploma in Engineering from such foreign University/College/Institution and under such conditions as may be recognised by the Government for the purpose from time to time; or
- passed Graduate Membership Examination of the Institution of Electronics and Tele-communication Engineers (India); or
- passed Associate Membership Examination, Parts II and III/Sections A and B of the Aeronautical Society of India; or
- passed Associate Membership Examination (Sections A and B) of the Institution of Mechanical Engineers (India); or
- passed Graduate Membership Examination of the Institution of Electronics and Radio Engineers, London held after November, 1959.

Provided that a candidate for the posts of Engineer Group A, in Wireless Planning and Coordination Wing/Monitoring Organisation, Ministry of Communications, Indian Broadcasting (Engineers) Service and Indian Naval Armament Service (Electronics Engg. Posts) may possess any of the above qualifications or the qualification mentioned below namely :—

M.Sc degree or its equivalent with Wireless Communication Electronics, Radio Physics or Radio Engineering as a special subject.

Note 1.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him educationally qualified for this examination, but has not been informed of the result, may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but their admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation, if they do not produce proof of having passed the requisite qualifying examination alongwith the detailed

applications which will be required to be submitted by the candidates who qualifying on the result of the written part of the examination.

Note 2.—In exceptional cases, the Commission may treat a candidate who has not any of the qualifications prescribed in this rule, as educationally qualified provided that he has passed examinations conducted by other institutions the standard of which in the opinion of the Commission justifies his admission to the examination.

Note 3.—A candidate who is otherwise qualified but who has taken a degree from a foreign University which is not recognised by Government, may also apply to the Commission and may be admitted to the examination at the discretion of the Commission.

7. Candidates must pay the fee prescribed in the Commission's Notice.

8. All Candidates in Government service, whether in permanent or in temporary capacity or as workcharged employees, other than casual or daily rated employees or those serving under Public Enterprises will be required to submit an undertaking that they have informed in writing, their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employer by the Commission withholding permission to the candidates applying for/appearing at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

9. The decision of the Commission as to the acceptance of the application of a candidate and his eligibility or otherwise for admission to the examination shall be final.

The candidates applying for the examination should ensure that they fulfil all the eligibility conditions for admission to the Examination. Their admission at all the stages of examination for which they are admitted by the Commission viz. written examination and Interview Test will be purely provisional, subject to their satisfying the prescribed eligibility conditions. If on verification at any time before or after the written Examination or Interview Test it is found that they do not fulfill any of the eligibility conditions, their candidature for the examination will be cancelled by the Commission.

10. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

11. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating; or
- (iii) procuring impersonation by any person; or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with; or
- (v) making statements which are incorrect or false or suppressing material information; or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination; or
- (vii) using unfair means during the examination; or
- (viii) writing irrelevant matter including obscene language or pornographic matter in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations; or
- (xi) violating any of the instructions issued to candidates along with their admission certificates permitting them to take the examination; or
- (xii) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses;

may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; and/or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Commission from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under the Government to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and
- (ii) taking the representation if any submitted by the candidate, within the period allowed to him into consideration.

12. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for an interview for a personality test.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes or the Other Backward Classes may be summoned for an interview for a Personality Test by the Commission by applying relaxed standards if the Commission are of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for interview for a personality test on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

13. (i) After the interviews the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate, and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified at the examination shall be recommended for appointment upto the number of unreserved vacancies decided to be filled on the result of the examination.

(ii) The candidates belonging to any of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes or the Other Backward Classes may to the extent of the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and the Other Backward Classes be recommended by the Commission by a relaxed standard subject to the fitness of these candidates for selection to the Service.

Provided that the candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and the Other Backward Classes who have been recommended by the Commission without resorting to the relaxed standard referred to in this sub-rule shall not be adjusted against the vacancies reserved for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and the Other Backward Classes.

14. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

15. Subject to other provisions contained in these rules, successful candidates will be considered for appointment on the basis of the order of merit assigned to them by the Commission and the preferences expressed by them for various Services/Posts at the time of their application.

DEPARTMENTAL CANDIDATES WILL HOWEVER, BE FIRST CONSIDERED FOR APPOINTMENT TO SERVICES/POSTS IN THEIR OWN DEPARTMENT SUBJECT TO MERIT POSITION AND ONLY IN THE EVENT OF NON-AVAILABILITY OF VACANCIES THEREIN OR MEDICAL UNFITNESS OF SUCH CANDIDATES FOR THE SERVICES/POSTS UNDER THEIR OWN DEPARTMENTS. THEY SHALL BE CONSIDERED FOR APPOINTMENT TO THE SERVICES/POSTS IN OTHER MINISTRIES/DEPARTMENTS ON THE BASIS OF PREFERENCES EXPRESSED BY THEM.

16. Success in the examination confers no right to appointment unless the Government is satisfied after such an enquiry as may be considered necessary, that the candidate having regard to his character and antecedents, is suitable in all respects for appointment to the service.

17. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the service. A candidate who (after such physical examination as Government or the appointing authority, as the case may be may prescribe) is found not to satisfy those requirements will not be appointed.

All candidates who qualify for interview on the basis of written part of the examination are required to undergo medical examination on the next working day following the date of interview (there shall be no medical examination on Saturdays, Sundays and closed holidays). For this purpose the successful candidates will be required to present themselves before the Additional Chief Medical Officer, Central Hospital, Northern Railway, Basant Lane, New Delhi at 9.00 Hrs. In case the candidates are wearing glasses they should take with them the latest number of glasses to the Medical Board.

No request for change in the date of medical examination or in its venue would ordinarily be acceded to.

The candidates should note that no request for grant of exemption from the medical examination will be entertained under any circumstances.

The attention of the candidates is invited to the Regulations relating to the Physical Examination published herewith. It will be seen therefrom that the physical standards prescribed vary for different services. The candidates are therefore, advised to keep these standards in view with specific reference to services for which they have competed/expressed preferences to the UPSC.

The candidates may also please note that:

- (i) A sum of Rs. 30 (Rupees Thirty only) in cash, is required to be paid by them to the Medical Board;
- (ii) no travelling allowance will be paid for the journey performed in connection with the medical examination; and
- (iii) the fact that a candidate has been physically examined will not mean or imply that he will be considered for appointment.

THE CANDIDATES SHOULD NOTE THAT THEY WILL NOT RECEIVE ANY SEPARATE INTIMATION REGARDING MEDICAL EXAMINATION FROM THE MINISTRY OF RAILWAYS (RAILWAY BOARD).

In order to prevent disappointment, candidates are advised to have themselves examined by a Government Medical Officer of the standing of a Civil Surgeon, before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of the medical test to which candidates will be subjected before appointment and of the standards required are given in Appendix II. For the disabled/ex-Defence Services Personnel the standards will be relaxed consistent with requirements of each service.

18. No person—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person.

shall be eligible for appointment to service.

Provided that Central Government may if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

19. Candidates are informed that some knowledge of Hindi prior to entry into service would be of advantage in passing departmental examination which candidates have to pass after entry into service.

20. Brief particulars relating to the Services/Posts to which recruitment is being made through this examination are given in Appendix III.

D. P. TRIPATHI
Secretary,
Railway Board

APPENDIX I

1. The examination shall be conducted according to the following plan:—

Part I.—The written examination will comprise two sections—Section I consisting only of objective type of questions and Section II of conventional papers. Both Sections will cover the entire syllabus of the relevant engineering disciplines viz. Civil Engineering, Mechanical Engineering, Electrical Engineering and Electronics & Telecommunication Engineering. The standard and syllabi prescribed for these papers are given in Schedule to the Appendix. The details of the written examination i.e. subject, duration and maximum marks allotted to each subject are given in para 2 below:

Part II:—Personality test carrying a maximum of 200 marks of such of the candidates who qualify on the basis of the written examination.

2. The following will be the subjects for the written examination:—

Subject	Code	Duration	Maximum Marks
1	2	3	4
Category I—CIVIL ENGINEERING			
Section I—Objective Papers			
General Ability Test	01	2 hrs	200
(Part A : General English)			
(Part B : General Studies)			
Civil Engineering Paper I	11	2 hrs	200
Civil Engineering Paper II	12	2 hrs.	200
Section II—Conventional Papers			
Civil Engineering Paper I	13	3 hrs.	200
Civil Engineering Paper II	14	3 hrs.	200
TOTAL			1000
Category II— MECHANICAL ENGINEERING			
Section I—Objective Papers			
General Ability Test	01	2 hrs.	200
(Part A : General English)			
(Part B : General Studies)			
Mechanical Engineering Paper I	21	2 hrs	200
Mechanical Engineering Paper II	22	2 hrs.	200
Section II—Conventional Papers			
Mechanical Engineering Paper I	23	3 hrs.	200
Mechanical Engineering Paper II	24	3 hrs	200
TOTAL			1000

1	2	3	4
Category III—ELECTRICAL ENGINEERING			
Section I—Objective Papers			
General Ability Test (Part A : General English) (Part B : General Studies)	01	2 hrs.	200
Electrical Engineering Paper I	41	2 hrs.	200
Electrical Engineering Paper II	42	2 hrs.	200
Section II—Conventional Papers			
Electrical Engineering Paper I	43	3 hrs.	200
Electrical Engineering Paper II	44	3 hrs.	200
TOTAL			10000

Category IV—ELECTRONICS AND TELECOMMUNICATION ENGINEERING

Section I—Objective Papers			
General Ability Test (Part A : General English) (Part B : General Studies) Electronic & Telecommunication Engineering Paper I	01	2 hrs.	200
Electronic & Telecommunication Engineering Paper II	62	2 hrs.	200
Section II—Conventional Papers			
Electronics & Telecommunication Engineering Paper I	63	3 hrs.	200
Electronics & Telecommunication Engineering Paper II	64	3 hrs.	200
TOTAL			10000

3. In the Personality Test special attention will be paid to assessing the candidate's capacity for leadership, initiative and intellectual curiosity, tact and other social qualities, mental and physical energy, powers of practical application and integrity of character.

4. Conventional papers must be answered in English. Question papers will be set in English only.

5. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

6. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

7. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

8. Deduction upto five per cent of the maximum marks for the written papers will be made for illegible handwriting.

9. Credit will be given for orderly, effective and exact expression combined with due economy of words in the conventional papers of the examination.

10. In the question papers, wherever necessary, questions involving the Metric System of weights and measures only will be set.

Note :—Candidates will be supplied with tables in metric units compiled and published by the Indian Standards Institution in the examination hall for reference purpose, wherever considered necessary.

11. Candidates are permitted to bring and use battery operated pocket calculators for conventional (essay) type papers only. Loaning or inter-changing of calculators in the Examination hall is not permitted.

It is also important to note that candidates are not permitted to use calculators for answering objective type papers (Test booklets). They should not, therefore, bring the same inside the Examination Hall.

12. Candidates should use only International form of Indian numerals (e.g. 1, 2, 3, 4, 5, 6 etc.) while answering question papers.

SCHEDULE TO APPENDIX I

Standard and Syllabi

The standard of paper in General Ability Test will be such as may be expected of an Engineering/Science Graduate. The standard of papers in other subjects will approximately be that of an Engineering Degree Examination of an Indian University. There will be no practical examination in any of the subjects.

GENERAL ABILITY TEST (code No. 01)

Part A : General English : The question paper in General English will be designed to test the candidate's understanding of English and workmanlike use of words.

Part B : General Studies : The paper in General Studies will include knowledge of current events and of such matters as of everyday observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person. The paper will also include questions on History of India and Geography of a nature which candidates should be able to answer without special study.

CIVIL ENGINEERING

(For both objective and conventional type papers)

PAPER-I (Code No. 11 for objective type paper and 13 for conventional paper)

1. BUILDING MATERIALS

Timber : Different types and species of structural timber, density-moisture relationship, strength in different directions, defects, influence of defects on permissible stress, preservation, dry and wet rots, codal provisions for designs, plywood.

Bricks : Types, Indian Standard classification, absorption, saturation factor, strength in masonry, influence of mortar strength on masonry strength.

Cement : Compounds of, different types, setting times, strength.

Cement Mortar : Ingredients, proportions, water demand, mortars for plastering and masonry.

Concrete : Importance of W/C Ratio, strength, ingredients including admixtures, workability, testing for strength, elasticity, non-destructive testing, mix design methods.

2. SOLID MECHANICS

Elastic constants, stress, plane stress, Mohr's circle of stress, strains, plane strain, Mohr's circle of strain, combined stress; Elastic theories of failure; Simple bending, shear; Torsion of circular and rectangular sections and simple members.

3. STRUCTURAL ANALYSIS

Analysis of determinate structures—different methods including graphical methods.

Analysis of indeterminate skeletal frames—moment distribution, slope-deflection, stiffness and force methods, energy methods, Muller-Breslau principle and application.

Plastic analysis of indeterminate beams and simple frames—shape factors.

4. DESIGN OF STEEL STRUCTURES

Principles of working stress method. Design of connections, simple members, Built-up sections and frames. Design of Industrial roofs. Principles of ultimate load design. Design of simple members and frames.

5. DESIGN OF CONCRETE AND MASONRY STRUCTURES

Limit state design for bending, shear, axial compression and combined forces. Codal provisions for slabs, beams, walls and roofings. Working stress method of design of R. C. members.

Principles of prestressed concrete design, materials, methods of prestressing, losses, Designs of simple members and determinate structures. Introduction to prestressing of indeterminate structures.

Design of brick masonry as per I. S. Codes.

6. CONSTRUCTION PRACTICE, PLANNING AND MANAGEMENT**Concreting Equipment :**

Weight Batcher, mixer, vibrator, batching plant, concrete pump.

Cranes, hoists, lifting equipment.

Earthwork Equipment :

Power shovel, hoe, dozer, dumper, trailers and tractor, rollers, sheep foot rollers pumps.

Construction, Planning and Management :

Bar chart, linked bar chart, work-break down structures, Activity-on-arrow diagrams; Critical path, probabilistic activity durations; Event-based networks, PERT network; Time-cost study, crashing; Resource allocation.

PAPER-II (Code No. 12 for objective type paper and 14 for conventional paper)

1 (a) FLUID MECHANICS, OPEN CHANNEL FLOW, PIPE FLOW :

Fluid Properties, Pressure, Thrust, Buoyancy; Flow kinematics; Integration of flow equations; Flow measurement; Relative motion; Moment of momentum; Viscosity, Boundary layer and Control, Drag, Lift; Dimensional Analysis, Modeling; Cavitation; Flow oscillations, Momentum and energy principles in open channel flow, Flow controls, Hydraulic jump, Flow sections and properties; Normal flow, Gradually varied flow; Gorges; Flow development and losses in pipe flows; Measurement; Siphones; Surges and Water hammer; Delivery of Power; Pipe networks.

(b) HYDRAULIC MACHINES AND HYDROPOWER :

Centrifugal pumps, types, performance parameters, scaling, pumps in parallel; Reciprocating pumps, air vessels, performance parameters; Hydraulic ram, Hydraulic turbines types, performance parameters, controls, choice; Lower houses, classification and layout, storage, pondage, control of supply.

2 (a) HYDROLOGY :

Hydrological cycle, precipitation and related data analysis, PMF, unit and synthetic hydrographs; Evaporation and transpiration; Floods and their management, PMF; Streams and their gauging; River morphology; Routing of floods; Capacity of Reservoirs.

(b) WATER RESOURCES ENGINEERING :

Water resources of the globe; Multipurpose uses of Water; Soil Plant-Water relationships, irrigation systems, water demand assessment; Storages and their yields, groundwater yield and well hydraulics; Water logging, drainage design; irrigation revenue; Design of rigid boundary canals, Lacey's and Tractive force concepts in canal design, lining of canals; Sediment transport in canals; Non-overflow and overflow sections of gravity dams and their design. Energy dissipators and tailwater rating; Design of headworks, distribution works, falls, cross-drainage works, outlets; River training.

ENVIRONMENTAL ENGINEERING**3 (a) WATER SUPPLY ENGINEERING :**

Sources of supply, yields, design of intakes and conductors; Estimation of demand; Water quality standards; Control of Water-borne diseases; Primary and secondary treatment, detailing and maintenance of treatment units; Conveyance and distribution systems of treated water, leakages and control; Rural water supply; Institutional and industrial water supply.

(b) WASTE WATER ENGINEERING :

Urban rain water disposal; Systems of sewage collection and disposal; Design of sewers and sewerage systems; pumping; Characteristics of sewage and its treatment; Disposal of products of sewage treatment, streamflow rejuvenation; Institutional and industrial sewage management; Plumbing Systems; Rural and semi-urban sanitation.

(c) SOLID WASTE MANAGEMENT :

Sources, classification, collection and disposal; Design and Management of landfills.

(d) AIR AND NOISE POLLUTION AND ECOLOGY :

Sources and effects of air pollution, monitoring of air pollution; Noise pollution and standards; Ecological chain and balance, Environmental assessment.

4 (a) SOIL MECHANICS :

Properties of soils, classification and interrelationship; Compaction behaviour, methods of compaction and their choice; Permeability and seepage, flownets, Inverted filters; Compressibility and consolidation; Shearing resistance, stresses and failure; Soil testing in laboratory and in situ; Stress path and applications; Earth pressure theories, Stress distribution in soils; Soil exploration, samplers, load tests, penetration tests.

(b) FOUNDATION ENGINEERING :

Types of foundations, Selection criteria, bearing capacity, settlement, laboratory and field tests; Types of piles, and their design and layout. Foundations on expansive soils, swelling and its prevention, foundation on swelling soils.

5 (a) SURVEYING :

Classification of surveys, scales accuracy; Measurement of distances—direct and indirect methods optical and electronic devices; Measurement of directions, prismatic compass, local attraction; Theodolites-types; Measurement of elevations—Spirit and trigonometric levelling; Relief representation; Contours; Digital elevation modelling concept; Establishment of control by triangulation and traversing—measurements and adjustment of observations, computation of coordinates; Field astronomy, Concept of global positioning system; Map preparation by plane tabling and by photogrammetry; Remote sensing concepts, map substitutes.

(b) TRANSPORTATION ENGINEERING :

Planning of highway systems, alignment and geometric design, horizontal and vertical curves, grade separation; Materials and construction methods for different surfaces and maintenance; Principles of pavement design; Drainage, Traffic Surveys; Intersections, signalling; Mass transit systems, accessibility, networking.

Tunnelling, alignment, methods of construction, disposal of muck, drainage lighting and ventilation, traffic control, emergency management.

Planning of railway systems, terminology and designs relating to gauge, track, controls transits, rolling stock, tractive power and track modernisation; Maintenance; Appurtenant works, Containerisation.

Harbours—layouts, shipping lanes, anchoring, location identification; Littoral transport with erosion and deposition; Sounding methods; Dry and wet docks, components and operations; Tidal data and analysis.

Airports—layout and orientation; Runway and Taxiway design and drainage management; Zoning laws; Visual aids and air traffic control; Helipads, hangers, service equipment.

MECHANICAL ENGINEERING

(For both objective and conventional type papers)

PAPER-I (Code No. 21 for objective type paper and 23 for conventional paper)

1. Thermodynamics, Cycles and IC Engines, Basic concepts, Open and Closed systems, Heat and work, Zeroth, First and Second Law, Application to non-Flow and Flow processes, Entropy, Availability, Irreversibility and Tds relations, Clapeyron and real gas equations, Properties of ideal gases and vapours, Standard vapour, Gas power and Refrigeration cycles, Two stage compressor, C. I. and S. I. Engines, Pre-ignition, Detonation and Diesel-knock, Fuel injection and Carburation, Supercharging Turbo-prop and Rocket engines, Engine Cooling, Emission & Control, Flue gas analysis, Measurement of Calorific values, Conventional and Nuclear fuels, Elements of Nuclear power production.

2. Heat Transfer and Refrigeration and Airconditioning. Modes of heat transfer, One dimensional steady and unsteady condition, Composite slab and Equivalent Resistance, Heat dissipation from extended surfaces, Heat exchangers, Overall heat transfer coefficient Empirical correlations for heat transfer in laminar and turbulent flows and for free and forced convection, Thermal boundary layer over a flat plate, Fundamentals of diffusive and convective mass transfer, Black body and basic concepts in Radiation, Enclosure theory, Shape factor, Net work analysis, Heat pump and Refrigeration cycles and systems, Refrigerants, Condensers, Evaporators and expansion devices, Psychrometry, Charts and application to air conditioning, Sensible heating and cooling, Humidity ratio, Comfort indices, Load calculations, Solar refrigeration, Controls, Duct design.

3. FLUID MECHANICS

Properties and classification of fluids, Manometry, Forces on immersed surfaces, Center of pressure, Buoyancy, Elements of stability of floating bodies, Kinematics and Dynamics, Irrotational and incompressible, inviscid flow, Velocity potential, Pressure field and Forces on immersed bodies, Bernoulli's equation, Fully developed flow through pipes, Pressure drop calculations, Measurement of flow rate and Pressure drop, Elements of boundary layer theory, Integral approach, Laminar and turbulent flows, Separations, Flow over weirs and notches, Open channel flows, Hydraulic jump, Dimensionless numbers, Dimensional analysis, Similitude and modelling, One-dimensional isentropic flow, Normal shock wave, Flow through convergent-divergent ducts, Oblique shock-wave, Rayleigh and Fanno lines.

4. FLUID MACHINERY AND STREAM GENERATORS

Performance, Operation and control of hydraulic Pump and impulse and reaction Turbines, Specific speed, Classification, Energy transfer, Coupling, Power transmission, Steam generators, Fire-tube and water-tube boilers, Flow of steam through Nozzles and Diffusers, Wetness and condensation, Various types of steam and gas Turbines, Velocity diagrams, Partial admission, Reciprocating, Centrifugal and axial flow Compressors, Multi-stage compression role of Mach Number, Reheat, Regeneration, Efficiency, Governance.

Paper-II Code (No. 22 for objective type paper and 24 for conventional paper)

5. Theory of Machines:

Kinematic and dynamic analysis of planar mechanisms, Cam's, Gears and gear trains, Flywheels, Governors, Balancing of rigid rotor and field balancing, Balancing of single and multicylinder engines, Linear vibration analysis of mechanical systems, Critical speeds and whirling of shafts, Automatic Controls.

6. Machine Design:

Design of joints: cotters, keys, splines, welded joints, Threaded fasteners, joints formed by interference fits.

Design of friction drives: couplings and clutches, belt and chain drives, power screws.

Design of Power transmission systems: gears and gear drives, shaft and axle, wire ropes.

Design of bearings: Hydrodynamic bearings and rolling element bearings.

7. Strength of Materials:

Stress and strain in two dimensions, Principal stresses and strains, Mohr's construction, linear elastic materials, isotropy and anisotropy, stress-strain relations, uniaxial loading, thermal stresses, Beams: Bending moment and shear force diagram, bending stresses and deflection of beams, Shear stress distribution, Torsion of shafts, helical springs, Combined stresses, thick and thin-walled pressure vessels struts and columns, Strain energy concepts and theories of failure.

8. Engineering Materials:

Basic concepts on structure of solids, Crystalline materials, Defects in crystalline materials, Alloys and binary phase diagrams, structure and properties of common engineering materials, Heat treatment of steels, Plastics, Ceramics and composite materials, Common applications of various materials.

9. Production Engineering:

Metal Forming: Basic Principles of Forging, drawing and extrusion; High energy rate forming; Powder metallurgy.

Metal Casting: Die casting, investment casting, Shell Moulding, Centrifugal Casting, Gating & Rising design; melting furnaces.

Fabrication Processes: Principles of Gas, Arc, Shielded arc Welding; Advanced Welding Processes, Weldability; Metallurgy of Welding.

Metal Cutting: Turning, Methods of Screw Production, Drilling, Boring, Milling, Gear Manufacturing, Production of flat surfaces, Grinding & Finishing Processes, Computer Controlled Manufacturing Systems—CNC, DNC, FMS, Automation and Robotics.

Cutting Tool Materials, Tool Geometry, Mechanism of Tool Wear, Tool Life & Machinability; Measurement of cutting forces, Economics of Machining, Unconventional Machining Processes, Jigs and Fixtures, Fits and tolerances, Measurement of surface texture, Comparators, Alignment tests and reconditioning of Machine Tools.

10. Industrial Engineering:

Production Planning and Control: Forecasting—Moving average, exponential smoothing, Operations scheduling; assembly line balancing, Product development, Break-even analysis, capacity planning, PERT and CPM.

Control Operations: Inventory control—ABC analysis, EOQ model, Materials requirement planning, Job design, Job standards, Work measurement, Quality Management—Quality analysis and control.

Operations Research: Linear programming—Graphical and Simplex methods, Transportation and assignment models, Single server queuing model.

Value Engineering: Value analysis for cost value.

11. Elements of Computation:

Computer Organisation, Flow charting, Features of Common Computer Languages—FORTRAN, d Base III, Lotus 1-2-3, C and elementary programming.

ELECTRICAL ENGINEERING

(For both objective and conventional type papers)

PAPER—I (Code No. 41 for objective type paper and 43 for conventional paper)

1. KM Theory

Electric and magnetic fields, Gauss's Law and Ampere's Law, Fields in dielectrics, conductors and magnetic materials, Maxwell's equations, Time varying fields, Plane-Wave propagation in dielectric and conducting media, Transmission lines.

2. Electrical Materials

Band Theory. Conductors, Semi-conductors and Insulators. Super-Conductivity. Insulators for electrical and electronic applications. Magnetic materials. Ferro and ferri magnetism. Ceramics, properties and applications. Hall effect and its applications. Special semiconductors.

3. Electrical Circuits

Circuit elements. Kirchoff's Laws. Mesh and nodal analysis. Network Theorems and applications. Natural response and forced response. Transient response and steady-state response for arbitrary inputs. Properties of networks in terms of poles and zeros. Transfer function. Resonant circuits. Three-phase circuits. Two port networks. Elements of two-element network synthesis.

4. Measurements and Instrumentation

Units and Standards. Error analysis. Measurement of current, Voltage, Power, Power-factor and energy. Indicating instruments. Measurement of resistance, inductance, Capacitance and frequency. Bridge measurements. Electronic measuring instrument. Digital Voltmeter and frequency counters. Transducers and their applications to the measurement of non-electrical quantities like temperature, pressure, flow-rate displacement, acceleration, noise level etc. Data acquisition systems. A/D and D/A Converters.

5. Control Systems

Mathematical modelling of physical systems. Block diagrams and signal flow graphs and their reduction. Time domain and frequency domain analysis of linear dynamical system. Errors for different type of inputs and stability criteria for feedback systems. Stability analysis using Routh-Hurwitz array, Nyquist plot and Bode plot. Root locus and Nichols chart and the estimation of gain and phase margin. Basic concepts of compensator design. State variable matrix and its use in system modelling and design. Sampled data system and performance of such a system with the samples in the error channel. Stability of sampled data system. Elements of nonlinear control analysis. Control system component electromechanical, hydraulic pneumatic components.

PAPER-II (Code No. 42 for objective type paper and 44 for conventional paper)

1. Electrical Machines and power transformers

Magnetic Circuits—Analysis and Design of Power transformers. Construction and testing. Equivalent circuits. losses and efficiency. Regulation. Auto-transformer. 3-phase transformer. Parallel operation.

Basic concepts in rotating machines. EMF, torque, basic machine types. Construction and operation, leakage, losses and efficiency.

D.C. Machines, Construction. Excitation methods, Circuit models. Armature reaction and commutation. Characteristics and performance analysis. Generators and motors. Starting and speed control. Testing. Losses and efficiency.

Synchronous Machines. Construction. Circuit model. Operating characteristics and performance analysis. Synchronous reactance. Efficiency. Voltage regulation. Salient pole machine. Parallel operation. Hunting. Short circuit transients.

Induction Machines. Construction. Principle of operation. Rotating fields. Characteristics and performance analysis. Determination of circuit model. Circle diagram. Starting and speed control.

Fractional KW motors. Single-phase synchronous and induction motors.

2. Power systems

Types of power Stations. Hydro, Thermal and Nuclear Stations. Pumped storage plants. Economics and operating factors.

Power transmission lines. Modeling and performance characteristics. Voltage control. Load flow studies. Optimal power system operation. Load frequency control. Symmetrical short circuit analysis. ZBus formulation. Symmetrical Components. Per unit representation. Fault analysis. Transient and steady-state stability of power systems. Equal area criterion.

Power system Transients. Power system Protection. Circuit breakers. Relays. HVDC transmission.

3. Analog and Digital Electronics and Circuits

Semiconductor device physics, PN junctions and transistors. circuits, models and parameters, FET, Zener, tunnel, Schottky, photo diodes and their applications, rectifier circuits, voltage regulators and multipliers, switching behaviour diodes and transistors.

Small signal amplifiers, biasing circuits, frequency response and improvement, multistage amplifiers and feed-back amplifiers, D.C. amplifiers, Oscillators. Large signal amplifiers, coupling methods, push pull amplifiers, operational amplifiers, wave shaping circuits. Multivibrators and flip-flops and their applications. Digital logic gate families, universal-gates—combinational circuits for arithmetic and logic operation, sequential logic circuits. Counters, Registers, RAM and ROMs.

4. Microprocessors

Microprocessor architecture—Instruction set and simple assembly language programming. Interfacing for memory and I/o. Applications of Microprocessors in power system.

5. Communication Systems

Types of modulation; AM, FM and PM, Demodulators, Noise and bandwidth considerations. Digital communication systems. Pulse code modulation and demodulation. Elements of sound and vision broadcasting. Carrier communication. Frequency division and time division multiplexing. Telemetry system in power engineering.

6. Power Electronics

Power Semiconductor devices, Thyristor, Power transistor, GTOs and MOSFETs. Characteristics and operation. AC to DC Converters; 1-phase and 3-phase DC to DC Converters.

AC regulators. Thyristor controlled reactors, switched capacitor networks.

Inverters : Single-phase and 3-phase. Pulse width modulation. Sinusoidal modulation with uniform sampling. Switched mode power supplies

ELECTRONICS & TELECOMMUNICATION ENGINEERING

(For both objective and conventional type papers)

PAPER—I (Code No. 61 for objective type paper and 63 for conventional paper)

1. Materials and Components

Structure and properties of Electrical Engineering materials. Conductors, Semiconductors and Insulators. Magnetic. Ferroelectric, Piezoelectric, Ceramic, Optical and Superconducting materials. Passive components and characteristics. Resistors, Capacitors and Inductors; Ferrites, Quartz crystal, Ceramic resonators, Electromagnetic and Electro-mechanical components.

2. Physical Electronics, Electron Devices and ICs

Electrons and holes in semiconductors, Carrier Statistics. Mechanism of current flow in a semiconductor, Hall effect. Junction theory: Different types of diodes and their characteristics; Bipolar Junction transistor; Field effect transistors. Power switching devices like SCRs, CTOs, power MOSFETs. Basics of ICs—bipolar, MOS and CMOS types; Basics of Opto Electronics.

3. Signals and Systems

Classification of signals and systems; System modelling in terms of differential and difference equations; State variable representation; Fourier series; Fourier transforms and their application to system analysis; Laplace transforms and their application to system analysis; Convolution and superposition integrals and their applications; Z-transforms and their applications to the analysis and characterisation of discrete time systems; Random signals and probability, Correlation functions; Spectral density; Response of linear system to random inputs.

4. Network theory

Network analysis techniques : Network theorems, transient response, steady state sinusoidal response; Network graphs and their applications in network analysis; Tellegen's theorem. Two port networks : Z, Y, h and transmission parameters. Combination of two ports, analysis of common two ports. Network functions : parts of network functions, obtaining a network function from a given part. Transmission criteria : delay and rise time, Elmore's and other definition effect of cascading. Elements of network synthesis.

5. Electromagnetic Theory

Analysis of electrostatic and magnetostatic fields; Laplace's and Poisson's equations; Boundary value problems and their solutions; Maxwell's equations : application to wave propagation in bounded and unbounded media; Transmission lines : basic theory, standing waves, matching applications, microstrip lines; Basics of waveguides and resonators; Elements of antenna theory.

6. Electronic Measurements and instrumentation

Basic concepts, standards and error analysis; Measurements of basic electrical quantities and parameters; Electronic measuring instruments and their principles of working : analog and digital, comparison, characteristics, applications. Transducers; Electronic measurements of non-electrical quantities like temperature, pressure, humidity etc. Basics of telemetry for industrial use.

PAPER-II (Code No. 62 for objectivetype paper and 64 for conventional paper)

1. Analog Electronic Circuits :

Transistor biasing and stabilization. Small signal analysis. Power amplifiers, Frequency response. Wide banding techniques. Feedback amplifiers. Tuned amplifiers. Oscillators. Rectifiers and power supplies. Op Amp. PLL, other linear integrated circuits and applications. Pulse shaping circuits and waveform generators.

2. Digital Electronic Circuits :

Transistor as a switching element; Boolean algebra, simplification of Boolean functions, Karnaugh map and applications; IC Logic gates and their characteristics; IC logic families : DTL, TTL, ECL, NMOS, PMOS and CMOS gates and their comparison; Combinational logic circuits; Half adder, Full adder; Digital comparator; Multiplexer Demultiplexer; ROM and their applications. Flip-flops, R-S, J-K, D and T flip-flops; Different types of counters and registers; Waveform generators. A/D and D/A converters. Semiconductor memories.

3. Control Systems :

Transient and steady state response of control systems; Effect of feedback on stability and sensitivity; Root locus techniques; Frequency response analysis. Concepts of gain and phase margins; Constant-M and Constant-N Nichol's Chart; Approximation of transient response from Constant-N Nichol's Chart; Approximation of transient response from closed loop frequency response; Design of Control Systems, Compensators; Industrial controllers.

4. Communication Systems :

Basic information theory; Modulation and detection in analogue and digital systems; Sampling and data reconstruction. Quantization & Coding; Time division and frequency division multiplexing; Equalization; Optical Communication : in free space & fibre optic; Propagation of signals at HF VHF, UHF and microwave frequency; Satellite Communication.

5. Microwave Engineering :

Microwave Tubes and solid state devices, Microwave generation and amplifiers, Waveguides and other Microwave Components and Circuits, Microstrip circuits. Microwave Antennas, Microwave Measurements, Masers Lasers; Microwave Propagation. Microwave Communication Systems—terrestrial and Satellite based.

6. Computer Engineering :

Number Systems. Data representation; Programming; Elements of a high level programming language PASCAL/C; Use of basic data structures; Fundamentals of computer architecture Processor design; Control unit design; Memory organisation. I/O System Organisation. Microprocessors : Architecture and instruction set of Microprocessors 8085 and 8086. Assembly language Programming; Microprocessor based system design : typical examples. Personal computers and their typical uses.

APPENDIX II

REGULATIONS RELATING TO THE PHYSICAL EXAMINATION OF CANDIDATES

[These regulations are published for the convenience of candidates and in order to enable them to ascertain the probability of their coming up to the required physical standard. The regulations are also intended to provide guidelines to the medical examiners and a candidate who does not satisfy the minimum requirements prescribed in the regulations, cannot be declared fit by the medical examiners. However, while holding that a candidate is not fit according to the norms laid down in these regulations, it would be permissible for a Medical Board to [recommended] to the Government of India for reasons specifically recorded in writing that he may be admitted to service without disadvantage to Government.

2. It should however, be clearly understood that the Government of India reserve to themselves absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board].

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

2. Every candidate will be medically examined at Central Hospital, Basant Lane, New Delhi on the next day of their personality test or on the date and place as decided by the Ministry of Railways (Railway Board irrespective of the fact that he/she had appeared for such medical examination in the past and found fit or unfit on the basis of earlier examination. IN CASE A CANDIDATE ATTENDS THE PERSONALITY TEST BUT ABSTAINS FROM MEDICAL EXAMINATION FOR ANY REASON WHATSOEVER.

(a) He/She shall be required to seek prior permission from Railway Board [DDE (GR)] to abstain from medical examination.

(b) In case due to any exigencies, prior permission could not be obtained, the candidate shall be required to contact personally the concerned authority in the Ministry of Railways within 15 days of the date of Personality test alongwith the documentary evidence in support of reasons for such abstention and also reasons for not seeking prior permission. No TA DA shall be paid.

Under no circumstances any request made after 15 days of date of personality test shall be entertained.

It is in candidate's interest to come prepared with all the details/documents. The incomplete representation as above shall be considered as no representation and will render the candidate liable to be omitted for allotment of any service/post on the basis of ESE 1998. The decision of Ministry of Railways in this regard is final and binding on the candidate. IT MAY ALSO BE NOTED THAT IF A CANDIDATE LEAVES THE HOSPITAL WITHOUT COMPLETION OF MEDICAL EXAMINATION, IT WILL BE PRESUMED THAT HE HAS NOT APPEARED AT ALL and he shall not be allotted to any service on the basis of ESE 1998.

3. (a) In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of Indian (including Anglo-Indian) race, it is left to the Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates. If there be any disproportion with regard to height, weight and chest girth, the candidates should be hospitalised for investigation and X-ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not by the Board.

(b) However, for certain Services the minimum standards for height and chest girth, without which candidate cannot be accepted are as follows :—

Name of Services	Height	Chest girth fully expanded	Expansion
Railway Engineering Service (Civil, Electrical, Mechanical and Signal) and Central Engineering Service Group A and Central Electrical Engineering Service Group A in the C.P.W.D.			
(a) For Male candidates	152 cm.	84 cm.	5 cm.
(b) For Female candidates	150 cm.	79 cm.	5 cm.

The minimum height prescribed is relaxable in case of candidates belonging to Scheduled Tribes and to races such as Gorkhas, Garhwalis, Assamese, Nagaland Tribes, etc., whose average height is distinctly lower.

(c) For the Indian Ordnance Factories Service Group A a minimum expansion of 5 centimetres will be required in the matter of measurement of the chest.

4. The candidates height will be measured as follows :—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and no, on the toes or other sides of the feet. He will stand erect without rigidly and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard, the chin will be repressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres and parts of a centimetres to halves.

5. The candidate's chest will be measured as follows :—

He will be made to stand erect with his feet together and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the interior angles of the shoulders, blades behind and lies in the same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side and

care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted and the minimum and maximum will then be recorded in centimetres, 83—89, 86—93.5 etc. In recording the measurements fraction of less than half a centimetre should not be noted.

N.B.—The height and chest of the candidate should be measured twice before coming to a final decision.

6. The candidate will also be weighted and his weight recorded in kilograms—fraction of a kilogram should not be noted.

7. The candidate's eye-sight will be tested in accordance with the following rules. The result of each test will be recorded :—

- (i) General.—The candidate's eyes will be submitted to a general examination directed to the detection of any disease or abnormality. The candidate will be rejected if he suffers from any morbid conditions of eye, eyelids or contiguous structure of such a sort as to render or are likely at future date to render him unfit for Service.
- (ii) Visual Acuity.—The examination for determining the acuteness of vision includes two tests—one for distant the other for near vision. Each eye will be examined separately.

There shall be no limit for maximum naked eye vision but the naked eye vision of the candidates shall however, be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case as it will furnish the basic information in regard to the conditions of the eye.

The standards for distant and near vision with or without glasses shall be as follows :—

Service	Distant Vision		Near Vision	
	Better Eye (corrected Vision)	Worse Eye	Better Eye (corrected Vision)	Worse Eye
1	2	3	4	5
A. Technical				
1. Railway Engineering Service (Civil, Electrical, Mechanical and Signal)	6/6 OR 6/9	6/12 6/9	J/I	J/I
2. Central Engineering Service Group A	6/6	6/12	J/I	J/I
Central Electrical and Mechanical Engineering Service Group A Indian Inspection Service Group 'A' Central Water Engineering Service Group A. Central Power Engineering Service Group A. Central Engineering Service (Roads) Group A and Indian Telecommunication Service Group A Assistant Executive Engineer (Civil or	6/9	6/9		

1	2	3	4	5
Electrical) in P&T Building Works (Group 'A') Service. Post of Engineer Group A in WP & C Wing/Monitoring Organisation, Minis- try of Communica- tions, Indian Broad- casting (Engineers) Service, Indian Naval Armament Service, Indian Ordnance Fac- to ries Service Group A Border Road Engi- neering Service Group "A"				
3. Military Engineer Service Group 'A', Assistant Executive Engineer (Group A) and Assistant Engineer (Group 'B') in the Corps of EME Assistant Manager (Factories) Group 'A' P&T Telecommunication Factories Organisation B. N n Technical	6/6 OR 6/9	6/18 6/9	j/I	j/II
4. Indian Railway Stores Service and Indian Supply Service Group 'A'	6/9	6/12	j/I	j/II

NOTE (1)

(a) In respect of the Technical Services mentioned at A above, the total amount of myopia (including the cylinder) shall not exceed—4.00 D. Total amount of Hypermetropia (including the cylinder) shall not exceed + 4.00D.

Provided that in case a candidate in respect of the Services classified as "Technical" (other than the Services under the Ministry of Railways) is found unfit on grounds of high myopia the matter shall be referred to a special boards of three Ophthalmologists to declare whether this myopia is Pathological or not. In case it is not pathological the candidate shall be declared fit provided he fulfils the visual requirements otherwise.

(b) In every case of myopia fundus examination should be carried out and the results recorded. In the event of any pathological condition being present which is likely to be progressive and affect the efficiency of the candidate, he shall be declared unfit.

NOTE (2)

The testing of colour vision shall be essential in respect of the technical Services mentioned at A above except the Indian Telecommunication Service Group A.

Colour preception should be graded into higher and lower grade depending upon the size of aperture in the lantern as described in the table below :

Grade	Higher Grade of colour perception	Lower Grade of colour perception
1. Distance between the lamp and the candidate	16'	16'
2. Size of aperture	1.3 mm	13 mm
3. Times of exposures	5 seconds	5 seconds

For the Railway Engineering Services (Civil, Electrical, Signal and Mechanical) and other service connected with the safety of the public, higher grade of colour vision is essential but for others lower grade of colour vision should be considered sufficient.

The categories of Service/posts which require higher or lower grade colour preception are as indicated below :—

Technical Services or posts requiring higher grade colour Preception

- (i) Railway Engineering Services.
- (ii) Military Engineering Service (IDSE) and Surveyor Cadre).
- (iii) Survey of India Group 'A' Service.
- (iv) Central Engineering Service (Roads).
- (v) Central Power Engineering Service
- (iv) Assistant Manager (Factories) Group 'A' (P&T) Telecom. Factories Organisation.
- (vii) Border Roads Engineering Service, Group 'A'.
- (viii) Assistant Executive Engineer (Group A) and Assistant Engineer (Group B) in the Corps of EME.
- (ix) Indian inspection Service.

Technical Services or posts requiring lower grade colour preception

- (i) Central Engineering Service.
- (ii) Central Electrical and Mechanical Engineering Service.
- (iii) Indian Naval Armament Service.
- (iv) Indian Ordnance Factory Service.
- (v) Central Water Engineering Service.
- (vi) Assistant Executive Engineer (Civil & Electrical in P&T Building Works (Group 'A') Service.
- (vii) Junior Scale in Indian Broadcasting (Engineers) Service.
- (viii) Engineer Group 'A' in Wireless Planning and Co-ordination Wing/Monitoring Organisation.

Satisfactory colour vision constitutes recognition of signal red, green and white colours with ease and without hesitation. Both the Ishihara's plates and Edrings Green's lantern shall be used for testing colour vision.

NOTE (3) Field of vision—The field of vision shall be tested in respect of all Services by the confrontation method Where such test gives unsatisfactory or doubtful results the field of vision should be determined on the perimeter.

NOTE (4) For Night Blindness.—Night blindness need not be tested as a routine but only in special cases. No standard test for the testing of night blindness or dark adaption is prescribed. The Medical Board should be given the discretion to improvise such rough test e.g. recording of visual acuity with reduced illumination or by making the candidate recognise various objects in a darkened room after he has been there for 20 to 30 minutes. Candidates own statements should not always be relied upon but they should be given due consideration.

NOTE (5) For Central Engineering Services the Candidates may be required to pass the colour vision test and undergo test for night blindness when considered necessary by the Medical Board. For Survey of India Group 'A' Service the candidate may be required to pass a 'stereoscopic fusion' test.

NOTE (6) Ocular conditions, other than visual acuity—
(a) Any organic disease or a progressive refractive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered as a disqualification.

(b) Squint.—For Technical Services mentioned at A above where the presence of binocular vision is essential, squint even if the visual acuity is of the prescribed standard should be considered as a disqualification. For other Services the presence of squint should not be considered as a disqualification, if the visual acuity is of the prescribed standard.

(c) If a person has one eye or if he has one eye which has normal vision and the other eye is amblyopic or has sub-normal vision, the usual effect is that the person lacks stereoscopic vision for perception of depth. Such vision is not necessary for many civil posts. The medical board may recommend as fit, such persons provided the normal eye has—

- (i) 6/6 distant vision and J/1 near vision with or without glasses provided the errors in any meridian is not more than 4 dipters for distant vision.
- (ii) has full field of vision.
- (iii) normal colour vision wherever required.

Provided the board is satisfied that the candidate can perform all the functions for the particular job in question.

The above relaxed standard of visual acuity will NOT apply to candidates for Post/Services classified as "TECHNICAL".

NOTE (7) Contact Lenses :—During the medical examination of a candidate, the use of contact lenses is not to be allowed.

NOTE (8) It is necessary that when conducting eye test the illumination of the type letters for distant vision should have an illumination of 15 foot candles.

NOTE (9) It shall be open to Government to relax any one of the conditions in favour of any candidate for special reasons.

8. Blood pressure.

The Board will use its discretion regarding Blood Pressure. A rough method of calculating normal, maximum, systolic pressure is as follows :—

- (i) With young subjects 15—25 years of age the average is about 100 plus age.
- (ii) With subject over 25 years of age general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory.

N.B.—As a general rule any systolic pressure over 140 mm and diastolic over 90 mm should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalisation report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc. or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-ray and electro cardiographic examination of heart and blood urica clearance test should also be done as routine. The final decision as to the fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the Medical Board only.

Method of taking Blood Pressure

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise of excitement. Provided the patient and particularly his arm is relaxed, he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be free from cloths to the shoulder. The cuff completely deflated, should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm, and its lower edge an inch or two above the bend of the elbow. The following turns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied highly and centrally over it below, but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to above 200 mm. Hg. and then slowly deflated. The level at which the column stand when soft successive sounds are heard represents the Systolic Pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard

to increase in intensity. The level at which the well heard clear sounds change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurements should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and will vitiate the readings. Re-checking if necessary, should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff. (Sometimes as the cuff is deflated sounds are heard at a certain level they may disappear as pressure falls and reappear at a still lower level. This 'Silent Gap' may cause error in reading).

9. The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the results recorded. Where a Medical Board finds sugar present in a candidate's urine by the usual chemical tests the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of diabetes. If, except for the glycosuria the Board finds the candidate conforms to the standards of medical fitness required they may pass the candidate "fit subject to the Glycosuria being non-diabetic" and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical specialist will carry out whatever examinations, clinical and laboratory he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test and will submit his opinion to the Medical Board upon which the Medical Board will base its final opinion fit or unfit. The candidates will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain candidate for several days in hospital under strict supervision.

10. A woman candidate who has a result of test is found to be pregnant of 12 weeks standing or over should be declared temporary unfit until the confinement is over. She should be re-examined for a fitness certificate six weeks after the date of confinement subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

11. The following additional points should be observed :—

(a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case it is defective the candidate should be got examined by the ear specialist. Provided that if the defect in hearing is remediable by operation or by use of a hearing aid a candidate cannot be declared unfit on that account provided he/she has no progressive disease in the ear. This provision is not applicable in the case of Railway Services, other than Indian Railway Stores Services, the Military Engineer Services, the Indian Telecommunication Service Group A, Central Engineering Service Group A, Central Electrical Engineering Service Group 'A' and the Border Roads Engineering Service Group 'A'. The following are the guidelines for the medical examining authority in this regard :—

1	2	3
(1) Marked or total deafness in one ear other being normal	Fit for non-technical jobs if the deafness is upto 30 decibels in higher frequency.	
(2) Perceptive deafness in both ears in which some improvement is possible by a hearing aid	Fit in respect of both technical and non-technical jobs in the deafness is upto 30 decibels in speech frequencies of 1000 to 4000.	
(3) Perforation of tympanic membrane of Central or marginal type	(i) One ear normal other ear Perforation of tympanic membrane present temporarily unfit under improved Conditions of Ear Surgery a candidate with marginal or other Perforation in both ears should be given a chance by declaring him temporarily unfit and	

1	2	3
		then he may be considered under (ii) below.
		(ii) Marginal or attic perforation in both ears—Unfit.
		(iii) Central perforation both ears—Temporarily unfit.
(4) Ears with mastoid cavity subnormal hearing on one side/on both sides		(i) Either ear normal hearing other ear, Mastoid cavity—Fit for both technical and non-technical jobs. (ii) Mastoid cavity of both sides. Unfit for technical jobs—Fit for non-technical jobs if hearing improves to 30 decibels in either ear with or without hearing aid
(5) Persistently discharging ear operated/unoperated		Temporarily Unfit for both technical and non-technical jobs.
(6) Chronic Inflammatory/allergic conditions of nose with or without bony deformities of nasal septum		(i) A decision will be taken as per circumstance of individual cases. If deviated nasal septum is present with symptoms Temporarily Unfit.
(7) Chronic inflammatory condition of tonsils and/or Larynx		(i) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx—Fit. (ii) Hoarseness of voice of severe degree if Present then temporarily Unfit.
(8) Benign or locally malignant tumours of the E.N.T.		(i) Benign tumours—Temporarily Unfit. (ii) Malignant Tumours—Unfit.
(9) Otosclerosis		If the hearing is within 30 decibels after operation or with the help of hearing aid—Fit.
(10) Congenital defects of ear, nose or throat		(i) If non-interfering with functions—Fit (ii) Stuttering severe degree—Unfit.
(11) Nasal poly		Temporarily Unfit.

(b) that his/her speech is without impediment;

(c) that his/her teeth are in good order and he/she is provided with dentures where necessary for effective mastication (well filled teeth) will be considered as sound;

(d) that the chest is well formed and his chest expansion is sufficient; and that his heart and lungs are sound;

(e) that there is no evidence of any abdominal disease;

(f) that he is not ruptured;

(g) that he does not suffer from hydrocele, varicose, veins or piles;

(h) that his limbs, hands and feet are well formed and developed and that there is free and perfect motion of all his joints;

(i) that he does not suffer from any invertebrate skin disease;

(j) that there is no congenital malformation or defect;

(k) that he does not bear traces of acute chronic disease pointing to an impaired constitution;

(l) that he bears marks of efficient vaccination;

(m) that he is free from communicable disease.

12. Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs which may not be apparent by ordinary physical examination.

In case of doubt regarding health of a candidate the Chairman of the Medical Board may consult a suitable Hospital Specialist to decide the issue of fitness or unfitness of the candidate for Government Service e.g. if a candidate is suspected to be suffering from any mental defect or aberration; the Chairman of the Board may consult a Hospital psychiatrist/psychologist etc.

When any defect is found it must be noted in the Certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not, it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

13. The Candidates who desire to file an appeal against the decision of the Medical Board are required to deposit an appeal fee of Rs. 50/- in such a manner as may be prescribed by the Government of India, Ministry of Railways (Railway Board) in this behalf. This fee will be refundable only to those candidates who are declared fit by the Appellate Medical Board whereas in the case of others it will be forfeited. Alongwith, appeal the candidates must, submit a medical certificate by a registered doctor specifically mentioning that he is aware of the candidate having been declared unfit by a Medical Board. Candidates must have a copy of this certificate when they present themselves before the Medical Board. The appeals should be submitted within 21 days of the date of communication in which the decision of the first Medical Board is conveyed to the candidate; otherwise request for medical examination by an Appellate Medical Board will not be entertained. The medical examination by the Appellate Medical Board will be arranged only at a candidate's own cost. No travelling allowance or daily allowance will be admissible for the journeys performed in connection with the medical examination of the Appellate Medical Board. Necessary action to arrange medical examination by the Appellate Medical Board will be taken by the Ministry of Railways (Railway Board) on receipt of appeals accompanied by the prescribed fee within the stipulated time.

14. The decision of the Appellate Medical Board will be final and no appeal shall be against the same.

Medical Board's Report

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner :

1. The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance of the age and length of service if any of the candidate concerned.

No person will be deemed qualified for admission to the Public Service who shall not satisfy..... Government or the appointing authority as the case may be that he has no disease constitutional affliction or bodily infirmity, unfitting him or likely to unfit him for that service.

It should be understood that the question of fitness involves the future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is

to secure continuous effective service and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension or payments in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service, and that rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which in only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

A lady doctor will be co-opted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

The report of the Medical Board should be treated as confidential.

In case where a candidate is declared unfit for appointment in the Government service the ground for rejection may be communicated to the candidate in broad terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

In case where a Medical Board considers that a minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board. There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to this effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

In the case of candidates who are to be declared 'Temporarily Unfit' the period specified for re-examination should not ordinarily exceed six months at the maximum. On re-examination after the specified period these candidates should not be declared temporarily unfit for a further period but a final decision in regard to their fitness for appointment or otherwise should be given.

The Medical re-examination shall be deemed to be part of the 1st Medical Examination and candidates may, if they so desire, appeal against its decision.

(a) Candidate's statement and declaration.

The candidate must make the Statement required below prior to his Medical Examination and must sign the declaration 'appended thereto'. Their attention is specially directed to the warning contained in the Note below—

1. State your name in full (block letters)

.....
.....
.....
.....

2. State your age and birth place

2. (a) Do you belong to races such as Gorkhas, Garhwalis, Assamese Nagaland Tribals etc. whose average height is distinctly lower? Answer 'Yes' or 'No' and if the answer is 'Yes', state the name of the race.

3. (a) Have you ever had small-pox, intermittent or any other fever, enlargement or suppuration of glands, spitting of blood asthma, heart disease, lungs disease, fainting, attacks, rheumatism appendicitis;

(b) Any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment?

.....
.....
.....

4. Have you suffered from any form of nervousness due to over-work or any other cause.

.....
.....
.....

5. Furnish the following particulars concerning your family —

Father's age if living and state of health	Father's age at death and cause of death	No. of brothers living, their ages and state of health	No. of brothers dead, their ages at and cause of death
(1)	(2)	(3)	(4)

.....
.....
.....
.....

Mother's age if living and state of health	Mother's age at death and cause of death	No. of sisters living, their ages and state of health	No. of sisters dead, their ages at and cause of death
(5)	(6)	(7)	(8)

.....
.....
.....
.....
.....

6. Have you been examined by a Medical Board before?

.....
.....

7. If answer to the above is 'Yes' please state what Service(s)/post(s) you were examined for?

8. Who was the examining authority?

9. When and where was the Medical Board held?

.....
.....
.....

10. Result of the Medical Board's examination, if communicated to you or if known

.....
.....

I declare all the above answers to be true and correct to the best of my belief.

Candidate's Signature

Signed in my presence

Signature of Chairman of the Board

Note—The candidate will be held responsible for the accuracy of the above statement. By wilfully suppressing any information he will incur the risk of losing the appointment and, if appointed of for feigning all claims to Superannuation Allowance or Gratuity.

(b) Report of the Medical Board on (name of candidate) Physical examination.

1. General development
Good Fair Poor Nutrition
Thin average Obese Height
(without shoes) weight Best Weight

When ? Any recent change in weight
temperature

Girth of chest :—

(1) (After full inspiration)

(2) (After full expiration)

2. Skin Any obvious disease

3. Eyes

(1) Any disease

(2) Night Blindness

(3) Defect in colour vision

(4) Field of vision

(5) Visual acuity

(6) Fundus Examination

Acuity of vision	Naked eye	with glasses	Strength of glasses		
			Sph	Cyl	Axis I
Distant vision		R.E. L.E.			
Near vision		R.E. L.E.			
Hypermat- ropia (Manifest)		R.E. L.E.			

4. Ears : Inspection
Hearing Right Ear
Left Ear.

5. Glands Thyroid

6. Condition of teeth

7. Respiratory System : Does physical examination reveal anything abnormal in the respiratory organs.
.....
.....

If yes, explain fully
.....

8 Circulatory system :

(a) Heart : Any organic lesions
Rate Standing
After hopping 25 times
Two minutes after hopping
(b) Blood Pressure : Systolic
Diastolic

9. Abdomen : Girth Tenderness.....
Hernia

(a) Palpable Liver Spleen

Kidneys

Tumours

(b) Haemorrhoids Fistula

10. Nervous System : Indication of nervous or mental disabilities

11. Loco-Motor System : Any abnormality

12. Genito Urinary System : Any evidence of Hydrocele, varicocele etc. Urine analysis :

(a) Physical Appearance

(b) Sp. Gr.

(c) Albumen

(d) Sugar

(e) Casts

(f) Cells

13. Report of X-Ray Examination of Chest

14. Is there anything in the health of the candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the Service for which he is a candidate.

Note :—In the case of a female candidate, if it is found that she is pregnant of 12 weeks standing or over, she should be declared temporary unfit, vide Regulation 9.

15. For which services of the following seven categories has the candidate been examined and found in all respect qualified for the efficient and continuous discharge of his duties and for which of them is he considered unfit :—

(i) Railway Engineering Services, Gr. A (Civil Electrical, Mechanical and Signal), CES Gr. A and CE & MES Gr. A.

(ii) I.S. Gr. A, CWES Gr. A, CPES Gr. A, CES (Roads) Gr. A, Assistant Executive Engineer and Asstt. Engr. (P&T Board) (Civil Engineering Wing) Posts of Engineer Gr. A (WP&C Wing, Monitoring Organisation), IBS, INAS Gr. A, BRES Gr. A.

(iii) MES Gr. A and Assistant Executive Engineer (Group A) and Assistant Engineer (Group B) in the Corps of EME, Ministry of Defence, Survey of India.

(iv) IOFS (Gr. A).

(v) Assistant Manager (Factories) Gr. A in P&T.

(vi) I.T.S. Gr. 'A'.

(vii) IRSS Gr. A, ISS Gr. A.

Is the candidate fit for Field Service?

Note :—The Board should record their findings under one of the following categories :—

- (i) Fit
(ii) Unfit on account of

President
Member

Place

Date

APPENDIX III

BRIEF PARTICULARS RELATING TO THE SERVICES/POSTS TO WHICH RECRUITMENT IS BEING MADE ON THE RESULTS OF THIS EXAMINATION.

1. INDIAN RAILWAY SERVICE OF ENGINEERS, INDIAN RAILWAY SERVICE OF ELECTRICAL ENGINEERS, INDIAN RAILWAY SERVICE OF SIGNAL ENGINEERS, INDIAN RAILWAY SERVICE OF MECHANICAL ENGINEERS AND INDIAN RAILWAY STORES SERVICE.

(a) Probation :—Candidates recruited to these Services will be on probation for a period of three years during which they will undergo training for two years and put in a minimum of one year's probation in working post. If the period of training has to be extended in any case, due to the training having not been completed satisfactorily, the total period of probation will be correspondingly extended. Even if the work during the period of probation in the working post is found not to be satisfactory, the total period of probation will be extended as considered necessary by the Government.

(b) Training :—All the probationers will be required to undergo training for a period of two years in accordance with the prescribed training syllabus for the particular service/Post at such place and in such manner and pass such examinations during this period as the Government may determine from time to time.

(c) Termination of appointment :—The appointment of probationers can be terminated by three months' notice in writing on either side during the period of probation. Such notice is not, however required in case of dismissal or removal as disciplinary measure after compliance with the provisions of clause (2) of Article 311 of the Constitution and compulsory retirement due to mental or physical incapacity. The Government however, reserve the right to terminate the services forthwith.

- (i) If in the opinion of the Government the work or conduct of probationer is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient Government may discharge him forthwith.
- (ii) Failure to pass the departmental examination may result in termination of services. Failure to pass the examination in Hindi of an approved standard within the period of probation shall be liable to termination of services.

(d) Confirmation :—On the satisfactory completion of the period of probation and on passing all the prescribed departmental and Hindi examinations, the probationers will be confirmed in the Junior Scale of the Service if they are considered fit for appointment in all respect.

(e) Scales of pay :—

- (i) Junior Scale—Rs. 8000-275-13500/-.
(ii) Senior Scale—Rs. 10000-325-15200/-.
(iii) Junior Administrative Grade II—Rs. 12000-375-16500/-.
(iv) Senior Administrative Grade II—Rs. 18400-500-22400/-.

In addition there are supertime scale posts carrying pay between Rs. 18400/- and Rs. 26000/- to which the officers of the above Services are eligible.

A probationer will start on the minimum of Junior Scale and will be permitted to count the period spent in probation towards leave, pension and increments in time scale.

Dearness and other allowances will be admissible in accordance with the orders issued by the Government of India from time to time.

Failure to pass the departmental and other examination during the period of probation may result in stoppage or postponement of increment.

(f) Refund of the cost of training :—If for any reasons which in the opinion of the Government; are not beyond the control of the probationer, a probationer wishes to withdraw from training or probation, he shall be liable to refund the whole cost of his training and any other money paid to him during the period of his probation. For this purpose probationers will be required to furnish a Bond a copy of which will be enclosed along with their offers of appointment. The probationers permitted to apply for examination for appointment to Indian Administrative Service, Indian Foreign Service etc. will not however, be required to refund the cost of the training.

(g) Leave :—Officers of the Service will be eligible for leave in accordance with the Leave Rules in force from time to time.

(h) Medical Attendance :—Officers will be eligible for medical attendance and treatment in accordance with the Rules in force from time to time.

(i) Passes and Privilege Ticket Orders :—Officers will be eligible for free Railway Passes and Privilege Ticket Orders in accordance with the Rules in force from time to time.

(j) Provident Fund and Pensions :—Candidates recruited to the Service will be governed by the Railway Pension Rules and shall subscribe to the State Railway Provident Fund (Non-contributory) under the rules of that Fund as in force from time to time.

(k) Candidates recruited to the Services/Posts are liable to serve in any Railway or Project in or out of India.

(l) Liability to serve in Defence Service :—The probationers appointed shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training if any :—

Provided that such person :—

- (a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;
- (b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

2. CENTRAL ENGINEERING SERVICE GROUP A AND CENTRAL ELECTRICAL AND MECHANICAL ENGINEERING SERVICE GROUP A.

(a) The selected candidates will be appointed on probation for two years. They would be required to pass the prescribed departmental examination during the period of probation. On satisfactory completion of their probation they could be considered for confirmation or continuance in

their appointment. Government may extend the period of probation of two years.

If on the expiration of the period of probation or of any extension thereof, Government are of opinion that the officer is not fit for permanent employment/retention or if at any time during such period of probation or extension, they are satisfied that the officer will not be fit for permanent appointment/retention on the expiration of such period or extension they may discharge the officer or pass such order as they think fit.

(b) As things stand at present, all officers appointed to Central Engineering Service Group 'A' are eligible for promotion to the next higher grade viz., Executive Engineer after completion of five years service in the grade of Assistant Executive Engineer, subject to availability of vacancies and on condition that they are otherwise found fit for such promotion.

(c) Any person appointed on the results of this competitive examination shall, if, so required be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence, of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any.

Provided that such person :—

- (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;
- (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.
- (d) The following are the rates of pay admissible :—
 - (i) I.T.S. (A.E.E.) Rs. 8000-275-13500/-.
 - (ii) S.T.S. (E.E.) Rs. 10000-325-15200.
 - (iii) Junior Administrative Grade (S.E.) :
 - (a) Ordinary Grade Rs. 12000-375-16500/-.
 - (b) Selection Grade Rs. 14300-400-18300/-.
 - (iv) Senior Administrative Grade (C.E.) Rs. 18400-500-22400/-.
 - (v) Super time scales.
 - Additional D.G.—Rs. 22400-525-24500/-.
 - D.G. (W)—Rs. 26000/- Fixed.

These Posts are common to all the three disciplines i.e. Civil, Electrical and Mechanical and Architectural.

Note—The pay of a Government servant who held a permanent posts other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as probationer will be regulated subject to the provision of F.R. 22-B(I).

(e) Nature of duties and responsibilities attached to the posts in Central Engineering Service (Group A) and Central Electrical & Mechanical Engineering Service (Group A).

(i) Central Engineering Service Group A.

Candidates recruited to this Service through Engineering Services Examination are employed in the Central Public Works Department on Planning, Designing, Construction and Maintenance of various civil works (of Central Government) comprising residential buildings, office buildings, institutional and research centres, industrial buildings, hospitals and development schemes, aerodromes, highway and bridges etc. The candidates start their service in the Department as Assistant Executive Engineers (Civil) and in the course of their service are promoted to various senior ranks in the Department.

(ii) Central Electrical and Mechanical/Engineering Service Group A.

Candidates recruited to this Service through Engineering Services Examination are employed in the Central Public Works Department on Planning, Designing, Construction and Maintenance of electrical components of various civil works (of Central Government) comprising of electrical installations, electrical substation and power houses, air-conditioning and refrigeration runway lighting of aerodromes, operation

of mechanical workshops, procurement and upkeep of construction machinery etc. The candidates start their service in the Department as Assistant Executive Engineers (Electrical) and in the course of their service are promoted to various senior ranks in the Department.

3. MILITARY ENGINEER SERVICE GROUP A

(a) The selected candidates will be appointed on probation for a period of two years. A probationer during his probationary period may be required to pass such departmental and language tests as Government may prescribe. If in the opinion of Government the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient or if the probationer fails to pass the prescribed tests during the period Government may discharge him. On the conclusion of the period of probation, Government may confirm the officer in his appointment or if his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory, Government may either discharge him or extend the period of probation for such further periods as Government may consider fit.

Probationers will be required to pass the MES Procedure Suppds. (B/R & E/M), Grade I Examination and Hindi Test during their probationary period of two years. The standard for Hindi Test should be "PRAGYA" (equivalent to Matriculation standard).

(b) (i) The selected candidates shall if so required be liable to serve as commissioned officers in the Armed Forces for a period of not less than 4 years including the period spent on training, if any.

Provided that such a candidate—

- (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;
- (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.
- (ii) The candidates shall also be subject to Civilian in Defence Service (Field Liability) Rules of 1957 published under SRO No. 92, dated 9th March 1957. They will be medically examined in accordance with the medical standard laid down therein.

(c) the following are the rates of pay :

- (a) Assistant Executive Engineer/Assistant Surveyor of Works—Rs. 8000—275—13500/-.
- (b) Executive Engineer/Surveyor of Works—Rs. 10000-325-15200/-.
- (c) Superintending Engineer (Ordinary Grade)/Superintending Surveyor of Works (Ordinary Grade).—Rs. 12000-375-16500/-.
- (d) Superintending Engineer (Selection Grade)/Superintending Surveyor of Works (Selection Grade)—14300-400-18300/-.
- (e) Additional Chief Engineer—Rs. 14300-400-18300/- plus Special pay.
- (f) Chief Engineer/Chief Surveyor of Works—Rs. 18400-500-22400/-.
- (e) Additional Director General (Works)—Rs. 22400-525-24500/-.

4. INDIAN ORDNANCE FACTORY SERVICE GROUP A

(a) Selected candidates will be appointed on probation for a period of 2 years. The period of probation may be reduced or extended by the Government on the recommendation of Director General, Ordnance Factories/Chairman, O.F. Board. Probationer will undergo such practical training as shall be provided by the Government and may be required to pass such departmental and language tests as Government may prescribe. The language test will be a test in Hindi.

On the conclusion of the period of his probation Government will confirm the officer in his appointment. If, however, during or at the end of the period of probation his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory, Government may either discharge him or extend his period of probation for such period as Government may think fit.

(b) (i) Selected candidates shall if so required be liable to serve as Commissioned officers in the Armed Forces for a period of not less than four years including the period spent on training if any provided that such persons (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment and (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(ii) The candidate shall be subject to Civilians in Defence Service (Field Liability) Rules, 1957, published under SRO No. 92 dated 9th March, 1957. They will be medically examined in accordance with the medical standard laid down therein.

(c) The following are Scales of Pay admissible :—

(i) The following are the Scales of Pay admissible :—

Jr. Time Scale—Rs. 8000-275-13500.

Sr. Time Scale—Rs. 10000-325-15200.

Jr. Admin. Grade (OG)—Rs. 12000-375-16500.

Jr. Admin. Grade (SG)—Rs. 14300-400-18300.

Sr. Admin. Gr.—Rs. 18400-500-22400.

Sr. General Manager—Rs. 22400-525-24500.

Addl. DDGOF/Member OFB—Rs. 22400-600-26000.

DGOF/Chairman OFB—26000.

Note :—The pay of Government servant who held a permanent post, other than a tenure post in substantive capacity prior to his appointment as a probationer will be regulated subject to the provisions of Ministry of Defence O.M. No. 15(6)/64/D(Appts) 105 D (Civ. I) dated the 25th November, 1965 as amended from time to time.

(d) Probationers are required to undergo Foundational course at Mussoorie/Nagpur.

(e) A probationer so recruited shall have to execute a bond before joining the service.

5. INDIAN TELECOMMUNICATION SERVICE

GROUP-A.

(a) Appointments will be made on probation for a period of two years. If in the opinion of Government, the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory, or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith on the conclusion of his period of probation. Government may confirm the officer in his appointment or if his work or conduct has in the opinion of the Government been unsatisfactory, Government may either discharge him from the service or may extend his period of probation for such further period as the Government may think fit.

Officer will be required to pass any departmental examination or examinations that may be prescribed during the period of probation. They will also be required to pass tests in Hindi before confirmation.

(b) Officers will also be required to pass professional and language test.

(c) Any person appointed on the results of the Competitive examination shall if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any,

Provided that such person :—

(i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.

(ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(d) the following are a scales of pay admissible :—

(i) Junior Time Scale : Rs. 8000-275-13500.

(ii) Senior Time Scale : Rs. 10000-325-15200/-.

(iii) Junior Administrative Grade : Rs. 12000-375-16500/-.

(iv) Selection Grade JAG : Rs. 14300-400-18300/-.

(v) Senior Administrative Grade : 18400-500-22400/-.

(vi) C.G/M. Grade : Rs. 22400-525-24500/-.

(vii) Advisers Grade : Rs. 22400-600-26000/-.

(viii) The Officers shall also be eligible for consideration for the posts of Members of the Telecom. Commission which is equivalent to Secretary to Govt. of India—Rs. 26000/-.

Note : The pay of a Government Servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as a probationer will be regulated subject to the provision of F.R. 22B(I).

In case the substantive pay is or exceeds Rs. 8550 an officer in the Junior Scale of Indian Telecommunications Service, Group A will not draw any increment till he passes the departmental examinations.

(e) Nature of duties and responsibilities attached to the post in the Indian Telecommunication Service (Group A).

Assistant Divisional Engineer

Assistant Divisional Engineers will be Incharge of a Telegraphs Telephones Engineering Sub-Division. Incharge of Carrier VFT Coaxial Microwave. Long Distance Electrical and Wireless Station and will work generally under a Divisional Engineer. They may also be attached to project Organisation to carry out installation/construction job of various Telecommunication net work.

Divisional Engineer

Divisional Engineers are placed Incharge of Telegraphs/Telephones Engineering Division including Long Distance. Coaxial Microwave maintenance Division and Wireless Divisions. They will be fully responsible for the maintenance of the Telegraphs and Telephones equipments in their charge and will also execute work within their Division. When Divisional Engineers are attached to Project Organisations they will be required to do construction/installation job in the unit.

Junior Administrative Grade

Responsible for administration of Telecommunication assets in the Telecommunication Circles and Telephones Districts and administration and planning of Telecommunication installations, research and development in Telecommunication system etc. Overall incharge of management and administration of Minor Telephone District. Telecommunication Circle etc.

Senior Administrative Grade and CGM Grade

Head of Telecommunications Circle/Telephones District/Project Circle Telecommunication Maintenance Region responsible for the overall management and administration of his charge. Deputy Director General, Telecom Commission provides the top level assistance to the Telecom Commission in framing policy and in overall administration. Sr. DDG Telecom Engineering Centre and DDGs Telecom Engineering Centre are responsible for overall research activities of the Telecommunication/Engineering Centre.

Advisor Grade

In the rank of Additional Secretary to the Government of India primarily responsible for formulating the personnel policies : Operations and maintenance of the telecom networks—both local and long distance; ensuring Annual Plan Implementation by the field units by ensuring timely approval of projects and production/supply of necessary equipment to the field units; and assessment and induction of the new technologies into the telecom network.

6. CENTRAL WATER ENGINEERING (GROUP A) SERVICE

(i) Persons recruited to the post of Assistant Director/Assistant Executive Engineer in the Central Water Engineering (Group 'A' Service) shall be on probation for a period of two years.

Provided that the Government may, where necessary extend the said period of two years for a further period not exceeding one year.

If on the expiration of the period of probation referred to above or any extension thereof as the case may be, the Government are of the opinion that a candidate is not fit for permanent appointment or if any time during such period of probation or extension they are satisfied that he will not be fit for permanent appointment, they may discharge or revert him to his substantive post or pass such order as they think fit.

During the period of probation the candidate may be required by the Government to undergo such courses of training and instruction and to pass such examination and tests as it may think fit as a condition to satisfactory completion of probation.

(ii) Any person appointed on the result of this competitive examination shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training, if any.

Provided that such person :—

(a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.

(b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(iii) The officers appointed to the post of Assistant Director/Assistant Executive Engineer can look forward for promotion to higher grade of Deputy Director/Executive Engineer/Superintending Engineer/Director (Ordinary Grade), Director/Superintending Engineer (Selection Grade)/Chief Engineer/Member/Chairman, CWC after fulfilling the prescribed conditions.

(iv) The scales of pay for Group A Engineering post in Central Water Engineering (Group 'A' Service) are as follows :—

(Civil and Mechanical Posts in the Central Water Engineering Group 'A' Service).

1. Assistant Director/ Assistant Executive Engineer	Rs. 8000—275—13500
2. Deputy Director/ Executive Engineer	Rs. 10000—325—15200
3. Superintending Engineer/Director (Ordinary Grade)	Rs. 12000—375—16500
4. Director/Superintending Engineer Selection Grade).	Rs. 14300—400—18300
5. Chief Engineer	Rs. 18400—500—22400
6. Member CWC Chairman GFCC.	Rs. 22400—525—24500
7. Chairman CWC	Rs. 26000 (fixed)

(v) Nature of duties and responsibilities attached to the posts in the Central Water Engineering (Group A) Service.

Assistant Director (Civil and Mechanical)

Planning, Surveys investigation and design of projects, including preparation of estimates, reports etc. for the conservation and regulation, of water resources for the development of irrigation, navigation, power, domestic water supply, flood control and other purposes.

Assistant Executive Engineer (Civil and Mechanical)

Responsible for the Sub-Division or other units of works allotted to him. He is required to maintain accounts records of cash and stores under his charge as well as work abstracts

9—371GI/97

with certain accompaniments for each work as process in the Sub-Division. He is responsible for the correct maintenance of measurement books, muster rolls and other records under his charge in accordance with the prescribed rules, etc.

7. CENTRAL POWER ENGINEERING (GROUP A) SERVICE

(i) Description of the Organisation

The Central Electricity Authority was constituted under Section 3(1) of the Electricity (Supply) Act, 1948, and is vested with the responsibility to develop a strong, adequate and uniform national Power Policy to co-ordinate the activities of the Planning agencies in relation to the control and utilization of the National Power resources. All the Power Schemes (Generation, Transmission, Distribution and Utilisation of Power Supply) in the country are scrutinised in the Central Electricity Authority in respect of feasibility, technical analysis, economic, viability, etc. to ensure that the schemes would fit into the overall development of the States as well as the Region and will conform to the overall context of National Economy. The organisation occupies pivotal position in the development of national economy power providing its main motive force.

(ii) Description of the grade to which the recruitment is made through the Engineering Services Examination held by Union Public Service Commission.

Fifty per cent of vacancies in the grade of Assistant Director (Grade-I)/Assistant Executive Engineer in the scale of Rs. 8,000—13,500/- are filled by direct recruitment on the results of the Engineering Services Examination held by the Union Public Service Commission annually.

Persons appointed to the posts of Assistant Director (Grade-I)/Assistant Executive Engineer of the Central Power Engineering (Group A) shall be on probation for a period of two years provided that the Government may, where necessary, extend the said period of two years for a further period not exceeding one year.

If on the expiration of the period of probation referred to above or any extension thereof, as the case may be, the Government are of the opinion that a candidate is not fit for permanent appointment or if at any time during such period of probation or extension, they are satisfied that he will not be fit for permanent appointment on the expiration of such period of probation or extension, they may discharge or revert him to his substantive post or pass such order as they think fit.

During the period of probation, the candidate may be required by the Government to undergo such courses of training and instruction and to pass such examination and tests as it may think fit as a condition to satisfactory completion of probation.

Any person appointed on the results of this competitive examination shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any, provided that such persons—

(a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;

(b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(iii) Promotion to higher grades

The officers appointed to the posts of Assistant Director (Grade-I)/Assistant Executive Engineer are eligible for promotion to higher grade viz. Deputy Director/Executive Engineer/Director/Superintending Engineer (Ordinary Grade) Director/Superintending Engineer (Selection Grade) and Chief Engineer subject to availability of vacancies in the grade concerned, after fulfilling the conditions laid down in the Central Power Engineering (Group A) Service Rules, 1965 as amended from time to time.

(iv) *Scale of pay*

The scale of pay for the posts of Central Power Engineering (Group A) Services in the Central Electricity Authority are as follows :—

Electrical, Mechanical and Tele-communication posts in the Central Electricity Authority :—

Name of the post	Pay Scale
1. Assistant Director (Grade-I)/ Assistant Ex-Engineer	Rs 8000—275—13500
2. Dy. Director/ Ex-Engineer	Rs. 10000—325—15200
3. Non Functional Junior Administrative Grade	Rs. 12000—375—16500
4. Director/Supd. Engineer	Rs. 14200—400—18300
5. Chief Engineer/ Member Secretary	Rs. 18400—500—22400

(v) *Duties and responsibilities*

Nature of duties and responsibilities attached to the posts of Assistant Director (Grade-I)/Assistant Executive Engineer are :—

Collection, compilation and co-relation of technical data required for dealing with various types of problems in the fields of power development. He is also required to deal with cases and handle matters in relation thereto including erection, operation, maintenance of Hydro and Thermal Power Projects as well as Transmission and Distribution Power Systems, studying project reports providing assistance in preparation of power plans, designs or projects etc. While working in field Units, he is responsible for the Sub-Division or other works allotted to him.

8. ENGINEERS (GROUP A) IN THE WIRELESS PLANNING AND COORDINATION WING/MONITORING ORGANISATION, MINISTRY OF COMMUNICATION (DEPARTMENT OF TELE-COMMUNICATION).

(a) Scale of pay Rs. 8,000-275-13,500/-.

(b) The incumbent of the post of Engineer is eligible for promotion against 100% of the vacancies in the grade of Assistant Wireless Adviser, Wireless Planning and Coordination Wing/Engineer-in-Charge, Monitoring Organisation (Scale of pay Rs. 10,000-325-15,200/- plus per month as special pay for the post of Assistant Wireless Adviser) after putting in five years service in the grade. Promotion to the grade of Assistant Wireless Adviser/Engineer-in-Charge will be on the basis of their selection on the recommendations of the Departmental Promotion Committee as constituted for Group A posts.

All Assistant Wireless Adviser and Engineer-in-Charge with 5 years service in the Grade of Assistant Wireless Adviser/Engineer-in-Charge are eligible for being considered for promotion as Deputy Wireless Adviser/Deputy Director (Scale Rs. 12,000-375-16,500/-). The vacancies in the grade of Deputy Wireless Adviser/Deputy Director are filled 100% by promotion on the basis of selection on the recommendations of the DPC as constituted for Group A posts.

The requirements for promotion to the next higher grade, as laid down above, are those of minimum eligibility and that promotion in the grade concerned will take place subject to availability of vacancies only.

(c) The person appointed to the post of Engineer is liable to be posted anywhere in India.

(d) Any person appointed to the post of Engineer shall if so required be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than 4 years including the period spent on training if any.

Provided that such a person :—

(i) Shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;

(ii) Shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(e) Nature of Duties and Responsibilities Attached to the Post.

(i) Supervision, guidance and training of staff in the different units of the WPC Wing/Wireless Monitoring Organisation.

(ii) Installation, calibration, testing and maintenance of various categories of electronic equipment, antennae and ancillaries employed in radio frequency monitoring, covering the entire radio frequency spectrum and various types of commissions.

(iii) Licensing and inspection of wireless installations of the various user departments/Organisations for different types of the radio communication services.

(iv) All aspects relating to national and international co-ordination for the use of radio frequency spectrum and geostationary satellite orbit including preparation of allocation plans, establishment of relevant technical standards, type approved of equipment, studies of electromagnetic interference compatibility etc.

(v) Administration of Internal Radio Regulations including formulation and implementation of corresponding national rules and regulations.

(vi) Conducting of examination for Certificate of Proficiency/Radio Armatures etc. and issuing of respective Licenses.

(vii) Research and development work relevant to radio frequency management and monitoring.

(viii) National level preparation for the conference and meeting of International Telecommunication Union, and as appropriate, or other international/regional organisations dealing with telecommunications.

9. CENTRAL ENGINEERING SERVICE (ROADS), GROUP A

(a) The selected candidates will be appointed as Assistant Executive Engineer on probation for two years. On the completion of the period of probation, if they are considered fit for permanent appointments, they will be confirmed as Assistant Executive Engineer if permanent vacancies are available. The Government may extend the period of probation of two years.

If on the expiration of the period of probation or of any extension thereof, Government are of the opinion that an Assistant Executive Engineer is not fit for permanent employment or if at any time during such period of probation on extension they are satisfied that an Assistant Executive Engineer will not be fit for permanent appointment on the expiration of such periods of extension, they may discharge the Assistant Executive Engineer or pass such orders as they think fit.

(b) Any person appointed on the results of this competitive examination shall if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any.

Provided that such person—

(i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.

(ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(c) The following are the scale of pay admissible :

Assistant Executive Engineer Rs. 8000-275-13500/-.

Executive Engineer Rs. 10000-325-15200/-.

Superintending Engineer Rs. 12000-375-16500.

Superintending Engineer (Slection Grade) Rs. 14300-400-18300/-.

Chief Engineer Rs. 18400-500-22400/-.

Additional Director General (Road/Bridges) Rs. 22400-525-24500/-.

Director General (Roads Development) and Additional Secretary Rs. 22400-600-26000/-.

Note : The pay of Government servant who held a permanent post other than a tenure post in substantive capacity prior to his appointment as a probationer in the Central Engineering Services, Group A/Group B will be regulated subject to the provision of F.R. 22-B(1).

(d) Nature of duties and responsibilities attached to the post in Central Engineering Service (Roads) Group A.

(i) Civil Engineering Posts :—

To assist the Senior Technical Officers at Hqrs. and in the Regional Offices etc. of the Roads Wing, Ministry of Surface Transport in planning, preparing designs and estimates of Roads/Bridges work and scrutiny of proposals for such work received from the States.

(ii) Mechanical Engineering Posts :—

To assist the Senior Technical Officers at Hqrs. and in the Regional Offices etc. of the Roads Wing, Ministry of Surface Transport in planning, procurement, operation and maintenance of Roads/Bridges construction equipments, to prepare estimates for repairs and maintenance of such equipments and scrutiny of proposals and estimates received from the States.

10. INDIAN BROADCASTING (ENGINEERS) SERVICE, MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING.

(a) Every officer on appointment to the Service either by direct recruitment or by promotion in Junior scale shall be on probation for a period of two years :

(i) Provided that the Controlling Authority may extend or curtail the period of probation in accordance with the instruction issued by Government from time to time.

(ii) Provided further that any decision for extension of a probation period shall be taken within eight weeks after the expiry of the previous probationary period and communicated in writing to the concerned officer together with the reasons for so doing with the said period.

(iii) On completion of the period of probation or any extension thereof Officers shall, if considered fit for permanent appointment, be retained in their appointments on regular basis and be confirmed in due course against the available substantive vacancies as the case may be.

(iv) If, during the period of probation or any extension thereof, as the case may be Govt. is of the opinion that an officer is not fit for permanent appointment in Government it may discharge or revert the candidate to the post held by him prior to his appointment in the Service, as the case may be or pass such orders as they deem fit.

(v) During the period of probation or any extension thereof candidates may be required by the Government to undergo such course of training and instructions and to pass such examination and tests (including examination in Hindi) as Govt. may deem fit, as a condition to satisfactory completion of the probation.

(b) Appointment to the Service.—All appointments to the service shall be made by the Controlling Authority

for all the posts in various grades of the Service whether in 'Akashwani' or in 'Doordarshan'.

(c) Liability for service in any part of India and other conditions of service :—

(i) Officers appointed to the Service shall be liable to serve anywhere in India or outside.

(ii) Any officer appointed to the Service, if so required, shall be liable to serve in any Defence Service or a post connected with the defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training if any.

Provided that such officers :—

(i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of 10 years from the date of his appointment to the Service or from the date of his joining prior to the initial constitution of the Services.

(ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid if he has attained the age of 40 years.

(d) The conditions of service of the members of the Service in respect of matters for which no provision is made in these rules shall be the same as are applicable from time to time, to officers of Central Civil Services in general.

The following are scales of pay admissible :—

1. Junior Scale	Rs. 8000—275—13500
2. Senior Scale	Rs. 10000—325—15200
3. Junior Administrative Grade	Rs. 12000—375—16500
4. Junior Administrative Grade (Selection Grade)	Rs. 14300—400—18300
5. Senior Administrative Grade	Rs. 18400—500—22400
6. Engineer-in-Chief	Rs. 22400—525—24500

Nature of Duties and responsibilities attached to the post of Junior Scale of Indian Broadcasting (Engineers) Service (Group A) : Operation maintenance; management; planning; design; Installation and commissioning of radio and Television broadcast stations, Research and training of staff in the associated fields; Responsibility for the supervision of the work of subordinate staff.

11. INDIAN NAVAL ARMAMENT SERVICE

(a) Candidate selected for appointment to the service will be appointed as probationers for a period of two years which period may be extended at the discretion of competent authority. Failure to complete the probation to the satisfaction of the competent authority will render them liable to discharge from service.

(b) The appointment can be terminated at any time by giving the required period of notice (one month in the case of temporary appointment and three months in the case of permanent appointment by competent authority). The Government, however, reserves the right of terminating services of the appointees forthwith or before the expiry of the stipulated period of notice by making payment of a sum equivalent to pay and allowances for the period of notice or the unexpired portion thereof.

(c) They will be subject to terms and conditions of the Service as applicable to Civilian Government Servants paid from the Defence Services Estimates in accordance with the orders issued by the Government of India from time to time. They will be subjected to Field Service Liability Rules 1957 as amended from time to time.

(d) They will liable for transfer anywhere in India or abroad.

(e) Scale of pay and classification—Group A Gazetted.

- (i) Deputy Armament Supply Officer, Grade-II—Rs. 8000-275-13500.
- (ii) Deputy Armament Supply Officer, Grade-I—Rs. 10000-325-15200.
- (iii) Naval Armament Supply Officer (Ordinary Grade) Rs. 12000-375-16500.
- (iv) Naval Armament Supply Officer (Selection Grade)—Rs. 14300-400-18300.
- (v) Director of Armament Supply—Rs. 18400-500-22400.

(f) Prospects of promotion to higher grades :—

- (i) Deputy Armament Supply Officer, Grade I DASOs Grade II with 5 years service are eligible for promotion to the grade of DASO Grade I in the scale of pay of Rs. 3000—4500/- on the basis of selection on the recommendations of DPC provided that only those officers will be considered for promotion who have passed the departmental examination which may be held after technical training course or the naval Technical Staff Officers Course at the I.A.T., Kirkee.

(Naval Armament Supply Officer (Ordinary Grade).

Deputy Armament Supply Officer, Grade I with 5 years' service as such are eligible for promotion to the grade of Naval Armament Supply Officer (Ordinary Grade) in the pay scale of Rs. 12000—16500 on the basis of selection to be made by the appropriate DPC.

(iii) Naval Armament Supply Officer (Selection Grade).

Naval Armament Supply Officer (Ordinary Grade) with 5 years' service as such are eligible for promotion to the grade of Naval Armament supply Officer, (Selection Grade) in the pay scale of Rs. 14300—18300 on the basis of selection to be made by the appropriate DPC.

(iv) Director of Armament Supply.

Naval Armament Supply Officer (Selection Grade) with 3 years service in the grade(s) are eligible for promotion to the grade of Director of Armament Supply in the pay scale of Rs. 18400—22400 on the basis of selection to be made by the appropriate DPC.

The requirements for promotion to next higher grade as laid down above, are those of minimum eligibility and that promotion in the grade concerned will take place subject to availability of vacancies only.

Note : The pay of the Government servant who held a permanent post other than tenure post in a substantive capacity immediately prior to his appointment as a probationer may be regulated subject to the provision of F.R. 22B(1) and the Corresponding article in CSR applicable to probationer in the Indian Navy.

(g) Nature of duties and responsibilities attached to the post of Deputy Armament Supply Officer Grade II in the Indian Navy, Ministry of Defence.

- (i) Production, planning and direction of work relating to repair, modification and maintenance of armaments, incorporating various mechanical, electronics and electrical devices and system production and productivity.
- (ii) Provision of machinery, electronic and electrical equipment for repair, maintenance and overhaul.
- (iii) Development work to establish import substitutes, preparation of indigenous design specifications.
- (iv) Providing of mechanical, electronics and electrical spares for armaments.

- (v) Periodical calibration testing/examination of sub-assemblies and assemblies of mechanical electronics and electrical items of armaments (missiles, torpedos, mines and guns) measuring instruments etc.
- (vi) Providing logistic support in respect of armament stores to fleet and Naval Establishments.
- (vii) Rendering of technical advice to the service in all matters relating to mechanical, electronic and electrical engineering in respect of armaments.

12. ASSISTANT EXECUTIVE ENGINEERS IN P&T BUILDING WORKS (GROUP 'A') SERVICE

(a) The candidates will be appointed on probation for a period of two years. They will be required to undergo a training as prescribed. If in the opinion of Government, the work or conduct of an officer appointed on probation is unsatisfactory, or shows that he is unlikely to become efficient Government may discharge him forthwith. On the conclusion of his period of probation Government may confirm the officer in his appointment. If his work or conduct has in the opinion of the Government been unsatisfactory, Government may, either discharge him from the service or may extend his period of probation for such further period as the Government may think fit.

Officers will be required to pass the departmental examination or examinations that may be prescribed during the period of probation. They will also be required to pass a test in Hindi.

(b) An officer appointed on the results of this competitive examination shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any.

Provided that such persons—

- (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.
- (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.
- (c) The following are the scales of pay admissible :—

Group A

- (i) Assistant Executive Engineer (Civil/Electrical) Rs. 8000-275-13500.
- (ii) Executive Engineer (Civil) Surveyor of Works (Civil) Executive Engineer (Head Quarter) Rs. 10000-325-15200.
- (iii) Superintending Engineer (Civil)/Superintending Surveyor of Works (Civil)/Superintending Engineer (Head Quarter) Rs. 12000-375-16500.
- (iv) Superintending Engineer/Superintending Surveyor of Works (Civil/Electrical) (Selection Grade) Rs. 14300-400-18300.
- (v) Chief Engineer (Civil/Electrical) (Senior Administrative Grade) Rs. 18400-500-22400.
- (vi) Senior Deputy Director General (Building Works) Rs. 22400-525-24500.

(d) Nature of duties and responsibilities attached to the post in P&T Civil Wing are as follows :—

Candidates recruited to P&T-Civil Wing through Engineering Services Examination are employed in Planning, Designing, Construction and Maintenance of various civil works of P&T Department comprising of Residential Buildings, Office Buildings, Telephone Exchange Buildings, Post Office Buildings, Factories, Store and training centres etc. The candidates start their service in the department as Asstt. Executive Engineers/and in the course of their service are promoted to various senior ranks in the department.

13. POSTS OF ASSISTANT EXECUTIVE ENGINEER/ ASSISTANT ENGINEER IN THE CORPS OF EME, MINISTRY OF DEFENCE :—

- (a) Persons recruited to the post of Assistant Executive Engineer/Assistant Engineer in the Corps of EME will be on probation for a period of two years.
- (b) Candidates appointed to the post will be liable to serve any where in India.
- (c) The following are the rates of pay admissible :—
 - (i) Assistant Engineer—Rs. 6500-200-10500.
 - (ii) Assistant Executive Engineer—Rs. 8000-275-13500.
 - (iii) Executive Engineer—Rs. 10000-325-15200.
 - (iv) Superintending Engineer—Rs. 12000-375-16500.
 - (v) Additional Chief Engineer—Rs. 14300-400-18300.
 - (vi) Chief Engineer—Rs. 16400-450-20000.
- (d) Duties.—To function as an incharge of a section undertaking repairs of 'A', 'B' and 'C' Vehicles, Guns, Wireless and Radar Equipment and instruments, will be required to work as Workshop Officer in EME Army Base Workshop/Station Workshops and/or Staff EME (Extra-Regimental Employment) appointments in lieu of captain (EME) including administrative duties. or as Instructor in EME Training Establishments
- (e) The posts are non-pensionable in the initial stage but become pensionable if and when made permanent. However, if a person holding a permanent pensionable post under Government is appointed he will continue to enjoy his pensionary status.
- (f) Candidates selected for the post are bound for field service liability and should possess medical category 1 (one).
- (g) The officers have chances of further studies like M. Tech. specialization in various discipline viz. Radar, communication, tanks and guns etc. and various courses in foreign countries :—

14. INDIAN SUPPLY SERVICE/INDIAN INSPECTION SERVICE :—

(a) Selected candidates will be appointed on probation for a period of two years. On completion of the period of probation the officers, if considered fit for permanent appointment, will be confirmed in their appointments subject to availability of permanent posts. The Government may extend the period of two years of probation.

If on the expiry of the period of probation or any extension thereof, the Government are of the opinion that an officer is not fit for permanent employment, or if at any time during such period of probation or extension on thereof they are satisfied that any officer will not be fit for permanent appointment on the expiry of such period or extension thereof they may discharge the officer or pass such order as they think fit.

The officer will also be required to pass a prescribed test in Hindi before confirmation.

(b) Any person appointed on the result of this competitive examination shall, if so required be liable to serve in any Defence Service or post connected with the defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training, if any.

Provided that such persons—

- (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.
- (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(c) The following are the rates of pay admissible :—
Junior Time Scale

Assistant Director (Grade-1) Rs. 8000-275-13500/-
Senior Time Scale

Deputy Director Rs. 10,000-325-15,200/-

Jr. Administrative Grade

Director (Ordinary) Rs. 12,000-375-16,500/-

Director (Non-Functional Selection Grade) Rs. 14,300-400-18,300/-

Sr. Administrative Grade

Deputy Director General Rs. 18,400-500-22,400/-

Higher Administrative Grade

Additional Director General Rs. 22,400-525-24,500/-

NOTE :—The pay of a Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to this appointment as a probationer will be regulated subject to the provisions of F.R. 22-B(1).

(d) Nature of duties and responsibilities attached to the post in Indian Supply Service, Group 'A'/Indian Inspection Service Group 'A' :—

INDIAN SUPPLY SERVICE GROUP 'A'

The main item of work of the officers of this Service is to conclude long term contracts for procurement of stores which are commonly required by various Central Government Departments on recurring basis. Such stores cover a wide variety of items starting from simple hardware items to sophisticated and costly engineering and electronic items. As and when requested, the officers of this Service are also to arrange purchase of ad-hoc requirements of stores of different Government organisations. In addition, they are to frame purchase policies which are adopted by other Government Departments also and, when requested, guide other Government Departments in such matters. Their duties also include disposal of certain categories of surplus Defence stores and clearance of Government cargoes at the Indian ports of entry on request. The officers of the Indian Supply Service are therefore, expected to possess the requisite technical backgrounds to deal with such diversified nature of duties.

INDIAN INSPECTION SERVICE GROUP 'A'

Inspection and testing of Engineering articles and materials and stores of allied nature, supervision of Junior Officers work and ensuring that they are adequately instructed on their work and duties, personal attention to work of importance, drafting of technical reports, specifications and Schedules of requirements and checking of the technical particulars of indents for engineering stores rendering of technical advice and assistance in engineering matters to offices of other branches of the Department indentors and manufactures.

15. BORDER ROADS ENGINEERING SERVICE GROUP 'A'

(i) The selected candidates will be appointed as Assistant Executive Engineers on probation for a period of two years. The probationer during the probation period may be required to pass such departmental tests as Government may prescribe. At any time during the period of probation or on conclusion thereof, if his work and conduct has in the opinion of the Government, been unsatisfactory, Government may either discharge him or extend the period of probation for such further period as Government may consider fit.

(ii) The selected candidates shall be liable to serve in any part of Indian or outside including the field area in war and in peace. They will be medically examined in accordance with the medical standards laid down for the field service.

(iii) The following are scales of pay admissible to them :—

(a) AEE (Civil)	Rs. 8000—275—13500
Executive Engineer (Civil)	Rs. 10000—325—15200
Superintending Engineer (Civil)	Rs. 12800—375—16500
Superintending Engineer (Civil) (Selection Grade)	Rs. 14300—400—18300
Chief Engineer (Civil)	Rs. 18400—500—22400
Adtl. DGBR	Rs. 22400—525—24500
(b) AEE (E&M)	Rs. 8000—275—13500
Executive Engineer (E&M)	Rs. 10000—325—15200
Superintending Engineer (E&M)	Rs. 12000—375—16500
Superintending Engineer (E&M) (Selection Grade)	Rs. 14300—400—18300
Chief Engineer (E&M) (Proposed to be created in due course)	Rs. 18400—500—22400

(iv) The officers appointed to the post of Assistant Executive Engineer can look forward to promotion to the higher grades of Executive Engineer, Superintending Engineer, Chief Engineer (applicable to officers on the Civil Engineering side only) after fulfilling the prescribed conditions.

No post of Chief Engineer exists at present on the Mechanical Engineering side.

The requirements for promotion to next higher grade, as laid down above are those of minimum eligibility and that promotion in the grade concerned will take place subject to availability of vacancies only.

(v) The Officers appointed to the service are entitled to special compensatory allowance and free ration at prescribed scales when employed in certain specified area besides the other usual allowances such as H.R.A. and C.C.A. etc., as admissible to Central Government Servants. They are also entitled to outfit allowances for the uniform.

(vi) The Officers appointed to the Border Roads Engineering Service Group 'A' post would also be subject to Army Act, 1950 for the purpose of discipline.

(vii) Ladies are ineligible for appointment in Border Roads Engineering Service Group A in view of the extension of the provisions of Section 12 of the Army Act to this Service.

16. POSTS OF ASSISTANT MANAGER (FACORIES) GROUP A IN THE P & T TELECOM FACTORIES ORGANISATION

(i) Persons recruited to the post of Assistant Manager (Factories) in the scale of pay Rs. 8000-13500/- shall be on probation for a period of 2 years.

(ii) During the period of probation, the candidate shall be required to undergo practical training in accordance with the programme of training that may be prescribed by the Central Government from time to time and are required to pass a professional examination and a test in Hindi.

(iii) Any person appointed to the post of Assistant Manager, (Factories) shall, if so required be liable to serve in the Defence Services or posts connected with the Defence of India, for a period not less than four years including the period spent on training if any.

Provided that such person—

(a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;

(b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(iv) Prospects of promotion to higher grades:

(a) Assistant Managers with a minimum of 5 years of a regular service in the grade are eligible for promotion to the grade of Senior Engineer (Sr. Time Scale) in the scale of Rs. 10000-325-15,200/-.

(b) Senior Engineers with a minimum of 5 years of service in the grade are eligible for promotion to the grade of Deputy General Manager/Manager (Factories) in Junior Admn., Grade in the scale of pay of Rs. 12,000-375-16,500/-.

(c) Deputy General Manager/Manager with 5 years regular service rendered in the grade are eligible for promotion to the Non-Functional Selection Grade of Deputy General Manager/Manager (Selection Grade) Telecom Factory in the scale of Rs. 14300-400-18300/-.

(d) Dy. General Manager/Manager with 8 years regular service in Junior Administrative Grade (including service, if any, in the Non-functional Selection Grade) or 17 years of regular service in Group 'A' Post, out of which at least 4 years regular service should be in the JAG Grade (including service, if any, in the Non-functional selection Grade) are eligible for promotion to the Grade of Chief General Manager, Telecom Factory in the scale of Rs. 18400-500-22400/- (Senior Administrative Grade).

(v) Nature of duties and responsibilities attached to the post:

Assistant Manager—Supervision and management of Telecom Factories of Department of Telecom in the areas of production of Telecom stores and to deal with service matters of industrial and non-industrial workers and staff including their appointments.

Senior Engineer—Head of a branch viz., Production Planning, Development, Maintenance, Tools etc. and to work as Appointing and Disciplinary Authority for various trades/cadres in Telecom Factories.

Deputy General Manager/Manager (Selection Grade) and Deputy General Manager/Manager—To assist the Chief General Manager in day-to-day work of general administration, production, discipline, planning etc. Incharge of a Factory or production unit/Wing.

Chief General Manager—Head of the Telecom Factory, Responsible for overall control, of general administration, production, planning, discipline, etc. in the Factory.

17. SURVEY OF INDIA GROUP 'A' SERVICE

1. Appointments will be made on probation for a period of two years.

Provided that the Controlling Authority may extend the period of probation in accordance with the instructions issued by Government from time to time in this regard.

Provided further that any decision for extension of a probation period shall be taken ordinarily within eight weeks after the expiry of the previous probationary period and communicated in writing to the concerned officer together with the reasons for so doing within the said period.

On completion of the period of probation or any extension thereof, as the case may be, if the Government is of the opinion that an officer is not fit for permanent appointment, for reasons to be recorded in writing, may discharge

or revert the officer to the post held by him prior to his appointment in the service, as the case may be.

During the period of probation, or any extension thereof, candidates may be required by Government to undergo such courses of training and instructions and to pass examinations and tests (including examination in Hindi) as Government may deem fit, as a condition to satisfactory completion of the probation.

2. Officers appointed shall be liable to serve anywhere in India and abroad.

3. Officers appointed shall be liable to undergo such training and be detailed on courses of instruction in India or abroad as the Government may decide from time to time.

4. Any person appointed on the result of competitive examination shall if so required be liable to serve in any defence services or posts connected with defence of India for a period not less than 4 years including the period spent on training, if any, provided that such persons shall not be required :—

(i) to serve as aforesaid after the expiry of 10 years from the date of appointment;

(ii) ordinarily to serve as aforesaid after attaining the age of 40 years.

5. The following are the scales of pay admissible :—

Junior Scale	Rs. 8000—275—13500
Senior Scale	Rs. 10000—325—15200
Junior Administrative Grade	Rs. 12000—375—16500
Selection Grade	Rs. 14300—400—18300
(Junior Administrative (Grade)	
Senior Administrative Grade)	Rs. 18400—500—22400
Surveyor General of India	Rs. 22400—525—24500

6. Nature of duties and responsibilities attached to the various posts.

Deputy Superintending Surveyor—Required to carry out Survey work in the fields of geodesy, photogrammetry, cartography and digital mapping as an individual worker, as well as Section Officer/Camp Officer to supervise Sections/Camps. He will also assist Officer-in-Charge (Superintending Surveyor) in—both technical & administrative work of the unit.

Superintending Surveyor—Responsible for the organisation and discipline of the Party, custody, maintenance and accurate accounting of stores, economical expenditure of funds at his disposal, proper training of all his Officers and men in their duties and in the method of Survey best suited to the work, execution and supervision of all technical work—field verification, fair mapping, photogrammetry and digital mapping etc.

Deputy Director—Assist the functional Director in smooth and efficient functioning of the Directorate, responsible for scrutinising, completion and monitoring of all technical, administrative and financial reports and returns, for arranging trade, tests, circle DPCs, presiding over procurement boards,

finalising of tender and contract and all other matter delegated by the Director.

Director/Deputy Director Selection Grade—Responsible for all surveys and mapping, appointing and disciplinary authority for all Group 'C' staff, technical coordinating guidance, supervision and monitoring of Surveying & Mapping operations including advice to State Govt. Central project Authorities etc. etc., financial management, budgeting, monitoring and control of entire expenditure of the Directorate.

Additional Surveyor General—Complete overall responsibility for the efficient performance of the Circles under his charge in respect of technical, scientific, administration, finance and accounts, finalising the field and fair mapping programmes and printing work for all circles under his charge, monitoring progress of technical work according to the prescribed norms and ensure requisite standard of accuracy at every stage, responsible for development/adoption of new technical methods of work, advice to State Governments on all surveying matters falling in his Zone.

MINISTRY OF TEXTILES

New Delhi, the 26th November 1997

F. No. 1/18/96-CTM.—In continuation of the Notification of even number dated 21st April '97, the Government of India have decided to include the following additional non-official member, on the Cotton Advisory Board.

Handloom Sector

Sh. Kolanu Krishna,
30-16-8, V Rangarao Street,
Sitarama Puram,
Vijayawada-520002.

2. The Board will advise the Government generally on matters pertaining to production, consumption and marketing of cotton including matters within the purview of the Cotton Control Order, 1986 and also provide a forum for liaison between the Cotton Textile Mill Industry, the Cotton growers, the Cotton Trade and the Government.

3. The members of the reconstituted Board will serve on the Board upto 20th April, 1999.

4. The Non-official members will be allowed TA&DA for attending the meetings of the CAB in accordance with the instructions of the Ministry of finance.

5. The attendance in the meeting of the Board is restricted to the members only.

Ordered that a copy of this Notification be communicated to all concerned.

Ordered also that it be published in the Gazette of India.

AJIT SETH, Jt. Secy.

